हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 2000

(द्वितीय बैठक)

खण्ड - 1, अंक - 4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 10 मार्च, 2000

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)1
वैयक्तिक स्पष्टीकरण —	
श्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा	(4)23
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)24
अतिविशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत	(4)42
राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)43

मूल्य :

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार, 10 मार्च, 2000 (द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 2.00 बजे (अपराह्न) हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : साहेबान, जिस समय हाउस एडजर्न हुआ था उस समय श्री अजय सिंह बोल रहे थे। अब वे कान्टीन्यू करेंगे।

श्री अजय सिंह (रिवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान रिवाड़ी के अन्दर जो ग्रेन मार्किट है उसकी तरफ दिलाना चाहूंगा। वहां पर अभी 8-10 महीने पहले बहुत ज्यादा पैसे लगाकर सड़क बनाई गई थी लेकिन एक बरसात होने से ही वह सड़क टूट गई। इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से आग्रह है कि रिवाड़ी की ग्रेन मार्किट में कंक्रीट की सड़क बनाई जाये। इसके अतिरिक्त रिवाड़ी की जो सब्जी मण्डी है उसके बूथों को बने 3-4 साल हो गये हैं लेकिन आज तक भी उनकी ऑक्शन नहीं हुई है इसलिए मैं मुख्य मंत्री से अनुरोध करूंगा कि उन बूथों की ऑक्शन भी जल्दी ही कराई जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहूंगा कि हमारे वहां पर ऐसे-ऐसे गांव हैं जिनके निवासियों की वोट विधान सभा चुनाव में तो थी लेकिन पंचायत चुनाव में नहीं है। ऐसा ही एक गांव आकेड़ा है जो मेरे हल्के में पड़ता है। इसके अतिरिक्त शहर के रामसिंह पुरा वार्ड में भी कई लोगों की वोट विधान सभा चुनावों में तो थी लेकिन नगरपालिका चुनावों की लिस्ट में उनका वोट नहीं है। इसलिए मैं मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि अधिकारियों को हिदायतें दी जायें कि इस तरह से लोगों के साथ खिलवाड़ न किया जाये और उनकी वोट बनाई जाये। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब अपनी सरकार को किसान हितैषी बताते हैं। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार ने फर्टीलाईजर और डिप्पू में गेहूं और चावल के जो रेट बढ़ाये हैं वे इस बारे में केन्द्र सरकार पर दबाव डालकर इसे वापिस करवायें। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से रिवाड़ी में एक बाई-पास बनाने के बारे में अनुरोध करूंगा। वहां पर जब नारनौल से रिवाड़ी या झज्जर से रिवाड़ी आते हैं तो वहां पर वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लग जाती हैं। दूसरे 2-3 शहरों में बाई-पास बन रहे हैं इसलिए मेरा निवेदन है कि हमारे वहां भी बाई-पास बनवाया जाये। कई जगहों पर ओवर-ब्रिज बनाये जा रहे हैं या बन गये हैं लेकिन हमारे वहां एक भी ओवर-ब्रिज नहीं है। अध्यक्ष महोदय, नई सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए ताकि रिवाड़ी के लोगों की समस्याएं कुछ कम हों। अध्यक्ष महोदय, भिवानी में फेस-टू बनाया गया है वहां पर भी बाई-पास बन रहा है। इसलिए रिवाड़ी में

[श्री अजय सिंह]

भी बाई-पास बनाया जाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि इरिगेशन विभाग दक्षिणी हरियाणा के किसी विधायक को दिया जाये। यह विभाग कभी भी दक्षिणी हरियाणा के किसी विधायक को नहीं दिया गया। मैं मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करना चाहूंगा कि यह विभाग रंगा साहब को दिया जाये। श्री रंगा जी मुख्य मंत्री महोदय की पार्टी के एक मात्र दक्षिणी हरियाणा से विधायक हैं। ताकि दक्षिणी हरियाणा का भी कुछ विकास हो सके। स्पीकर सर, यह विभाग हमेशा सिरसा या हिसार वाले लोगों के पास रहा है। यह विभाग चौधरी संपत सिंह जी के पास भी रहा है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मेरा दोबारा मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि वे इस भेदभाव की राजनीति को खत्म करें और रंगा साहब को इरीगेशन का विभाग दें। रंगा साहब योग्य और पढ़े लिखे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरी सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप बैठें। भागीराम जी आप भी बैठ जायें।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से यह और कहना चाहूंगा कि विधायकों को जो डिवैल्पमैंट ग्रांट दी जाती थी वह फिर से शुरू की जानी चाहिए। (विघ्न) इस बारे में इनकी पार्टी के विधायक भी राजी हैं। यह ग्रांट केन्द्र सरकार द्वारा एम०पीज० को भी दी जाती है। स्पीकर सर, अधिकारी अपनी मर्जी से काम करवाते हैं। अगर यह ग्रांट दोबारा से विधायकों को मिलनी शुरू हो जायेगी तो वे भी अपने-अपने हल्के में डवैल्पमैंट के काम करवा सकेंगे। जिला परिषद् के सदस्यों के पास भी डिवैल्पमैंट कराने की पावर्ज होती हैं लेकिन विधायक के पास ऐसी कोई पावर नहीं है इसलिए यह ग्रांट शुरू की जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान रिवाड़ी म्यूनिसीपल कमेटी के कर्मचारियों की तरफ भी दिलाना चाहूंगा जिन्हें पिछले काफी दिनों से तनख्वाह नहीं मिली है। उन्हें जल्दी तनख्वाह दिलाई जाये।

श्री जसबीर मल्लोर (नग्गल) : अध्यक्ष महोदय, 9 मार्च, 2000 को राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण सदन में प्रस्तुत किया उस पर आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आदरणीय मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने सत्ता में आने के पश्चात् पिछले सात माह में हरियाणा प्रदेश की 36 बिरादरियों को साथ लेकर हर वर्ग के लिये सराहनीय कार्य किया। सबसे पहले उन्होंने अग्रोहा मैडिकल कॉलेज की ग्रान्ट बहाल करने का सराहनीय कार्य किया जो कि पिछली सरकारों में बन्द पड़ी थी। चाहे वह कांग्रेस की सरकार रही हो चाहे हरियाणा बिकास पार्टी की सरकार रही हो लेकिन यह ग्रान्ट बन्द पड़ी रही। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने रक्षा बन्धन के पवित्र त्यौहार के ऊपर हरियाणावासियों के लिये उपहार के रूप में एक बहुत ही बढ़िया काम यह किया है। हमारी बहनें विवाह होने पर भाइयों से अपनी जायदाद का हिस्सा नहीं ले जाती हैं क्योंकि भाइयों को 15% रजिस्ट्रेशन का खर्चा करना पड़ता था लेकिन अब रजिस्ट्रेशन का यह 15% खर्च नहीं करना पड़ेगा क्योंकि मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने डिक्री कानून लागू करके रजिस्ट्रेशन खर्च खत्म कर दिया है। मुख्य मंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला जी इसके लिये धन्यवाद के पात्र हैं। हरियाणा प्रदेश में किसानों के लिये गन्ने का भाव भी 110 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया जबकि यू०पी० में गन्ने का भाव 85 रुपये और पंजाब में 95 रुपये प्रति क्विंटल किसानों को दिया जा रहा है। हरियाणा के किसानों को न केवल 110 रुपये प्रति क्विंटल कीमत दी जा रही है बल्कि यह कीमत पूरे भारत वर्ष में सबसे अधिक है। अध्यक्ष महोदय, अभी बहन अनिता यादव जी जब बोल रही थीं तो वे सदन को गुमराह करने की कोशिश

कर रही थीं। मैं उनको आपके माध्यम से यह अवगत कराना चाहूंगा कि चौटाला साहब ने हरियाणा प्रदेश में गांव-गांव में जाकर तथा खुले दरबार लगाकर आम जनता से मिलने का कार्यक्रम बनाकर आम जनता की समस्यायें सुनी हैं और आम जनता की समस्याओं को सुनकर जो-जो कल्याण-कारी काम कराने की घोषणायें कीं, चाहे वह स्कूल अपग्रेड करने की बात हो, चाहे नाले, गलियां या फिरनी पक्की करने की बात हो या रिटेनिंग-वाल बनाने की बात हो या और जो भी विकास से संबंधित कार्य कराने की बात हों उनके कामों में से 95% से अधिक काम पूरे करवा कर उन घोषणाओं को पूरा किया। हमारे कांग्रेस पार्टी के साथी पिछले सात महीनों में सरकार द्वारा कराये गये कार्यों को गांवों में जाकर देख सकते हैं कि किस तरह से विकास के काम चल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जहां पर भी जो घोषणा की गई, उसके एक हफ्ते के बाद जिला हैडक्वार्टर पर पैसा पहुंच जाता था और विकास के कार्य जोर-शोर से चल रहे थे। इसका परिणाम भी जनता ने दिखा दिया है कि इनैलो-भाजपा गठबन्धन स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आया और परम आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार बनी जो आप सब के सामने है। अध्यक्ष महोदय, जो 5100 रुपये अनुसूचित-जाति के लोगों को कन्यादान के रूप में देने की बात है उनके लिये गरीबी रेखा से नीचे जिन्दगी बसर करने वाले लोगों के पीले कार्ड बने हुए हैं और सारे हरियाणा प्रदेश के अन्दर यह राशि उन गरीब अनुसूचित-जाति के लोगों को कन्यादान के रूप में दी जाती है। अध्यक्ष महोदय, जो हमारे बहादुर सैनिक नौजवान साथी 18000 फुट ऊंची कारगिल की पहाड़ियों पर लड़ते-लड़ते भारत माता की आन-शान के लिए शहीद हुए उनके परिवारों को पांच लाख रुपये आर्थिक मदद देने की पिछली सरकार ने घोषणा की थी जबकि चौटाला साहब ने सत्ता संभालते ही यह आर्थिक सहायता 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी और उन्होंने यह तो और भी सराहनीय कार्य किया कि 10 लाख रुपये में से 5 लाख रुपये विधवा को और बाकी के 5 लाख रुपये शहीद नौजवान के मां-बाप को देने का सराहनीय काम किया ताकि बूढ़े मां-बाप बुढ़ापे में ठीक तरह से अपना जीवन व्यतीत कर सकें। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विकास की बात है या सड़कों की मुरम्मत करने या नई सड़कें बनाने की बात है उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार द्वारा सत्ता संभालने से पहले सड़कों का इतना बुरा हाल था और कहीं भी जाने से पहले सोचना पड़ता था कि न जाने कौन से खड्डे में गिर जाएं। परम आदरणीय चौटाला साहब ने सड़कों की रिपेयरिंग के लिए विशेष ध्यान दिया है। जहां कहीं सड़कों पर पैचवर्क या कारपैटिंग होनी थी उन पर काम शुरू करवाया हुआ है। जिन सड़कों का काम चुनाव से पूर्व रह गया था उन पर अब काम जल्दी ही खत्म करवाने के लिए हमारे सी०एम० साहब दिन-रात लगे हुए हैं। हमारी सरकार ने बुढ़ापा पैन्शन को 100/- रुपये से बढ़ा कर 200/- रुपये किया है जो कि एक सराहनीय कार्य है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने विधवा पैन्शन की राशि को भी बढ़ाया है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा हमारी सरकार ने एक और सराहनीय कार्य चुंगी को खत्म करने का किया है। इसके साथ ही साथ हमारी सरकार हरियाणा से बाढ़ की समस्या को खत्म करने के लिए एक मास्टर प्लान बना कर कार्य कर रही है ताकि हरियाणा प्रदेश को बाढ़ से मुक्ति मिल सके। मेरे हल्के में चार गांव ऐसे हैं जिनमें बाढ़ की समस्या बराबर बनी रहती है। पहली सरकारें केवल थोथे आश्वासन देती रहीं लेकिन उन्होंने कुछ काम नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से गुजारिश है कि मेरे हल्के के इन 14 गावों की कोई मास्टर प्लान बना कर समस्या का समाधान करें। मेरे हल्के में अम्बाली से इसमैलपुर एक ड्रेन का कार्य चल रहा है। उस एरिया में 4-5 एकड़ जमीन एक्वायर न होने के कारण काम रुका पड़ा है। इस बारे में मेरी मुख्य मंत्री जी से गुजारिश है कि जहां-जहां पर जमीन एक्वायर होनी है, उसको तुरन्त एक्वायर करवाने की कृपा करें ताकि जो ड्रेन अधूरी पड़ी है वह पूरी हो सके। इस ड्रेन के बनने से हमारे एरिया में जो बाढ़ आती है उसमें भी बहुत राहत मिलेगी।

[श्री जसबीर मल्लोर]

अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के में कुछ सड़कों पर तो काम हो चुका है लेकिन कुछ सड़कें रहती हैं जिन पर अभी काम होना है। ये सड़कें हैं अम्बाला जगाधरी रोड से पिलखनी, अम्बाला जगाधरी रोड से शाहपुरा, अम्बाला जगाधरी रोड से ब्राह्मणमाजरा, राष्ट्रीय राजमार्ग नं० 10 से दुखेड़ी और मछडी सेखा से ढेलूमाजरा। सरकार से मेरा अनुरोध है कि इन सड़कों का कार्य प्रायरिटी के आधार पर जल्दी से जल्दी मुकम्मल करवाया जाये ताकि मेरे हल्के के लोगों को राहत मिल सके। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब से चौटाला साहब ने सरकार की बागडोर सम्भाली है मेरे हल्के में 90 प्रतिशत सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं एक बात भाई कर्ण सिंह जी से कहना चाहूंगा कि वे यहां पर संयम में रह कर बात करें तो अच्छा रहेगा। विघ्न। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं आपका धन्यवाद करते हुए राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण सदन में पढ़ा है उसका पुरजोर समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री बिशन लाल सैनी (जगाधरी) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया। गवर्नर महोदय ने जो अभिभाषण यहां पर पढ़ा उसको सुनकर मुझे बहुत अच्छा लगा। इस अभिभाषण पर सुबह से परिचर्चा चल रही है। मैं बहुजन समाज पार्टी का एकमात्र विधायक हूं और मैं ज्यादा बात न कहते हुए एक ही बात कहना चाहूंगा। हमारे सभी सीनियर साथियों ने व नए साथियों ने यहां पर पानी के बारे में विस्तार से चर्चा की है। पानी के बारे में चर्चा करते हुए खासतौर से एस०वाई०एल० पर चर्चा की है। इस पर चर्चा करना अच्छी बात है क्योंकि दक्षिणी हरियाणा का भविष्य इस कैनाल के साथ जुड़ा हुआ है। दक्षिणी हरियाणा के किसान, मजदूर व व्यापारियों का भविष्य इस कैनाल के साथ जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा ताज्जुब है कि हमारे किसी भी साथी ने जो एक नहर और दादुपुर-नलवी बननी है उसका जिकर नहीं किया। जिस प्रकार से दक्षिणी हरियाणा का भविष्य एस०वाई०एल० कैनाल के साथ जुड़ा हुआ है उसी प्रकार से उत्तरी हरियाणा का भविष्य इस दादुपुर नलवी नहर के साथ जुड़ा हुआ है। यहां के व्यापारियों, मजदूरों और किसानों का भविष्य भी इस नहर के साथ जुड़ा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप अच्छी तरह से जानते हैं कि हमारे एरिया में चाहे किसी किसान के पास 10 एकड़ जमीन है चाहे उसकी दो एकड़ जमीन है उसे अपनी जमीन में पानी का इन्तजाम फसल पैदा करने के लिये एक लाख रुपये से दो लाख रुपये तक खर्च करने पड़ते है क्योंकि उस इलाके में पानी का लैवल जमीन से काफी नीचे तक चला गया है। किसान को टयूबवैल लगाने के लिए बहुत भारी मेहनत करनी पड़ती है और उस पर पैसा का भारी खर्च भी होता है। अध्यक्ष महोदय, जो भी पार्टियां सत्ता में आई हैं चाहे चौधरी भजन लाल जी बैठे हैं और चौधरी बंसी लाल जी भी बैठे हैं इनकी भी सरकारें आईं। चुनाव से पहले सब राजनेता इस बात का ढिंढोरा पीटते रहे कि दादुपुर नलवी नहर का मामला काफी देर से लटका पड़ा है जब मैं सत्ता में आऊंगा तो जरूर इस नहर को बनवाऊंगा। लेकिन सत्ता में आने के बाद सब के सब इस बात को भूल जाते हैं कि उत्तरी हरियाणा प्रदेश के अन्दर भी किसान बसते हैं। सदन में मेरे जितने भी भाई उत्तरी हियाणा से बैठे हैं चाहे वे जसबीर सिंह जी मलोर हैं चाहे डा० जय प्रकाश जी हैं और यमुनानगर, कुरुक्षेत्र जिला अम्बाला से जो विधायक हैं उन सबसे निवेदन है कि ये सब के सब एकजुट हो कर इस बारे में अपनी आवाज बुलन्द करें। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मन्त्री महोदय हमारे बीच में बैठे हुए हैं, आपके माध्यम से मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि इस नहर को बनवाने की कृपा करें क्योंकि इन जिलों के किसान इनकी तरफ टकटकी लगाए बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं और ज्यादा न कहते हुए आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। जयभारत—जय भीम, धन्यवाद।

श्री बंसी लाल (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, मैं कुछेक बातें ही कहूंगा। इस समय महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में शाह आयोग की जो सिफारिश की गई थी उसका ज़िक्र किया गया है और यहां पर अभी राजेन्द्र सिंह बीसला जी ने कहा था कि सब पार्टियां मिल कर इस मामले में साथ दें। सब पार्टियों ने मिल कर पहले ही यह फैसला कर लिया था कि शाह आयोग की रिपोर्ट को इम्पलीमैंट करने के लिए हम जोर देंगे। उनमें मैं भी था, भजन लाल जी भी थे और चौटाला साहब भी थे और दूसरी पार्टियों के कुछ और लोग भी थे जिन्होंने यह फैसला लिया था। मैं यह कहना चाहूंगा कि इस बात पर हमें इम्फेसाईज़ करना चाहिए क्योंकि अगर एक गांव कन्दूखेड़ा के लिए फाजिल्का और अबोहर को हरियाणा से दूर रखा जा सकता है तो हमें इस बारे में गम्भीर होना चाहिए। मैं मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहूंगा और शायद इनको पता भी होगा क्योंकि इनके दफतर में कागज पड़े हैं, हमारी कान्टीन्यूटी कालका से लेकर पठानकोट तक बनती है अगर बिलेज यूनिट मानते हैं, तो हम को वह क्लेम करना चाहिए। हमने पहले यह क्लेम किया हुआ भी है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में 518 लाख यूनिट बिजली सप्लाई करने की बात कही गई है, यह बहुत अच्छी बात है। इससे पहले जुलाई, 1999 में हमने भी एक दिन में 516 लाख यूनिट बिजली सप्लाई की थी। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने भी यह सप्लाई कान्टीन्यूसली नहीं की (विघ्न) जैसे ही 210 मेगावाट का प्लांट और 146 मेगावाट का फरीदाबाद का प्लांट मिल जाएगा तो बिजली 24 घण्टे सप्लाई करने में कोई भी दिक्कत नहीं आएगी। जो चार पुराने 110-110 मेगावाट के थर्मल प्लांट्स हैं उनके आने के बाद 270 मेगावाट बिजली और अधिक मिलने लगेगी।

श्री कृष्ण लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जैसा चौधरी बंसी लाल जी कह रहे हैं पानीपत थर्मल प्लांट में 4 यूनिटस आने पर 24 घंटे बिजली दे सकते हैं। सर, पानीपत थर्मल प्लांट का जो दूसरा यूनिट है उसको चौधरी साहब ने अमेरिकन कम्पनी ए०बी०बी० को दिया था। वह इन्होंने कितने समय के लिए दिया था वह आज तक नहीं आया है इसका क्या कारण है ?

श्री बंसी लाल : अध्यक्ष महोदय, उसके पहले ही उस यूनिट के ब्वायलर में थोड़े करैक्स मिल गए थे। उनको निकालकर जर्मनी भेजा गया था और जर्मनी से ठीक होकर आए हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जो अब्दुलापुर, यमुना नगर और शाहबाद ट्रांसमिशन लाईन है यह हमारे वक्त की है। इससे आगे पल्ला की लाईन है यह भी हमारे वक्त की है। (विघ्न) कैथल-कुरुक्षेत्र जिले की ट्रांसमिशन लाईन को स्ट्रैंथन करने के लिए हमने 40 करोड़ रुपए खर्च किए थे। एक और योजना जिनकी चर्चा राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में की गई है। वह नयी बनाई गई हिसार-धनधर नाला परियोजना बहुत अच्छी है और यह हमने ही बनवाई थी। हमने एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर की अध्यक्षता में एक कमेटी बनवाई थी। उन्होंने पूरा प्लान बनाया था जो 2700 कुछ करोड़ से अधिक का था। उसके बनने के बाद इसमें जींद, फतेहाबाद, सिरसा और कैथल का इलाका आ गया है। एक इन्होंने रिवाड़ी उठान सिंचाई स्कीम के बारे में जिक्र किया है। भिवानी दादरी नाला हमारे वक्त में मंजूर हो गया था लेकिन उसको हम बनवा नहीं पाए। रिवाड़ी उठान सिंचाई स्कीम का काम हमने चालू कर दिया था। महम लाखन माजरा ड्रेन हमने ही बनवाई थी। बरसोला फीडर के निर्माण को भी हमने शुरू किया था। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अभिभाषण में बहुत सी स्कीमें लिखी हैं। वे स्कीमें हमने ही चालू की हुई हैं और हमारी ही मंजूर की हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, एक बात के लिए मैं मुख्य मंत्री जी को आपके जरिए कहना चाहूंगा कि पंजाब से भाखड़ा व नरवाना ब्रांच से जो हमारा पानी आता है वह कम आता है। उसकी सफाई के लिए हम 10 करोड़ रुपए से अधिक पंजाब सरकार को दे चुके हैं। हमारे जाने के बाद शायद मुख्य मंत्री जी आपने

[श्री बंसी लाल]

उनको और पैसा दे दिया हो लेकिन अभी तक नरवाना ब्रांच की पूरी कैपैसिटी रिस्टोर नहीं हुई है। आप अपने इंजीनियर्ज को भेजकर इसको चैक करवाएं। जहां पर हमारा पानी लेने का प्वायंट है उस पर नाप लो कि हमारा पूरा पानी आया कि नहीं आया है। मेरा ख्याल है कि भाखड़ा मेन लाईन से 1600 क्यूसिक कम पानी आ रहा था। जिस समय हमने पंजाब सरकार को जो 10 सवा 10 करोड़ उसकी सप्लाई के लिए दिए, उस वक्त हमने उनसे यह कहा था कि अगर यह पैसा खर्च हो जाएगा तो हमें बता देना अगर और पैसा चाहिए होगा तो हम और दे देंगे। अब आप आ गए आपने दिया है कि नहीं दिया है आप जानें। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय से एक बात और कहना चाहूंगा कि यमुना एक्शन प्लान में हमने यमुनानगर, जगाधरी, इन्द्री, करनाल, घरौंडा, पानीपत, सोनीपत, गुड़गांव, फरीदाबाद और पलवल को शामिल कर दिया था लेकिन होडल भी नजदीक है। होडल को इसमें शामिल करवाकर उसका काम भी करवाएं। पंजाब के साथ हमारे जो डिसप्यूट हैं उनमें हम हर स्टैंड में सरकार के साथ हैं। पानी के लिए, टैरीटरी के लिए पंजाब के साथ जो भी डिसप्यूट होगा उसमें हम सरकार के साथ हैं। इसके अलावा एक और बात चौधरी भजन लाल जी ने कही। उन्होंने गंगा का पानी लाने की बात कही। अध्यक्ष महोदय, मैं उस बात पर आज भी कायम हूं। आप अपने कागजों में शारदा रीवर प्रोजैक्ट के बारे में देखना। शारदा नदी गंगा की सबसे बड़ी ट्रिब्यूट्री है। इस प्रोजैक्ट के द्वारा शारदा नदी का पानी गंगा के नीचे से यमुना के नीचे से हरियाणा में होकर राजस्थान से होता हुआ गुजरात में साबरमती तक ले जाने का इरादा है। यह स्कीम अभी ड्राप नहीं हुई है। अभी है। (विघ्न) टाईम का तो मेरे हाथ में नहीं है। इसके अलावा एक बात अभी गहलौत साहब ने और कही कि गुड़गांव में मिनी सैक्रेट्रेरिएट नहीं है जबकि मेरे ख्याल में गुड़गांव में मिनी सैक्रेट्रेरिएट 22-23 साल पहले बनाया गया था। अब यदि काम बढ़ने की वजह से कम पड़ रहा है तो उसको और बढ़ाया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं यही कहूंगा कि इन चीजों का ध्यान रखा जाए क्योंकि ध्यान रखने से ही आगे काम चलेगा।

श्री लीला कृष्ण (फतेहाबाद) : अध्यक्ष महोदय, 9 मार्च को इस विधानसभा में राज्यपाल साहब पधारे और उन्होंने असैम्बली को एड्रैस किया। हम उनके कृतज्ञ हैं। श्री ओमप्रकाश चौटाला जी 36 बिरादरी का मैंडेट लेकर पूर्ण जनादेश लेकर हरियाणा के मुख्य मंत्री बने हैं। इससे पहले भी इन्होंने पिछली सरकार के टूटने के बाद 6 महीने के लिए यह पद संभाला था। उस समय दो तीन महीने एम०एल०एज० को टूटने और मिलने में ही लग गये और मजबूरन चौटाला साहब को उनको साथ लेकर सरकार बनानी पड़ी। लेकिन अफसोस की बात है कि उस समय हर एम०एल०ए० की महत्वाकांक्षा यह थी कि वह मंत्री की कुर्सी चाहता था और इसी बात को देखकर चौटाला साहब विवश हुए कि यह सरकार तोड़ी जाए वैसे उन पर जनता का भी यह दबाव था कि यह सरकार ज्यादा दिन तक चल नहीं सकती क्योंकि इस सरकार का भी वही हश्र होगा जैसा पूर्व मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी की सरकार का हुआ था। लेकिन उन तीनों महीनों में विकास बहुत हुआ। मेरे ख्याल में जितना विकास चौटाला साहब ने उन तीन महीनों में किया उतना विकास तो पिछले तीन साल की सरकार भी नहीं कर सकी। विकास के नाम पर ही इनको मैंडेट मिला। समय आते ही चौटाला साहब ने पिछली असैम्बली भंग कर दी। जो लोग बंसी लाल जी को छोड़कर आये थे जिनको दलबदलू कहा जा सकता था जिनको अपोरचुनिस्ट कहा जा सकता था, उनमें से एक आध बिरला ही फिर जीतकर आया है। जो लोग अपने ऊसूल पर टिके नहीं रहते हैं और जो कुर्सी के लिए भागते हैं उनका हश्र यही होता है। मैं दो तीन आईटम्ज के बारे में कहना चाहूंगा। आज के युग में गरीब, दलित, निराश्रित महिला, गरीब विधवाएं और बूढ़े व्यक्तियों का जीवन कैसे गुजरता है

यह बहुत सोचने की बात है। उनका जीवन नरक से भी बदतर है। पहले बहुत सरकारें आयीं लेकिन उनका सही इलाज अगर किसी सरकार ने किया तो वह चौधरी देवी लाल जी की सरकार ने किया है और अब यह सरकार भी उनका भला कर रही है। उस वक्त का भी मुझे ध्यान है जब मेरी गरीब माँ, बेटियों के जापे में कुछ-कुछ दिया जाता था। जो कन्यादान के नाम पर 5100/- रुपये देने की बात है या वृद्धों, बेवाओं या विकलांगों की पेंशन 100/- रुपये से बढ़ाकर 200/- रुपये करने की बात और किसी राज में किसी को भी याद नहीं आई। यह श्रेय चौटाला साहब को जाता है। समाज कल्याण के मसले पर उन्होंने यह स्कीम लागू की है। जब से चौटाला साहब सत्ता में आए हैं इन गरीबों को सुरक्षा प्रदान करने और उनको आसरा देने का उनका ध्येय रहा है। इसके अलावा अनुसूचित जातियों और जो पिछड़े वर्ग हैं उनके लिए यह सरकार जो कुछ कर रही है राज्यपाल महोदय ने उन बातों को भी विस्तार से बताया है। 16373 लाख रुपया वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पैंशन और विधवा पैंशन के लिए निर्धारित किया है यह बहुत प्रशंसा की बात है। इससे 10 लाख से भी अधिक लोगों को लाभ होगा। यह बहुत बड़ा नंबर है और मेरे ख्याल में यह एक रिकार्ड है। इसके अलावा जो विकलांग विद्यार्थी हैं उनको भी 100/- रुपये से 500/- रुपये प्रतिवर्ष ग्रान्ट दी जाती है और शिक्षित बेरोजगार को भी 150/- से 250/- रुपये तक बेरोजगारी भत्ता प्रति माह दिया जाता है। यहां तक ही नहीं छोटी-छोटी बातों का भी ध्यान रखा गया है। 1500/- रुपये प्रति मास की दर से कुर्सी बुनने वाले जो नेत्रहीन हैं उनको दिये जाते हैं। इतनी डिटेल में तो कोई नहीं सोचता। इसके अलावा जो नयी स्कीम है जिसका बड़ा महत्व है वह यह है कि हर जिले में वृद्धाश्रम अनुदान 30 लाख रुपये रखा गया है यह रकम बहुत बड़ी है जब कोई आदमी बूढ़ा होता है तो उससे पूछो कि उसकी जिंदगी कैसे गुजरती है इसलिए इस बात का भी ध्यान रखा गया है ताकि बूढ़े भी सुख से रह सकें। वृद्ध चाहे अमीर हों, चाहे गरीब हों यदि घर से तंग हों तो वहां पहुंच जाते हैं। चौधरी देवी लाल जी ने समस्या को महसूस किया और यह स्कीम चालू की। मै चाहूंगा कि यह गृह जल्दी ही बनने चाहिएं। हरिजन कल्याण निगम ने 12000 लोगों को वित्तीय सहायता पहुंचाई है यह बड़े श्रेय की बात है। दूसरी बात जो सबसे महत्वपूर्ण है और मेरे माननीय विधायकों ने चाहे वह सरकार से संबंधित हैं या विपक्ष से संबंधित हैं वह सड़कों के बारे में उठाई है मुझे याद है कि आज से 6 महीने पहले तक हम जब फतेहाबाद से चंडीगढ़ आते थे तो वाया पंजाब आते थे और गाड़ी की हालत इतनी खस्ता हो जाती थी कि ओवरहाल करानी पड़ती थी। यह बात मैं दिल से बता रहा हूं अब हालांत यह है कि मेरे ख्याल में अब स्टेट हाइवे का 3/4 हिस्सा बन चुका है। महीने-डेढ़ महीने में हम बड़ी आसानी से चण्डीगढ़ वाया कैथल-अम्बाला होकर आया करेंगे। सड़कों का काम चाहे स्टेट-हाईवे का हो या छोटी-छोटी सड़कों का, यह सब कार्य बड़े युद्ध स्तर पर चल रहे हैं। अपोजीशन के भाइयों को तो सड़कों में गड्डे नजर आते हैं लेकिन हमें ये सड़कें मरम्मत की हुई नजर आती हैं। लेकिन फिर भी सड़कों की रिपेयर जल्दी ही की जा रही हैं। चौटाला साहब ने जो आंकड़े दिए हैं वे भी खुशगवार हैं। कहीं तो ऊपर की सतह रिपेयर की जा रही है, कहीं गड्डे भरे जा रहे हैं। 30 सितम्बर, 1999 से दिसम्बर 1999 तक कुल 23 करोड़ रुपये व्यय किये गये जिनसे 7000 किलोमीटर सड़कें रिपेयर हुई। 31 जनवरी 2000 तक 47 करोड़ रुपये उपरी सतह को बनाने में 2083 किलोमीटर सड़कों का काम किया गया और 63 किलोमीटर नई सड़कें बनाई गई। हुडको ने 321 करोड़ रुपया लोक निर्माण विभाग को ट्रांसफर किया है और 2001 तक मेरा ख्याल है कि कोई भी सड़क टूटी हुई नजर नहीं आयेगी। ऐसा हमें महसूस हो रहा है। स्पीकर साहब, मैं लॉ एण्ड आर्डर के बारे में बताना चाहूंगा। इसमें कोई शक नहीं है कि पंजाब और काश्मीर के उग्रवादियों ने सारे हरियाणा और पड़ोसी राज्यों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। लॉ एण्ड आर्डर का बुरा हाल था। चारों तरफ भय विराजमान

[श्री लीला कृष्ण]

था। लेकिन मैं गुस्ताखी नहीं कर रहा हूं तो चौधरी बंसी लाल जी द्वारा जो नशाबंदी शुरू की थी उस दौरान जो माफिया ग्रुप उभरा था वह उससे भी ज्यादा खतरनाक था। उस माफिया ग्रुप ने ऐसे युवक अपनी गिरफ्त में लिए जो बाद में क्रिमिनल बन गये। उन युवकों के पास हरेक के पास जीप होती थी, रिवाल्वर होते थे, पिस्तौल होते थे, बम होते थे। उस समय सरकार नाम की कोई चीज इस प्रदेश में नजर नहीं आती थी। उनको उस समय कोई रोकने की कोशिश भी करता था तो वे उसे शूट कर दिया करते थे। लेकिन अभी प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति अच्छी हो रही है जिसके लिए चौटाला साहब बधाई के पात्र हैं। मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि मैं तीसरी बार एसैम्बली में चुनकर आया हूं। दो बार पहले भी चुनकर आया था और मंत्री भी रह चुका हूं लेकिन अब की बार जितने ध्यान से और आराम से गवर्नर साहब का एड्रेस हुआ है मेरे ख्याल से यह एक एतिहासिक मिशाल होगी। इसके लिए मैं चौटाला साहब को और ओपोजीशन को बधाई देना चाहूंगा। इसका भी एक कारण है कि जो स्कीमें सभी लोगों को पसन्द हैं वहीं बातें गवर्नर साहब ने सच्चाई पर आधारित कही हैं इसलिए सभी सदस्यों ने उन्हें ध्यान से सुनने की कोशिश की हैं। मैं चौटाला साहब को धन्यवाद देना चाहूंगा कि वे अगर इसी तरह से सरकार को चलाते रहे तो हम लोगों के बीच में जाकर यह बात कह सकेंगे कि अब की बार जनता ने सयाने और बुद्धिजीवी लोगों को एसैम्बली में चुनकर भेजा है। जहां तक अग्रसेन विश्वविधाल की ग्रान्ट बहाल करने की बात है, हमें तो आज तक यह नहीं मालूम कि यह ग्रान्ट किसने बन्द की थी क्योंकि चौधरी बंसी लाल जी ये कहते थे कि मैंने बन्द नहीं की और चौधरी भजन लाल जी कहते थे कि मैंने बन्द नहीं की। अब ये आपस में फैसला करते रहें कि किसने यह ग्रान्ट बन्द की थी। चौटाला साहब ने यह ग्रांट बहाल कर दी इसलिए इसका श्रेय चौटाला साहब को जाता है। अब यह कंट्रोवर्सी खत्म हुई कि किसने यह ग्रांट बन्द की और किसने यह बहाल की। अध्यक्ष महोदय, मैं अधिक न कहते हुए इतनी आशा करता हूं कि सभी सदस्यगण सर्वसम्मति से गवर्नर एड्रस पर गवर्नर साहब का धन्यवाद करेंगे। हम सब यह शपथ लेंगे कि कंकरीट बातों पर नैगेटिव न सोचें। जैसा कि चौटाला साहब कहते हैं कि जो अच्छी बातें बंसी लाल जी दे गए हैं, जो बातें चौ० देवी लाल द्वारा दी गई हैं उनको अपनाएंगे। उन्हीं की वजह से "अपनी बेटी अपना धन" योजना यथावत कायम रहेगी। यह प्रशंसा की बात है। अध्यक्ष महोदय, हम आशा करते हैं कि ये अच्छी तरह से सरकार चलाएंगे। (शोर)

श्रीमती वीना (अम्बाला शहर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का स्वागत करती हूं तथा तहेदिल से उसकी प्रशंसा करती हूं। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री महोदय की कथनी और करनी में जरा भी अन्तर नहीं है मैं एक विशेष बात की ओर पूरे सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि मुख्य मंत्री 'आपकी सरकार आप के द्वार कार्यक्रम' में जहां पर भी गए और लोगों ने उनको जो भी काम कहे उन्होंने उन कामों को उसी समय करने के लिए कह दिया तथा कार्य शुरू हो गये। उनकी तरफ से जनता के बीच सन्देश गया कि यह सरकार दिल से लोगों के काम करना चाहती है, इसके लिए मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करना चाहती हूं और उन्हें बधाई देती हूं। बहुत देर से सभी सदस्यों ने अलग-अलग विषयों पर टीका-टिप्पणी की। महिलाओं के प्रति एक विशेष बात आई है कि महिला आयोग के गठन के बारे में बहुत समय से प्रयास हो रहा था। यह सरकार महिला आयोग का गठन करने जा रही है जिसके लिए मैं समस्त हरियाणा की महिलाओं की तरफ से मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देती हूं। सभी बहनों को अपनी बात कहने के लिए एक प्लेटफार्म मिलेगा। मुख्य मंत्री महोदय ने बुजुर्गों की पैंशन 100/- रुपये से 200/- रुपये करके एक सराहनीय काम किया है। जिस

समय पैंशन दोगुनी की गई उस समय बुजुर्गों के चेहरे की आभा देखने वाली थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगी कि मैं यहां आने से पूर्व 1987 से नगरपालिका की पार्षद रही हूं। हर व्यक्ति से मेरा नजदीक का सम्बन्ध रहा है। जिस दिन पैंशन दुगनी होने की घोषणा हुई थी लोगों ने आकर पूछा कि यह 200/- रुपये पैंशन कब से मिलना शुरू होगी। मैंने कहा कि वे बुजुर्ग कहते हैं कि पैंशन दुगनी होने से हम अपने पोतों की इच्छा पूरी कर सकेंगे। मैंने कहा माताएं कहती हैं कि हम अपनी बेटी को खाली हाथ भेजने की बजाय कुछ दे सकेंगे। मुख्य मंत्री महोदय ने बुजुर्गों को सम्मान दिया है भजन लाल जी ने टोका, मैंने कहा आप सदा मुख्य मंत्री या मन्त्री रहे, आपको गरीब जनता का क्या पता ? 200/- रुपये हम लोगों के लिए चाहे कोई मायने नहीं रखते लेकिन यह गरीब आदमी के लिए बहुत मायने रखते हैं इसके लिए मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करती हूं। बाद में विधवाओं और विकलांगों की भी पैंशन 200/- रुपये कर दी गई इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री महोदय को धन्यवाद देती हूं क्योंकि यह पैंशन 200/- रुपये हो जाने से वे अपने मन की छोटी-छोटी इच्छाएं पूरी कर सकते हैं। "अपनी बेटी अपना धन" योजना को यथावत रखने के लिए भी मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करती हूं, इस योजना से बहुत से लोगों ने फायदा उठाया है। बुजुर्ग यह अहसास करने लगे है कि वह भी अपने पोते की इच्छा पूरी कर सकते हैं एवं मां बेटी को खाली हाथ न भेजकर हाथ में कुछ रख सकती है। अध्यक्ष महोदय, कन्यादान राशि के बारे में बहन अनीता यादव कह रही थीं कि यह झूठ है। इसकी राशि किसी को नहीं मिलती। लेकिन मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि हमारे अम्बाला जिले में 100/- बच्चियों ने इस स्कीम का फायदा उठाया है। अध्यक्ष महोदय, 5100/- रुपये की राशि हमारे लिए कुछ भी नहीं होगी लेकिन एक गरीब मां-बाप के लिए यह राशि बहुत है। वे इस राशि से अपनी लड़की को कपड़े, बर्तन और सोने के लिए चारपाई जरूर खरीद कर दे सकते हैं। (विघ्न एवं शोर) अध्यक्ष महोदय, मेरी प्रिय बहन यादव जी कह रही थीं कि वे जिला परिषद की चेयरमैन रही हैं। अगर वे चेयरमैन रही हैं तो फिर उनके यहां तो कन्यादान की राशि किसी गरीब को मिलने में परेशानी नहीं होनी चाहिए थी। इसमें तो इनकी तरफ से ही कोई कमी रही होगी, इसीलिए इसके यहां सबको पैसा नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, यह राशि प्राप्त करने के लिए जो कागजात चाहिएं वे तो पूरे करने ही पड़ते हैं तभी यह राशि मिलती है। इसके लिए एक तो जाति प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र और रैजीडैंस प्रमाण पत्र चाहिए होता है। (विघ्न)

श्रीमती अनीता : अध्यक्ष महोदय, मेरी बहन बीना जी कह रही हैं कि मैं जिला परिषद की चेयरमैन थी और मेरे काम में ही कुछ कमी रही होगी इसीलिए वहां पर गरीब लोग कन्यादान की स्कीम का फायदा नहीं उठा सके। अध्यक्ष महोदय, ऐसा नहीं है, अगर ऐसा होता तो वहां के लोग और माताएं-बहनें मुझे चुनकर यहां नहीं भेजते। (विघ्न)

श्रीमती बीना : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के मुख्य मंत्री महोदय ने किसानों को गन्ने का उचित मूल्य देकर भारत के किसानों का और हरियाणा के किसानों का गौरव बढ़ाया है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार ने बिजली में भी सुधार किया है, चुंगी समाप्त की है। अध्यक्ष महोदय, मैं चौटाला साहब से एक आग्रह करना चाहूंगी कि इन्होंने छोटे नगरों को बड़ा बनाने के लिए, सुंदर बनाने के लिए जो योजना बनाई है, जिसमें यमुनानगर शामिल है, उसमें अम्बाला शहर को भी शामिल किया जाये। अंबाला शहर हरियाणा का प्रवेश द्वार है, बहुत पुराना शहर है तथा यह एक ऐतिहासिक शहर है। यहां पर गुरू गोबिन्द सिंह जी भी काफी समय तक रहे थे। अध्यक्ष महोदय, मलकानी कमीशन ने अम्बाला को विश्व का सबसे गंदा शहर घोषित किया था। इसलिए मैं मुख्य मंत्री महोदय से इस शहर की गंदगी को दूर करने का अनुरोध करती हूं। अध्यक्ष महोदय, अम्बाला शहर की गंदगी तब तक दूर नहीं होगी जब

[श्रीमती वीना]

तक वहां पर पानी निकासी नहीं होगी। चाहे वहां पर कितनी भी सड़कें बना ली जायें, कितने भी पार्क बना लिये जायें लेकिन जब तक वहां का पानी नहीं निकलेगा तब तक वहां की गंदगी समाप्त नहीं होगी। वहां पर सड़कें बनाई जाती हैं लेकिन बरसात होने पर पानी जमा हो जाता है और सड़कें टूट जाती है। अध्यक्ष महोदय, वहां पर सीवरेज नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, हिमाचल से चण्डीगढ़ होकर अम्बाला की तरफ जाते हैं तो रास्ते में बलदेव नगर आता है। वहां की आबादी 20 हजार के करीब है लेकिन वहां पर पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या है। इसलिए मुख्य मंत्री महोदय जी से मेरा अनुरोध है कि उन लोगों की यह समस्या दूर की जाये। अध्यक्ष महोदय, पूरा अम्बाला शहर औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है इसलिए मैं मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगी कि इस शहर को ऐसा बना दिया जाये कि यहां पर लोग आकर उद्योग लगायें और यहां के नौजवानों को रोजगार मिले। अध्यक्ष महोदय, जैसे एक कहावत है कि "जैसा है दर वही है घर"। यही कहावत हरियाणा पर लागू होती है। क्योंकि जब हिमाचल से चण्डीगढ़ होते हुए पंजाब से हरियाणा में प्रवेश करते हैं तो अम्बाला शहर सबसे पहले पड़ता है और अगर पहला ही शहर गंदा होगा तो लोग यह समझेंगे कि सारा हरियाणा ही गंदा है। चाहे आप दूसरे शहरों को कितना ही अच्छा क्यों न बना लें। मलकानी कमीशन ने अम्बाला शहर को विश्व का गन्दा शहर घोषित किया है। अम्बाले पर लगे इस धब्बे को हटाने का कार्य माननीय मुख्य मंत्री जी की अगुवाई में हो ऐसा मेरा अनुरोध है।अध्यक्ष महोदय, अम्बाला शहर के निवासियों ने मुझे बड़े विश्वास और आशा के साथ इस सदन में चुनकर भेजा है इसलिये मैं अम्बाला शहर की जनता की ओर से शहर को स्वच्छ बनाने के लिए आपसे दोबारा अनुरोध करती हूं। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्कूल खोलने की बात है, इस बारे में मैं यह कहना चाहती हूं कि प्राथमिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने का मुद्दा बहुत अच्छा है। कई ऐसे गांव हैं जहां प्राइमरी स्कूल तो हैं लेकिन मिडल और हाई स्कूल नहीं हैं जिसके कारण लड़कियों को पढ़ने के लिये दो-दो या चार-चार किलोमीटर दूर के स्कूलों में जाना पड़ता है। मां-बाप द्वारा बच्चियों को इतनी दूर के स्कूलों में न भेजने के कारण हमारी बच्चियां प्राइमरी शिक्षा तक पढ़कर ही रह जाती हैं। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगी कि जिन गांवों में मिडल या हाई स्कूल नहीं है उनके नजदीक से नजदीक मिडल और हाई स्कूल खोले जाएं ताकि वहां की बच्चियां शिक्षा से वंचित न रह जाएं। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से सरकार ने अग्रोहा मैडिकल कालेज की ग्रान्ट खोली है उसी तरह से सरकारी ग्रान्ट से बहुत से कालेज और स्कूल चलते हैं उनकी ग्रान्ट भी बहाल की जाएं। क्योंकि छः-छः महीनों से वहां के अध्यापकों को वेतन नहीं मिला है।अन्त में, मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया और इस सदन ने मुझे शान्ति से सुना।

श्री निशान सिंह (टोहाना) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं कल के महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर कुछ चर्चा करना चाहूंगा। अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं दसवीं विधानसभा में चुनकर आये हुए सभी पार्टियों के सदस्यों तथा निर्दलीय सदस्यों को बधाई दूंगा और विशेषकर माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई दूंगा जिनकी नीतियों की वजह से हमारी विधान सभा के चुनाव शांतिपूर्वक हुए। इसके लिये भी हरियाणा सरकार और मुख्य मंत्री जी श्रेय के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, पिछले छः महीनें में हरियाणा सरकार की जो कारगुजारियां रही हैं उन्हीं का यह नतीजा है कि क्लीयर मैन्डेट लेकर ही माननीय मुख्य मंत्री जी विधान सभा में पहुंचे हैं। सर्वप्रथम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में एस०वाई०एल० का मुद्दा भी रखा गया है। मेरे से पूर्व बोलने वाले बहुत से साथियों ने बताया कि एस०वाई०एल० नहर के बनने के प्रयास अगर सबसे अधिक किसी के रहे हैं तो वह माननीय चौधरी देवी लाल जी के रहे हैं,

चौटाला साहब के रहे हैं इसलिये हम इस बात में विश्वास कर सकते हैं कि आज जो सरकार हरियाणा में बनी है माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी की, यह सरकार एस०वाई०एल० के अधूरे काम को पूरा करने का प्रयास करेगी। इसके अतिरिक्त माननीय ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में सरकार बनते ही पिछले छः माह में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत स्वयं मुख्य मंत्री महोदय 90 विधान सभा क्षेत्रों में गये और सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चौधरी देवी लाल जी द्वारा जो खुले दरबार चलाये गये थे उसे और भी सरल बनाकर तथा सभी सरकारी अधिकारियों को दरबार में बुलाकर लोगों को सस्ता व सरल न्याय देने के अवसर प्रदान किये। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं है। आज सारे हरियाणा प्रान्त के अन्दर चाहे टूटी हुई सड़कों की बात थी, चाहे गांवों में चौपालें बनाने की बात थी अथवा गलियां बनाने की बात थी या अन्य जो भी घोषणाएं माननीय मुख्य मंत्री जी ने की थीं, उन सब पर विधिवत् रूप से गांव-गांव में विकास कार्य शुरू हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, सरकार की नीतियों के अन्तर्गत गन्ने के भाव के बारे में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है। हरियाणा प्रदेश में गन्ने की खेती ज्यादा है और 10 एकड़ भूमि वाला किसान भी गन्ने की खेती करने लगा है क्योंकि यह हार्ड क्रोप है और सूखे तथा बाढ़ को भी सहन कर लेती है। इसलिये सरकार ने किसान को गन्ने की क्रोप का इतना बढ़िया भाव दिया है। सारे भारत वर्ष के अन्दर सभी राज्यों से अधिक गन्ने का भाव 110/- रुपये केवल हरियाणा प्रान्त में ही दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकारों के समय एक-एक साल तक अगली गन्ने की फसल आ जाती थी और पिछली फसल की पेमैंट किसानों को नहीं मिलती थी। आज न केवल 15 दिन के अन्दर उन्हें पेमैंट दी जाती है बल्कि इतना बढ़िया भाव भी दिया गया है। हमारे पढ़े-लिखे जो बेरोजगार जवान हैं उनके बारे में मैं कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री जी ने उन्हें सरकारी सेवा में मौका देने के लिए आयु की सीमा जो पहले 35 वर्ष तक थी उसको बढ़ा कर 40 साल तक किया है। यह फैसला मुख्य मंत्री जी ने इसलिए किया ताकि जो नौजवान नौकरियों के लिए ओवरेज हो गए उन बेरोजगार जवानों को सरकारी नौकरी में आने का और मौका मिल सके। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से कारगिल की लड़ाई में जो हमारे शूरवीर सिपाही हैं उन्होंने अपनी जान की आहुति देकर देश और प्रदेश का मान सम्मान बढ़ाया है। मैं मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवादी हूं कि उस लड़ाई में शहीद होने वाले नौजवानों के परिवार वालों को 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इतना ही नहीं मुख्य मंत्री जी ने उनके परिवार वालों को योग्यता के आधार पर नौकरी देने की भी बात कही है, इसके लिए भी मैं मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ी बात वह होती है जो कथनी और करनी में अन्तर न रखे। सही व्यक्ति वही होता है जो अपनी जुबान से किसी काम को करने के लिए कहे तो उसे मौका मिलने पर करके दिखाये। ठीक इसी प्रकार का काम हमारे मुख्य मंत्री जी ने किया। इन्होंने अपनी कथनी और करनी में कोई अन्तर नहीं रखा। इन्होंने छः महीने की अल्पावधि में जो काम करके दिखाया वह वाकई सराहनीय कार्य है। मुख्य मंत्री जी ने विपक्ष में रहते हुए कहा था कि यदि प्रदेश की बागडोर मेरे हाथ में आयी तो सबसे पहले में अग्रोहा मैडिकल कालेज की जो ग्रान्ट पिछली सरकार ने बन्द कर दी थी उसको चालू करूंगा। ठीक हमारे मुख्य मंत्री जी ने शपथ लेते ही सबसे पहला काम अग्रोहा मैडिकल कालेज की जो ग्रान्ट बन्द थी, उसको पुनः चालू करके किया। इसी प्रकार से चुंगी समाप्त करने के आश्वासन सभी सरकारें देती रहीं लेकिन इस काम को अंजाम किसी भी सरकार ने नहीं दिया। हमारी मौजूदा सरकार ने सत्ता सम्भालते ही तुरन्त इस काम को भी अल्पावधि में पूरा करके दिखाया। हमारी सरकार ने न सिर्फ चुंगी को ही समाप्त किया बल्कि उनमें जो स्टाफ लगा हुआ था उनको भी दूसरे महकमों में एडजैस्ट किया। वाकई यह एक सराहनीय कार्य है। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने बुजुर्गों का मान-सम्मान बढ़ाते हुए जो बुढ़ापा पैंशन चौधरी देवी लाल जी ने शुरू की थी, उस पैंशन की राशि को दुगुना

[श्री निशान सिंह]

किया। आज के दिन हमारे लाखों बुजुर्ग, विकलांग व विधवाएं इस स्कीम के तहत बढ़ा हुआ पैसा ले रहे हैं। हमारी सरकार ने जो गरीब हरिजन कन्याएं हैं उनको उनकी शादी के समय शगुन के तौर पर 5100/- रुपये देने की योजना शुरू की। यह काम भी अपने आप में एक सराहनीय कार्य है। मेरे कहने का मतलब यह है कि सरकार ने जो वायदे किए थे वे बहुत ही कम समय में पूरे कर दिखाए।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने प्रदेश को बाढ़ मुक्त बनाने का वायदा किया हुआ है। इस संबंध में गवर्नर महोदय के अभिभाषण में भी जिक्र किया गया है। जिस तरीके से सरकार प्रयास कर रही है, मैं उम्मीद करता हूं कि इस समस्या पर भी सरकार जल्दी ही काबू पा लेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा क्षेत्र टोहाना बाढ़ग्रस्त क्षेत्र है क्योंकि मेरे हल्के के साथ घग्गर नदी लगती है। इस नदी के पानी की मार मेरे हल्के पर पड़ती है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से गुजारिश करना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र को बाढ़मुक्त बनाने के लिए विशेष प्लान तैयार करवा कर काम करवाएं ताकि वहां के लोगों को बाढ़ से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बोलते हुए भाई राजेन्द्र सिंह बिसला जी ने किसानों के लिए एक बात कही थी कि किसानों का जो उत्पादन होता है उसको मण्डियों तक लाने का उचित प्रबन्ध होना चाहिए। इस बारे में मैं भी माननीय मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि जो किसान भाई बागवानी के तहत सब्जियां फूल वगैराह पैदा करते हैं उनके लिए एक ऐसी शुष्क बन्दरगाह का प्रबंध किया जाये जिससे वे कुछ ही घंटों में अपने उत्पादन को देश विदेश में भेज सकें। किसानों को इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट की सुविधा दी जानी चाहिए। इसके साथ ही साथ मैं आपके माध्यम से अपने सीनियर साथियों से चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के हों से एक बात कहना चाहूंगा कि वे ऐसा माहौल इस 10वीं विधान सभा का बनाएं, जो अपने आप में एक इतिहास हो सके। मेरे जैसे बहुत से नए साथी इतनी अधिक संख्या में शायद पहली बार चुन कर आए हैं। हम लोगों ने अपने सीनियर साथियों से ही बहुत कुछ ग्रहण करना है और सीखना है। अध्यक्ष महोदय, अन्त में मैं पुनः आपका धन्यवाद करते हुए, राज्यपाल महोदय ने जो अपना अभिभाषण इस सदन में पढ़ा है, उसका पुरजोर समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद।

15.00 बजे **श्री उदय भान** (हसनपुर,अनुसूचित-जाति) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। कल महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना अभिभाषण यहां पर पढ़ा और आज सुबह उस पर चर्चा शुरू हुई है। अध्यक्ष महोदय, रामपाल माजरा जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव रखा है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं सरकार के तथा सदन के नेता आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी को बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने बहुत ही कुशलतापूर्वक इस चुनाव का संचालन किया और बहुत ही शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव सम्पन्न करवाए। पूरे प्रदेश में कहीं पर भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई, इस बात का पूरा श्रेय सदन के नेता आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी को जाता है। इसके साथ ही मैं उनका बहुत ही आभार प्रकट करना चाहूंगा कि उन्होंने जोड़-तोड़ की राजनीति से ऊपर उठ कर एक नया आयाम पेश किया है। अगर वे चाहते तो डेढ़ साल तक इसी प्रकार से राज कर सकते थे लेकिन उन्होंने पूर्व परम्पराओं से ऊपर उठ कर कार्य किया। पूर्ववर्ती मुख्य मन्त्रियों ने जो गलत परम्पराएं कायम की हुई थीं तथा राजनीति का व्यावसायीकरण किया हुआ था और यहां तक कि 1982 के पूरे मैण्डेट को उल्ट कर गलत ढंग से सरकार बनाई गई थी उन सारी चीजों से ऊपर उठ कर वे जनता के बीच गए। जोड़-तोड़ की राजनीति से ऊपर उठ कर उन्होंने नया जनादेश लेने का निर्णय किया और स्पष्ट जनादेश उन्हें मिला है। यह सब श्रेय मुख्य मन्त्री जी की उन घोषणाओं और कार्यों को जाता है जो

कि पिछले 6-7 महीने के शासन के दौरान उन्होंने किए। जिस तरह से महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में सभी बातें स्पष्ट रूप से कहीं गई हैं वे इस सरकार की लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है। यह बात बिल्कुल सही है कि जिस प्रकार से गन्ने का भाव 110/- रुपये कर दिया गया है मैं समझता हूं कि पूरे हिन्दुस्तान में किसी भी प्रदेश में इतना भाव गन्ने का नहीं दिया गया है। इस फैसले की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से किसानों के लिए यूरिया तथा डी०ए०पी० खाद पर 10/- तथा 5/- रुपये प्रति बोरी कम की है। वृद्धावस्था पैंशन, विकलांगों के लिए पैंशन की जो राशि पहले दी जा रही थी उसको दुगुना किया गया है जो कि इस सरकार की प्रगतिशील नीतियों का प्रतीक है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने जिस प्रकार से बुजुर्गों के सम्मान के लिए वृद्धावस्था पैंशन की स्कीम लागू की थी उस राशि को दुगुना किया गया है। पूर्ववर्ती सरकारों ने उस पैंशन की स्कीम को घटा कर आधा कर दिया था आदरणीय मुख्य मन्त्री जी ने दोबारा से उसका सर्वे करवा कर जिनका जायज अधिकार बनता था उन सभी को पैंशन जारी की है उसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने हरिजन चौपालों की स्कीम भी शुरू की थी। आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने उसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए हरिजनों के कल्याण के लिए 5100/- रुपये की राशि हरिजन गरीब लड़की की शादी के अवसर पर कन्यादान के रूप में देने का प्रावधान किया है इसकी जितनी तारीफ की जाए वह कम है तथा आदरणीय मुख्य मन्त्री जी उसके लिए बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के माध्यम से सभी लोगों के बीच में यह भावना गई है कि किस तरह से लोगों के काम तेजी से हो रहे हैं। इस कार्यक्रम के तहत आम आदमी तक सरकार पहुंच रही है। पहले तो जब तक पैसे नहीं देते थे तब तक फाईल सरकती नहीं थी लेकिन आज सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सरकारी अधिकारी इकट्ठे बैठते हैं और मुख्य मन्त्री जी के दरबार में किस तरह से फाइलें चलती नज़र आती हैं वह अपने आप में एक मिसाल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हरियाणा की जनता में बहुत ही अच्छा संदेश गया है क्योंकि लोगों की समस्याओं का समाधान वहीं मौके पर ही हो जाता है। सड़कों की मुरम्मत का कार्यक्रम मुख्य मंत्री महोदय ने बनाया था लेकिन मैं यहां पर यह कहना चाहूंगा कि सड़कों की मुरम्मत तो हुई है लेकिन मैं अपने जिला फरीदाबाद में घूमता रहता हूं। मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि हसनपुर के मामले में बहुत कोताही की है या वहां पर प्रतिनिधित्व ठीक नहीं था। पिछले 9 सालों से वहां पर कोई भी काम नहीं हुआ है। होडल से हसीनपुर और पलवल से हसीनपुर चाहे कहीं से भी है कोई भी रोड सही नहीं है। रोड की हालत बहुत ही खराब है उनके बारे में भी सरकार को ध्यान देना चाहिए। इस सरकार ने मार्किट फीस के जरिए जो सुविधा दी है उससे किसानों को लाभ हुआ है। मेरे कई साथियों ने यहां पर कहा था कि किसानों को कोई फायदा नहीं हुआ है ऐसा नहीं है इससे किसानों को फायदा हुआ है। बिक्री करों का सरलीकरण किया गया है उसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है। यह जो चुंगी समाप्ति का निर्णय लिया गया है मैं इस विषय में कहूंगा कि इन्होंने जो किया है वह ठीक है। लेकिन जो नगरपालिकाएं तोड़ी हैं उस बारे में मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस सरकार ने जो विकास की बात कही है तो ये इस बारे में उसको मद्देनजर रखते हुए दोबारा से विचार करके उनको बहाल करें। अध्यक्ष महोदय, यह उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। वहां पर जो स्टाफ है उनके लिए कोई सुविधा नहीं है। इस सरकार ने हमेशा अच्छा काम करने के लिए काम किया है इसलिए निवेदन है कि सरकार दोबारा से इस बारे में विचार करे। अध्यक्ष महोदय, महाराजा अग्रसेन मैडिकल कालेज की ग्रांट बंद कर दी गई थी उसको इस सरकार ने बहाल किया है। इसकी जितनी भी प्रसंशा की जाए वह कम है। पिछली सरकार ने इसका राजनीतिकरण किया था जिससे उस समाज के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। सिर्फ इनको ही नहीं बाकी लोगों

[श्री उदय भान]

की भी इस बात से ठेस पहुंची थी। इन्होंने यह जो ग्रान्ट दोबारा से शुरू की है मैं इस बात के लिए इस सरकार को बधाई देता हूं। इस सरकार ने युवाओं के प्रोत्साहन के लिए सरकारी नौकरियों में प्रवेश के लिए पांच साल उम्र और बढ़ाई है। उसके लिए भी यह सरकार बधाई की पात्र है। पहले जिन लोगों की उम्र ज्यादा होने के कारण सरकारी नौकरी का मौका नहीं मिला था उनको भी अब नया मौका मिल गया है। बिजली के सम्बन्ध में इस सरकार ने काफी सराहनीय कार्य किए हैं। लेकिन जो फरीदाबाद में एन०टी०पी०सी० का गैस बेस्ड थर्मल प्लांट है सरकार इसकी तरफ भी ध्यान दे। यह जो 16 फीसदी रिकॉर्ड बढ़ौतरी की है यह अच्छी बात है। जैसा कि राजेन्द्र सिंह बिसला ने कहा था कि सरकार को फरीदाबाद का भी ध्यान रखना चाहिए। इसके बाद जो सिंचाई की बात है तो नाबार्ड की तरफ से साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की 440 नई स्कीमें चल रही हैं। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि फरीदाबाद में एक भी स्कीम नहीं है। पहले ही हमें उत्तरप्रदेश के रहमोकर्म पर छोड़ रखा है। अब तक उस समस्या का कोई समाधान नहीं हो सका है। आगरा कैनाल से संबंधित जो रजवाहे हैं उनमें किसी की भी सफाई नहीं करवायी गयी है जिसके कारण कहीं पर भी टेल पर पानी नहीं पहुंचता है। इन रजवाहों की क्षमता के मुताबिक उनमें आधा पानी भी नहीं बहता है। अगर इनमें पूरा पानी बहे तो वहां पर एक हफ्ता पानी रह सकता है। पहले ही इनमें गाद भरी पड़ी है जिसके कारण एक हफ्ते भी इनमें पानी नहीं बहता। इसके अलावा वहां पर सिंचाई का और कोई दूसरा साधन नहीं है। जो रावी व्यास का पानी आना है उसके बारे में भी वहां पर कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया गया है कि कितना पानी फरीदाबाद को मिलेगा या इसके अलावा भी वहां के लिए कोई और योजना बनी है या नहीं। इसी तरह से वहां पर अंडर ग्राउंड वाटर भी बिल्कुल खारा है। हमारे फरीदाबाद हल्के में खासकर हथीन और पलवल का जो इलाका है वह बिल्कुल किसान बैल्ट है। हमें तो यू०पी० के रहमो करम पर छोड़ रखा है। वहां पर कई माईनर्ज ऐसे हैं जिनमें बिल्कुल पानी नहीं है। ऐसा ही एक माईनर रामपुर खुर्द है। इसी तरह से हसनपुर बैल्ट में भी पानी की कोई व्यवस्था नहीं है और होडल के आसपास भी पानी की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए सरकार से हमारी यह मांग है कि वह इस बारे में गंभीरता से गौर करे। सरकार फरीदाबाद की तरफ से उपेक्षा की नजरें हटाकर देखे और वहां पर जो रूरल हल्के हैं उनकी तरफ ध्यान दे। ये तीनों ही हल्के किसान बैल्ट हैं लेकिन पूरी तरह से उपेक्षित हैं। वहां के लोग इस सरकार से उम्मीद रखते हैं और हम भी उम्मीद रखते हैं कि आप वहां के लिए कोई न कोई सिंचाई परियोजना जरूर लागू करेंगे। अध्यक्ष जी, फरीदाबाद जिले का हल्का यमुना के साथ साथ लगता है। वहां पर देबी लाल जी के समय में स्टड लगवाए गए थे। उस समय इरीगेशन मिनिस्टर श्री सम्पत सिंह जी थे जो अब भी इस सदन में बैठे हैं। इन्होंने ही वह योजना लागू की थी लेकिन 1987 में इस तरह की जो स्कीम मंजूर हुई थीं वे उसके बाद नहीं चलीं। 1987 से 1991 के बीच में वहां जो काम हुए उसके बाद वहां कोई काम नहीं हुआ। उन स्टड की तरफ किसी ने गौर नहीं किया वह आज भी अधूरे पड़े हैं। सरकार उन योजनाओं को दोबारा से फाईलें निकलवाकर पूरा करवाए यह मेरी प्रार्थना है। इसके अलावा मैं होडल नगरपालिका जो 1911 में बनी थी, की बात भी करना चाहता हूं। इसकी बहुत बुरी हालत है। वहां पर कोई सड़क बनी हुई नहीं है, पानी की निकासी का कोई साधन नहीं है। जब तक वहां पर सीवरेज सिस्टम नहीं बनेगा तब तक उस पानी की समस्या का कोई हल नहीं निकल सकता। आज पूरा होडल इसी कारण नरक बना हुआ है। मेरी सरकार से अपील है कि वह इस ओर भी ध्यान दे क्योंकि यह बहुत ही आवश्यक है। इसी तरह से सरकार इस बात के लिए भी बधाई की पात्र है कि वह दो नई चीनी मिलें एवं दो नई चावल मिलें लगा रही है। लेकिन हमारा जो फरीदाबाद जिले का खासकर होडल और पलवल का इलाका है वह बहुत

अच्छा धान उत्पादक क्षेत्र है होडल के अंदर भी 26 प्राइवेट मिल्स हैं लेकिन किसान को उसकी उपज का सही भाव नहीं मिलता है। जो हैफेड की चावल मिल लगा रहे हैं उसमें से एक मिल हमारे यहां होडल में या उसके आसपास लगा दें। वहां पर किसी और चीज की कमी नहीं है, रा-मैटीरियल भी है धान उत्पादक क्षेत्र है सरकार का रिकार्ड सारे आंकड़े बता देगा। होडल और पलवल दोनों जगह अच्छी पैदावार है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल जी के समय में मैं भी इस सदन का सदस्य था। उस समय वहां एक आई०टी०आई० की मंजूरी की बात थी जमीन ऐक्वायर करने की भी बात कर रहे थे लेकिन बाद में वह प्रपोजल ड्रॉप कर दी गई। शिक्षा के क्षेत्र में हमारा इलाका बहुत ही उपेक्षित रहा है और इस बारे में श्री भगवान सहाय जी ने जो बात कही है उसका मैं पूरी तरह से समर्थन करता हूं। हमारे यहां की पंचायत सबसे बड़ी पंचायत है। जो बात गवर्नमैंट चाहे उस बात को लिखने के लिए हम तैयार हैं। सरकार को भी ऐसी अच्छी जगह कहीं नहीं मिलेगी। जो जमीन मिल रही है उसका जरूरत के मुताबिक उपयोग करना चाहिए इससे हमारे पूरे इलाके का भला होगा और यदि वहां पर ऐग्रीकल्चर यूनीवर्सिटी बन जाती है तो हमारा फरीदाबाद जिला याद रखेगा। यह जिला सिर्फ सोने के अंडे देने वाली ही मुर्गी नहीं है, बल्कि इसमें गरीब और किसान लोग भी रहते हैं और उनकी तरफ भी सरकार की जिम्मेदारी है। हमारा जिला शिक्षा के क्षेत्र में बहुत ही उपेक्षा का शिकार रहा है इसलिए भगवान सहाय जी ने जो प्रस्ताव रखा है उस पर गंभीरता से विचार किया जाए। सरकार की तरफ से जो शर्तें होंगी उनको बैठकर विचार करके जो मानने लायक होंगी हम लोग उनको मानेंगे। मैं एक छोटी सी बात और कहना चाहूंगा कि जो पंचायत चुनाव करवाए जा रहे हैं उसके लिए यह सरकार बधाई की पात्र है लेकिन पंचायत चुनावों में जिस तरह से देखने को मिल रहा है कि कितनी जबरदस्त हेराफेरी हुई है कि नगर निगम के पार्षदों, सरपंचों और ब्लॉक समिति के कई सदस्यों की भी वोटें काट दी गई हैं जिससे वे चुनाव न लड़ सकें। जिनकी वोट काटी गई है उनमें लखन कुमार मौजूदा पार्षद हैं फरीदाबाद में और उनके अलावा कुछ सरपंच भी हैं, ब्लॉक समिति के सदस्य भी हैं आप चाहें तो मैं पूरी डिटेल भी बता सकता हूं। हर गांव में 200-300 लोगों के वोट इस तरह से काट दिए गए हैं। इस बात की जांच होनी चाहिए कि यह वोट किस तरह से काट दिए गए हैं। अब तो ये पंचायतों के चुनाव में हुआ है कल को आने वाले चुनावों में किसी सम्मानित सदस्य के साथ भी ऐसी घटना हो सकती है। इस मामले में बाकायदा जांच करके जिम्मेदारी फिक्स होनी चाहिए। अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत धन्यवाद।

श्री रघुवीर सिंह (बेरी) : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव माननीय श्री रामपाल माजरा जी ने हाउस की टेबल पर रखा और उसका समर्थन श्री कृष्ण पाल जी ने किया उस पर चर्चा में हिस्सा लेने के लिए मैं खड़ा हुआ हूं। आपने जो समय दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। जहां तक राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का संबंध है, इसमें सरकार के जो नीतिगत कार्यक्रम हैं उन्हें पूरी तफसील के साथ बताया गया है और तकरीबन सभी विषयों को इस अभिभाषण में टच किया गया है। अगर लैटर एण्ड स्प्रिट के हिसाब से इस कार्यक्रम को पूरा किया जाये तो मैं बहुत बड़ी उपलब्धि सरकार की मानता हूं। इस अभिभाषण में कुछ ऐसे स्पैशल टौपिक्स रह गये हैं जिनकी तरफ सरकार का ध्यान दिलाना मैं बड़ा जरूरी समझता हूं। आज इस प्रदेश की सबसे बड़ी कोई समस्या अगर है तो वह नौजवानों की है। आज इस प्रदेश के नौजवान दिशाहीन हो गये हैं उनके सामने रोज़ी का कोई जरिया नहीं उनकी पूरी जिन्दगी काटने के लिए रोजगार का साधन उनके परिवार के पास है या नहीं। खासकर नेशनल कैपिटल रीजन में जहां एजूकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर पुराना रहा है वहां पर बेरोजगारी की समस्या गंभीर है। क्योंकि जमीन उनके पास रही नहीं और कारोबार कोई वे कर नहीं सकते, नौकरियां

[श्री रघुवीर सिंह]

मिलती नहीं। आज खासकर दक्षिणी हरियाणा में झज्जर, सोनीपत और रोहतक का एरिया है उस एरिया में हर साल 1200-1300 लड़के या तो सल्फास की गोलियों के शिकार हो जाते हैं या फांसी खाकर अपनी जीवन लीला को खत्म कर लेते हैं। इसके अलावा उनको और कोई रास्ता नजर ही नहीं आता कि वे क्या करें। वहां पर बेरोजगारी की समस्या सबसे ज्यादा है। स्पीकर सर, सरकारी पक्ष अगर इस समस्या की तरफ ध्यान नहीं देगा तो आने वाले समय में एक कौलैपसिंग स्टेज हो जायेगी। ये नौजवान जिस रास्ते पर चल पड़े हैं उससे आने वाले राजनीतिज्ञों के भविष्य को भी खतरा हो जायेगा। अगर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दिशाहीन नौजवान राजनीतिज्ञों के साथ भी दुर्व्यवहार कर सकते हैं और यहां तक कि उनकी पिटाई की भी नौबत आ सकती है। ऐसी समस्या का समाधान किसी कम्प्रहैंसिव पोलिसी या कोई एक्शन प्लान तैयार करके नहीं किया गया तो यह समस्या एक भयंकर रूप धारण करती चली जायेगी और इससे प्रदेश का नुकसान होगा। जो इस देश की दौलत है जिसकी मलकियत वेस्ट के रूप में चेंज हो रही है इसको गवर्नर के अभिभाषण में सिर्फ टच किया गया है। इसलिए नौजवानों की बेरोजगारी की समस्या की तरफ विशेष ध्यान दिया जाये। मेरा आपके माध्यम से निवेदन है कि आप मुख्य मंत्री जी को यह सुझाव दें कि चाहे कैम्प्रहैंसिव पोलिसी के तहत, चाहे सरकारी पोलिसी के तहत, चाहे अफसरशाही पोलिसी के तहत जिसमें आई०ए०एस० या दूसरे अधिकारी हों जब तक इस प्रदेश को नेच्यूरल रिसोर्सिज के माध्यम से राजनीति से ऊपर उठकर इस समस्या का समाधान नहीं किया जायेगा तो मेरी समझ में इस प्रदेश का बहुत बड़ा नुकसान होगा। दूसरा जैसा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भी यह बात आई है और सरकार का पिछला तजुर्बा भी रहा है कि व्हीट की प्रोक्योरमैंट अब महीने-डेढ़ महीने में होने वाली है परन्तु इस संबंध में सरकार ने कोई इंतजाम किया है या नहीं किया है। राज्यपाल के अभिभाषण में इसका कहीं कोई जिक्र नहीं है। फसलों के भाव के मामले में मण्डियों के अन्दर किसानों की पिटाई हुई है। आजादी के बाद पहली बार समर्थन मूल्य से नीचे किसान की जिन्स बिकी है और पहली बार जीरी पिटी है। क्योंकि सरकार उस समय मण्डी में दिखाई नहीं दी समर्थन मूल्य की घोषणा नहीं की थी इसलिए किसान के मन में असुरक्षा की भावना आ गई। एक दम डीजल के रेट बढ़ा दिए गए, किसान की जीरी पिट गई और यूरिया तथा डी०ए०पी० के दाम बढ़ गए इसलिए उनके अन्दर असुरक्षा की भावना आ गई कि पता नहीं गेहूं समर्थन मूल्य से बिकेगा या नहीं बिकेगा क्योंकि अभी तक समर्थन मूल्य की घोषणा नहीं की गई। आजादी के बाद से आज तक एग्रीकल्चर प्राइस कमीशन ने फसल बोने से पहले समर्थन मूल्य की घोषणा की है परन्तु फसल तकरीबन एक-डेढ़ महीने में पककर तैयार होने वाली है लेकिन अभी तक समर्थन मूल्य की घोषणा नहीं की गई और उसकी प्रोक्योरमैंट की व्यवस्था के बारे में सरकार ने इस अभिभाषण के अन्दर कुछ नहीं सुझाया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वह गेहूं की प्रोक्योरमैंट प्राइस के बारे में हाउस को बताएं। तीसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं वह यह है कि शहीदों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये देने की जो घोषणा की गई है, वह एक अच्छी बात है लेकिन इसमें मेरे गांव के सूरजमल पुत्र श्री हवा सिंह जिसका जिक्र शोक प्रस्ताव में है और दूसरा उमेद सिंह पुत्र श्री नोरंग सिंह, सूबेदार सुखबीर सिंह (दोनों डीघल गांव के हैं।) जिसका शोक प्रस्ताव में जिक्र नहीं है ये तीनों कारगिल की लड़ाई में मारे गए थे। इन दोनों लड़कों के पास न कोई पत्र गया और न ही 10 लाख रुपये की राशि देने के लिए कोई सरकारी अफसर ही गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि इन तीनों लड़कों को जोकि मेरे हल्के के हैं, के परिवार वालों को 10-10 लाख रुपये दिए जाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि जहां तक म्युनिसिपल कमेटीज

को भंग करने की बात है, बेरी की म्यूनिसिपल कमेटी 1852 में बनी थी उस समय मेरे हिसाब से पूरे हरियाणा में तकरीबन 7-8 म्युनिसिपल कमेटीज ही थीं। सिरसा और रोहतक में कोई कमेटी नहीं थी। बेरी की म्युनिसिपल कमेटी को बने हुए आज 150 साल हो गए हैं। म्युनिसिपल कमेटी बनाने का सीधा अर्थ स्टैण्डर्ड आफ लिविंग इम्प्रूव करना है और इन कमेटियों के माध्यम से लोगों को जन सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। आज 150 साल के बाद बेरी की इस म्युनिसिपल कमेटी को भंग किया गया है। अध्यक्ष महोदय, आपकी भी बेरी से निकासी है। आप इसमें थोड़ा सा प्रयास करें ताकि बेरी की म्युनिसिपल कमेटी को बहाल किया जाए। आई०टी०आई० कालेज की आधारशिला रखी हुई है, मेरा आपके माध्यम से मुख्य मंत्री से निवेदन है कि उस कालेज के भवन का निर्माण कार्य जल्दी शुरू करवाया जाए। बेरी की अनाज मण्डी की हालत भी जीर्ण-शीर्ण है, उस मण्डी पर सरकार ने बहुत पैसा लगा रखा है इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि उस मण्डी की हालत ठीक करवाने की कृपा करें। बेरी के रैस्ट हाउस के भवन के निर्माण का पत्थर लग चुका है, उसकी सैंक्शन/अप्रूवल हो चुकी थी इसलिए उस रैस्ट हाउस के काम को भी जल्दी से शुरू करवाया जाए। जहाजगढ़ के 33 के०वी०ए० के सब-स्टेशन का भवन बनकर तैयार है लेकिन वह अभी तक चालू नहीं हुआ है। इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि 33 के०वी०ए० के सब-स्टेशन को जल्दी से चालू करवाया जाए। अध्यक्ष महोदय, सरकार ने जो कन्यादान की स्कीम शुरू की है यह बहुत ही अच्छी स्कीम है। लेकिन इस राशि को प्राप्त करने के लिए जो तरीका है वह बहुत ही कठिन है इसलिए इसका कुछ सरलीकरण कर दिया जाये तो बहुत ही अच्छा होगा। साथ में इसका फायदा उन सभी लोगों को मिलना चाहिए, चाहे किसी जाति का हो, जो गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मेरा एक और सुझाव है कि जो ये 5100/- रुपये कन्यादान के नाम से दिये जाते हैं यह नाम बदल दिया जाये। क्योंकि कन्यादान के पैसे पर वर पक्ष का अधिकार होता है। मैं आपको एक किस्सा सुनाता हूं जो वास्तव में हुआ था। शादी के बाद बिदा के वक्त जब वधु पक्ष वाले बस आदि का किराया दे रहे थे तो वर पक्ष वालों ने उनसे 5100/- रुपये सरकारी कन्यादान वाले मांगे और इसी बात पर उनकी लड़ाई हो गई। हमारे यहां कन्यादान का पैसा वर पक्ष का ही होता है चाहे वह पैसा सरकार की तरफ से मिला हो या किसी आदमी ने दिया हो। इसलिए मेरा मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध है कि इस स्कीम का नाम कन्यादान से बदल कर कुछ और रखा जाये। चाहे आप इसका नाम भात ही रख दें। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पेज-16 पर मिनी बैंकस की संख्या 2300 दिखा रखी है। जबकि इस समय हरियाणा में 2200 से कुछ अधिक मिनी बैंक हैं। इसकी भी सही फीगर लिखी जाये। स्पीकर सर, इसके अतिरिक्त जहां तक सड़कों एवं भवनों की बात है, इसी अभिभाषण के पेज 14 पर लिखा हुआ है कि मौजूदा सरकार ने 6000 कि०मी० तक सड़कें ठीक की हैं जबकि अभिभाषण के पेज 27 पर लिखा हुआ है कि 7000 कि०मी० तक सड़कें ठीक की गई हैं। इसमें से ठीक कौन सा फीगर है यह हमें नहीं पता। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय को कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में एक भी सड़क के गड्ढे नहीं भरे गये। ऐसा असन्तुलन क्यों है। स्पीकर सर, हमारे वहां पर सड़कों में 3-3 फुट के गड्ढे पड़े हुए हैं। पता ही नहीं चलता की गढ्ढा सड़क में है या सड़क गढ्ढे में है। कई जगहों पर तो एक-एक कि०मी० तक सड़क लगातार टूटी हुई है। स्पीकर सर, चौधरी देवी लाल जी हमारे यहां दुबलधन में एक रैली को सम्बोधित करने के लिए आये थे। तब इनकी गाड़ी बीच में से ही वापिस चली गई, क्योंकि वहां पर पानी भरा हुआ था। (विघ्न) स्पीकर सर, चौधरी देवी लाल दूसरी तरफ से 8 कि०मी० घूम कर दुबलधन में पहुंचे। इसी तरह से अच्छेज में भी 12 कि०मी० दूसरी तरफ से होकर पहुंचे। स्पीकर सर, अच्छेज, दुबलधन, वरहाना, धांदलान आदि गांवों के अन्दर की सड़कें दो-दो, एक-एक कि०मी० तक

[श्री रघुबीर सिंह]

टूटी हुई हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान मेरे हल्के में बहुत सी सड़कें टूटी हुई हैं उनकी ओर दिलाना चाहूंगा। मेरे हल्के में ऐसा लगता है कि वे सड़कें बाबा आदम के जमाने की बनी हुई हैं और उन पर आज तक मरम्मत नहीं हुई है। वे सड़कें इस प्रकार से हैं, बरहाना-डीघल-धांदलान-गोच्छी-बेरी-दुबलधन-सिबाना। दूसरी सड़क-दुबलधन से घिमनी है,, तीसरी सड़क चीमनी-ढराणा-बेरी है, चौथी सड़क दुबलधन से जहाजगढ़ बाया पलड़ा है, पांचवी सड़क दुबलधन-माजरा-डी-मिलकपुर-पहाड़ीपुर-अच्छेद-छुछकवास है, छठी सड़क बेरी से बजीरपुर-जहाजगढ़ है, सातवीं सड़क बेरी से झज्जर बाया घीड़ है, आठवीं सड़क-मदाना-महराना-बिरधाना है, नौंवी सड़क झज्जर-खेड़ी-खातीवास-जहाजगढ़ है, दसवीं सड़क बेरी से बिसाहन-रीटोली-कबूलपर है, ग्यारवीं सड़क बेरी से दुजाना-मराणा है, बारहवीं सड़क भम्बेवा से सिम्भी है, तेरहवीं सड़क बरहाना से गोच्छी बेरी तक की, चौहदवीं सड़क बरहान से चिमाना-कलावड़ है और पंद्रहवीं सड़क डीघल से कलाबड़ है और सोलहवीं सड़क बेरी से शेरिया है। अध्यक्ष महोदय, ये सोलह सड़कें इतनी खराब हैं कि इन सड़कों पर कोई भी आदमी एक गेयर से दूसरे गेयर में वाहन नहीं चला सकता। (शोर)

श्री बलबीर : सर, मेरा एक प्वाइंट ओफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से श्री रघुबीर सिंह कादियान को बताना चाहूंगा कि इन्होंने जो बरहाना गांव की सड़क की बात कही है उस पर काम चल रहा है और कुछ सड़कें बन भी गई हैं। इसके अलावा जो बेरी से महम रोड है वह सड़क भी किसी सरकार ने मरम्मत नहीं करवाई। यह सड़क भी अब दुरुस्त हो चुकी है। इसलिये कादियान साहब कुछ कहते हैं तो कम से कम रिकार्ड देख कर तो कहें। अगर मेरी बात झूठ हो तो अध्यक्ष महोदय, आप कमेटी भेजकर दिखवा लें और वह सड़क दुरुस्त न पाई जाए तो मुझ पर जो जुर्माना लगाना चाहे वह जुर्माना मैं देने को तैयार हूं। (हंसी)

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप अपनी बात पूरी करें।

श्री रघुबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, श्री बलबीर सिंह ने बेरी से महम रोड दुरुस्त होने की बात कही है जबकि मैंने तो अपनी खराब सड़कों में बेरी से महम रोड का कोई जिक्र ही नहीं किया है। अगर ये दिल्ली से बम्बई रोड की सड़क का जिक्र करने लग जाएं तो वह तो कोई बात नहीं हुई। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मैं अर्ज कर रहा था कि इन 16 सड़कों की मुरम्मत के लिये सुझाव यह है कि बेरी में जो पी०डब्लयू०डी० (बी० एण्ड आर०) का सब-डिवीजन था उसे पिछले डेढ़ साल से उठा लिया गया है, इसलिये उसी एरिया में इस सब-डिविजन को दोबारा बना दिया जाए ताकि जो भी मुरम्मत का काम हो उसकी ठीक तरह से निगरानी हो सके। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह भी अनुरोध करता हूं कि उनकी मुरम्मत की ओर विशेष ध्यान दें। (शोर)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत माननीय सदस्य श्री रघुबीर सिंह कादियान और बाकी हाउस के सब सदस्यों को बताना चाहूंगा कि जैसा कादयान साहब ने कहा कि सड़कों में गढ्ढे 3 फुट या 4 फुट है और कई सड़कों के नाम भी लिये कि फलां फलां सड़क खराब है। स्वाभाविक है कि इन इलाकों में कादियान जी आते-जाते होंगे और इन सड़कों की हालत देखते होंगे क्योंकि इनका यह हलका है। इन सड़कों की रिपेयरिंग की इनको चिन्ता भी होगी। अध्यक्ष महोदय, जहां तक गड्ढे भरने अथवा माइनर रिपेयर की बात है तो उन सब गड्ढों को भरकर माईनर रिपेयरिंग का काम पूरा किया जा चुका है। अब मेजर रिपेयरिंग का काम रह गया है। सरकार ने 30 जून तक मेजर रिपेयरिंग का काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है और 30 जून के बाद फिर अधिवेशन होगा। अगर उस

टाइम इनकी कोई सड़क बिना रिपेयर के रह जाए तो फिर यह सवाल उठा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, 30 जून, 2000 तक बाकायदा हर सड़क की मेजर रिपेयर कर दी जाएगी।

श्री रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनका बहुत-बहुत धन्यवाद। अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में शूगर मिल्ज़ बनाने का जिक्र किया गया है जिनमें डीठा और कालांवाली की बात आई है। अध्यक्ष महोदय, 1989 में बेरी के अन्दर सहकारी क्षेत्र के तहत एक शूगर मिल लगाने का मामला अन्डर कन्सीड्रेशन था। बेरी क्षेत्र में करीब 20 खाण्डसारी मिलें लगी हुई हैं। मौजूदा सरकार ने सिरसा में भी शुगर मिल लगाने का फैसला लिया है जबकि हांसी से लेकर डबवाली तक तकरीबन 225-250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के अन्दर गन्ना पैदा नहीं होता। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि 1989 में बेरी के अन्दर एक शूगर मिल लगाने का मामला अन्डर कन्सीड्रेशन था और वह मिल उस वक्त लग भी जानी थी। मैं सरकार के ध्यान में लाना चाहूंगा कि उस क्षेत्र में गन्ने की फसल काफी मात्रा में होती है। जो वहां पर खाण्डसारी मिलें लगी हुई हैं वे किसानों से 25, 30 और 50 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से गन्ना लेती हैं। किसानों को मजबूरी में अपना गन्ना कम कीमत पर उनको देना पड़ रहा है। मैं चाहता हूं कि सहकारी क्षेत्र में जब कोई गन्ना मिल लगती है तो उसमें 90 प्रतिशत हिस्सा सेन्ट्रल गवर्नमैंट का होता है, 2 प्रतिशत हिस्सा फारमर्ज का होता है और तकरीबन साढ़े सात-आठ प्रतिशत के आसपास का हिस्सा स्टेट गवर्नमैंट का होता है। अध्यक्ष महोदय, बेरी क्षेत्र में गन्ने की बहुत अधिक फसल होती है इसलिए किसानों की भलाई को देखते हुए सरकार से मेरा अनुरोध है कि बेरी के अन्दर सहकारी क्षेत्र के तहत एक शूगर मिल अवश्य लगाने की कृपा करें ताकि वहां के किसानों को अपनी फसल का उचित मूल्य मिल सके। इसके साथ ही साथ मैं गन्ने की फसल पर किसानों से जो ट्रांस्पोर्टेशन चार्जिज लिए जाते हैं उस बावत सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा। यदि किसी किसान की गन्ने की फसल मिल के फासले से 2 किलोमीटर अन्दर है तो उसको एक एकड़ में 10 से 12 हजार रुपये प्राप्त होते हैं। इसके विपरीत यदि किसी किसान की गन्ने की फसल 20 किलोमीटर के फासले पर है तो उसको उस एकड़ में 7 से 8 हजार रुपये प्राप्त होते हैं। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूं कि एक किसान को तो उस एक एकड़ से 10-12 हजार रुपये प्राप्त होते हैं जबकि दूसरे किसान को उतनी जमीन से ही 7-8 हजार रुपये प्राप्त होते हैं जबकि कास्ट आफ कल्टीवेशन और कास्ट आफ प्रोडक्शन सेम है। इस अन्तर का कारण यह है कि किसान से जो ट्रांपोर्टेशन चार्जिज लिए जा रहे हैं, वे दोनों जगहों के अलग-अलग हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि 1989 के अन्दर गन्ना कन्ट्रोल बोर्ड की एक मीटिंग हुई थी उसमें फैसला लिया गया था कि किसानों का गन्ना चाहे कितनी दूरी से लिया जाये लेकिन उससे ट्रांपोर्टेशन के चार्जिज बराबर लिए जाएंगे जबकि आज के दिन ऐसा नहीं हो रहा। जो बड़ी-बड़ी मिलें हैं वे एक करोड़ क्विंटल तक गन्ना उठा लेती हैं लेकिन वे किसानों से 8 से 10 रुपये प्रति क्विंटल चार्ज करती हैं जो ठीक नहीं है। जब इतने अधिक ट्रांपोर्टेशन चार्जिज किसानों से लिए जाएंगे तो उस किसान के पास क्या रह जाएगा ? इस संबंध में मेरा सरकार से निवेदन है कि किसान से गन्ने की फसल कोई मिल कितनी दूरी से क्यों न उठाये लेकिन सभी किसानों से ट्रांस्पोर्टेशन चार्जिज बराबर लेने चाहिएं, उनके साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, अब मैं ड्रेनेज के बारे में कहना चाहूंगा। हमारे प्रदेश में 1995 में बहुत भयंकर बाढ़ आई थी। उस बाढ़ के दौरान बहुत से मकान भी नष्ट हुए थे और किसानों की खरीफ की फसल खड़ी की खड़ी तबाह हो गई थी। रबी की फसल तो बोई नहीं जा सकी थी। जिन लोगों की फसल बोई नहीं जा सकी थी उन लोगों को सरकार की तरफ से 3000/- रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया

[श्री रघुवीर सिंह]

गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा कि बेरी हल्के के किसानों को भी मुआवजा देने के लिए सरकार की तरफ से 14 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए थे। उस समय वह मुआवजा किन्हीं कारणों से किसानों में बंट नहीं सका था। 1996 में चुनाब आ गए और 1996 के चुनाब की वजह से डिस्ट्रीब्यूशन रुक गया था और उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आ गई। लोगों के चैक कट गए थे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं रिकार्ड की बात कह रहा हूं उन चैकों का पैसा बैंकों से वापिस आ गया था जो पैसा वापिस आया था वह कौन से हैड में खर्च किया गया। उस पैसे की किस मद में मिस्यूटिलाईज़ किया गया था यूटिलाईज़ किया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि इस बारे में बताया जाए कि वह पैसा कहां है। कुछ लोगों को वह पैसा मिल गया था लेकिन कुछ लोगों को वह पैसा नहीं मिला। यह राशि करीब 7 करोड़ रुपये की है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से तथा मुख्य मन्त्री जी से कहना चाहूंगा कि बेरी हल्के के लोगों को बाढ़ राहत का जो पैसा मिलना चाहिए था वह नहीं मिला इसलिए वह पैसा उनमें डिस्ट्रीब्यूट किया जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद मैं ड्रेनेज की बात कहूंगा। ड्रेनेज के बारे में बड़े विस्तार से चर्चा हुई है। इस बारे में मेरा सुझाव है कि जो पानी बरसात में या दूसरे कारणों से भरता है उससे दुजाना, सेरिया, मदाना कलां, मदाना खुर्द, लकड़ियां, गोच्छी डीघल आदि गांवों की बाढ़ की समस्या का समाधान तभी हो सकता है जब डीघल से छारा तक एक माईनर बना कर ड्रेन के सी०बी० में डाली जाए। इस ड्रेन के माध्यम से इस हल्के की समस्या का समाधान हो सकता है क्योंकि उसका नैचुरल फलो बाया थोथी है। (विघ्न) स्पीकर सर, इस समय मुख्य मन्त्री जी यहां पर नहीं बैठे हैं लेकिन यहां पर चौधरी सम्पत सिंह जैसे काबिल वित्त मन्त्री और चौधरी धीरपाल जी जैसे काबिल मन्त्री बैठे हुए हैं। यहां पर एस०वाई०एल० को पूरा करने की बात चली। लोग नारा लगाते हैं कि हरियाणा प्रदेश के लोगो आप हमें वोट दो हम एस०वाई०एल० को पूरा करेंगे उधर पंजाब के लोग इस बात पर लोगों से वोट मांगते हैं कि लोगो हमें वोट दो हम एस०वाई०एल० नहर खुदने नहीं देंगे। पंजाब के मुख्य मन्त्री जी ने खुद अपने अभिभाषण में कहा है कि एक बून्द पानी भी एस०वाई०एल० में नहीं जाने देंगे, पंजाब के नौजवान खून की नदियां बहा देंगे। अध्यक्ष महोदय, ऐसे हालात में एस०वाई०एल० नहर कैसे बनेगी यह एक चिन्ता का विषय है। हर आदमी कहता है कि यह नहर हरियाणा की लाईफ लाईन है। हमारे जैसे लोग तो आते जाते रहेंगे लेकिन हमें कोई ऐसा सिस्टम यहां पर खड़ा करना चाहिए जिससे यह नहर कम्पलीट हो सके। राजनीति से ऊपर उठकर हम लोगों को काम करना चाहिए ताकि यह नहर कम्पलीट हो सके। इस काम के लिए हमें चाहे कितना ही जोर लगाना पड़े या इस प्रदेश को कितना ही संघर्ष करना पड़े और चाहे कितना बड़ा आन्दोलन करना पड़े और चाहे राजधानी दिल्ली का घेराव करना पड़े हमें वह सब करना चाहिए क्योंकि यह नहर प्रदेश के लिए जीवन मरण का प्रश्न है। अध्यक्ष महोदय, बलवन्त सिंह मायना जी आपके ट्रेजरी बैंचों पर बैठे हैं उन्होंने कहा कि यह हरियाणा की लाईफ लाईन है यह हरियाणा के लिए जीवन मरण का प्रश्न है, इस बारे में मेरा सुझाव है कि राजनीति से ऊपर उठ कर हमें एक निर्णय लेना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हमें पूर्व मुख्य मन्त्रियों, गवर्नर, लियूटीनैंट गवर्नर, की एक कमेटी बनानी चाहिए और इस बारे में प्रधान मन्त्री जी से बात की जाए। अगर कोई बात सिरे न चढ़े तो संघर्ष का रास्ता अख्तियार करना पड़े तो वह भी अख्तियार करना चाहिए, नहीं तो यह एस०वाई०एल० कभी नहीं बन सकेगी और इस नहर का काम कभी पूरा नहीं हो सकेगा। कोई चाहे इसके बहाने वोट मांगे चाहे उसमें हम हों या कोई और हो, यह बहुत ही भारी चिन्ता का विषय है। सर, आपके माध्यम से मेरा भाई सम्पत सिंह जी तथा भाई धीरपाल सिंह से मेरा निवेदन है कि इस मामले में कोई कंकरीट स्टैप लिया जाए, कोई ऐक्शन प्लान

बनाया जाए ताकि आने वाली जनरेशन हमें गालियां न दे बल्कि वे यह कहे कि हमारे लोग, हमारे नेता ऐसे थे कि जब लाईफ लाईन की बात आई तो लाईफ लाईन के लिए उन्होंने सब कुछ दाव पर लगा दिया। स्पीकर साहब, चाहे विकास के लिए पैसे की बात है, चाहे नौकरी की बात है, चाहे पानी की बात है उसमें बहुत बड़ा असंतुलन है। 18 लाख फुट पानी दक्षिण हरियाणा का है जो इराडी ट्रिब्यूनल का फैसला है। 35 लाख एकड़ फुट जो इराडी ट्रिब्यूनल ने एलोकेट किया है उसका 18 लाख एकड़ फुट पानी भाखड़ा कैनाल के एग्जिस्टिंग सिस्टम को रेजिंग करके लिया गया है और वह पानी किस के हिस्से का है। सर, यहां पर अगर एक मिनट देर से भी नाका कटे तो लाशें बिछ जाती हैं। पिछले 30 साल से इतने जबरदस्त इम्बैलेंस डिसक्रिमिनेशन हो रहे हैं यह मैं आपके माध्यम से हाउस की जानकारी में लाना चाहता हूं। सत्ता पक्ष के भाई धीरपाल सिंह जी, बलवन्त सिंह मायना, नफे सिंह राठी, भाई बलबीर सिंह जी भी यहां पर बैठे हुए हैं इन सब की जानकारी में लाना चाहता हूं। यह एक घोर अन्याय हो रहा है। यह ठीक है कि दूसरे की थाली से कुछ उठाना बड़ा मुश्किल है लेकिन स्पीकर सर, आने वाले टाईम में इस डिस्क्रीमिनेशन के खिलाफ एक बहुत बड़ा आन्दोलन होगा। स्पीकर सर, इसी डिस्क्रीमिनेशन के चलते पंजाब का डिविजन हुआ था। चौधरी देवी लाल जी ने जब देखा हरियाणा प्रदेश के साथ डिस्क्रीमिनेशन हो रहा है, नौकरियों में डिस्क्रीमिनेशन हो रहा है, हरियाणा प्रदेश के विकास के पैसे में डिस्क्रीमिनेशन हो रहा है और पानी में डिस्क्रीमिनेशन हो रहा है तो उन्होंने इसके खिलाफ आवाज उठाई। मैं मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि इस प्रदेश की एकता और अखण्डता के लिए इस प्रदेश की तरक्की के लिए कुछ करें। अगर यह नहीं किया गया तो इस प्रदेश का अहित हो सकता है। नुक्सान हो सकता है। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता था कि चाहे एडमिनिस्ट्रेशन हो या चाहे पोलिटिक्स इसमें The art& science of administration and politics is to distribute the natural resources among the masses equitably and equally. We should face the facts squarely otherwise the facts will stap we people in the back. स्पीकर सर, अगर हम नैचुरल रिसोर्सिज का बराबरी के आधार पर बंटवारा नहीं कर सके तो बहुत नुक्सान होगा। अध्यक्ष महोदय, आपने जो मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री बलबीर (महम) : अध्यक्ष महोदय, आपने गवर्नर साहब के एड्रैस पर मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर साहब के अभिभाषण में जो दर्शाया गया है वह हरियाणा प्रदेश की जनता के लिए एक बहुत ही सराहनीय कार्य है। आने वाले समय में इससे हमारे सदन के नेता जी को और ताकत मिलेगी। इसका रिजल्ट यह भी है कि जो 6 महीने की सरकार थी उसमें मुख्य मंत्री जी ने हर हल्के में जाकर खुले दरबार लगाए। उन्होंने जो 36 बिरादरी को सुना है उसी का ही रिजल्ट हरियाणा प्रदेश की जनता ने दिया है। मैं एक दो बातें आपके माध्यम से कहना चाहूंगा। स्पीकर सर, आपके माध्यम से मेरा हरियाणा प्रदेश की सरकार से निवेदन है कि चाहे यह भेदभाव/असन्तुलन विकास के पैसे का हो या सरकारी नौकरियों का हो या बिजली-पानी का हो, को तुरन्त दूर किया जाए। अपने विपक्ष के जो सम्मानित सदस्य हैं इनको कोई और बात तो कहने को मिल नहीं रही है इसलिए ये ऐसी बात कह रहे हैं। हाउस बहुत ही ठीक तरह से चल रहा है नहीं तो विपक्ष शोर शराबा भी करता है अपनी आवाज भी उठाता है लेकिन यहां तो ऐसा लग रहा है जैसे एक हारा हुआ इंसान थकान महसूस करता है। (विघ्न) जिस तरह से यह हाउस चल रहा है वह इस बात का सबूत है कि जैसे इनकी नाड़ी में दम ही नहीं रहा है। ये बौखला गये हैं। (विघ्न)

श्री जय प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अभी इन्होंने कहा कि हमारी नाड़ी में दम नहीं है। हमारी नाड़ी तो बढ़िया है आप हमें बोलने के लिए टाईम दें तब इनको बताएंगे।

[श्री जय प्रकाश]

अध्यक्ष महोदय, हमारे नेता ने एक बात कही थी कि सरकार बने हुए अभी दो चार दिन ही हुए हैं इसलिए ऐसी कोई बात नहीं होनी चाहिए। जहां तक माननीय सदस्य हाउस को ठीक तरह से चलने देने की बात कर रहे हैं तो * * * * लोगों का हाउस में काम नहीं। हम इनको बताएंगे कि हाउस कैसे चलता है।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह : अभी माननीय सदस्य ने जो बात कही है, उस बाबत मैं उनको बताना चाहूंगा कि हमने सद्भाव बनाने की बात कही थी। हमने कहा था कि विपक्ष एक कंस्ट्रक्टिव रोल अदा करेगा लेकिन अगर ये समझते हैं कि विपक्ष का काम ऐसे ही हाउस को चलाना है जैसे पहले चलता था तो हमारे लिए तो यह बहुत आसान है। हम न बोलेंगे और न ही आपको बोलने देंगे। मेरा माननीय सदस्य से निवेदन है कि जिस भावना से हम उनको कंस्ट्रक्टिव स्पोर्ट दे रहे हैं उसी भावना से सरकार के सदस्य को और सरकार को भी व्यवहार करना चाहिए। मैं सरकार के सदस्यों से कहूंगा कि वे अपने सदस्यों को ब्रीफ किया करें। हमें इस सदन की गरिमा को बनाये रखना चाहिए ताकि लोगों में एक मैसेज जाए कि हमारे जो नुमाइन्दे हैं चाहे विपक्ष के हों या सत्ता पक्ष के हों, वह व्यक्तिगत आक्षेपों में न जाकर लोगों के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं और विकास के लिए कुछ करना चाहते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जैसे हुडा साहब ने कहा। हम इस बात के लिए इनके धन्यवादी हैं। We are thankful to them for constructive support and discussion also. बाली साहब ने तो लाईट-वे में ही कह दिया, सीरियसली कुछ नहीं कहा है।

श्री बलबीर : अध्यक्ष महोदय, ये हमारे आदरणीय बड़े भाई हैं सम्मानित साथी हैं। हर बात के दो अर्थ हैं ये दूसरे अर्थ ले गये। मैं यह कहना चाह रहा था कि सरकार की जहां पर कमियां हैं वहां पर इनको बताना चाहिए अगर सरकार की 6 महीनों में कोई कमजोरी रही है तो ये बताएं। मैंने लड़ाई झगड़े के बारे में तो नहीं कहा। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि जैसे ये अपनी पार्टी में झगड़ते रहते हैं तो इनको वही बात याद रही। जबकि मैं तो सरकार के काम की बात कह रहा था। हरियाणा प्रदेश की जनता देख रही है कि जिस तरीके से माननीय मुख्य मंत्री जी इस प्रदेश का विकास करवा रहे हैं या कर रहे हैं वैसा पिछले आठ नौ सालों में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने या चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने भी नहीं करवाया। पहले सड़कों के नामों निशान नहीं रहे थे लेकिन अब वही सड़कें बढ़िया बन गयी हैं। अब तो बुजुर्ग आदमी यह बात भी कहने लगे हैं कि चौटाला साहब ने सारे पहाड़ ढो कर सड़कों के 16.00 बजे काम करवा दिए। अब ये विकास के कार्य कहां से हो गये ? मैं सम्मानित साथियों को बताना चाहूंगा और आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी को भी एक सुझाव देना चाहूंगा और बताना चाहूंगा कि जब चौधरी बंसी लाल जी के पास किसी गांव की पंचायत जाया करती थी तो वे एक ही बार में स्पष्टीकरण दे दिया करते थे दूसरी बार भाड़ा लगाने की जरूरत नहीं रहती थी। चौधरी बंसी लाल जी का जवाब यह हुआ करता था कि पैसा नहीं है। पता नहीं अब वह पैसा कहां से आ गया ? आज आप किसी सड़क पर चले जाएं। सड़कों की हालत बहुत अच्छी हो गई है। किसी भी टेल पर चले जाएं। वहां पानी जा रहा है। इस वर्तमान सरकार ने आखिरी छोर तक पानी दिया है और नहरों की सफाई व छटाई करवाई है। (विघ्न)

श्री लक्ष्मण दास अरोड़ा : बलबीर जी, आप कुछ भी कह लो चौटाला साहब आपको मंत्री नहीं बनाते।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री बलबीर : अध्यक्ष महोदय, हम मंत्री बनने के इच्छुक नहीं हैं। हम तो सच्चे सिपाही हैं, आदरणीय श्री चौटाला साहब के। हरियाणा प्रदेश की जनता देखती है कि किस तरह से लोग दल बदल कर मंत्री बन जाते हैं। हम तो सिपाही हैं और सिपाही ही रहेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने चर्चा कर दी है तो मुझे जवाब देना ही पड़ेगा कि यह तो वह पार्टी है जिसमें मुख्य मंत्री पद के ही पांच दावेदार थे। बताओ, मुख्य मंत्री तो एक ही बनता होगा। कुर्सी की लालसा आपकी पार्टी के लोगों को है। इस त्यागी तपस्वी पार्टी को नहीं है। हम तो उस सेनापति की फौज के सिपाही हैं जिन्होंने इस देश की सबसे बड़ी कुर्सी प्राइममिनिस्टर का ताज भी दूसरे के सिर पर रख दिया। आप लोगों की लालसा के बारे में तो हरियाणा की जनता ने बताया कि रोहतक डिस्ट्रिक्ट में आदरणीय भाई भूपेन्द्र जी हुड्डा ने कहा था कि मुख्य मंत्री मैं बनूंगा। (विघ्न)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा—

श्री भूपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने मेरा नाम लिया है इसलिए मैं पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि मैं इनके पास तो नहीं गया और कहा कि मैं मुख्य मंत्री बनूंगा। दूसरे की पार्टी के बारे में इनको ज्ञान नहीं हो सकता। ये अपनी पार्टी के बारे में कुछ भी कहें उसमें मुझे कोई ऐतराज नहीं है लेकिन अगर फैक्ट्स से अलग बात कहेंगे तो यह ठीक नहीं है। हमारी पार्टी अनुशासित पार्टी है, नैशनल पार्टी है हमारी नेता सोनिया गांधी जी हैं। यह पार्टी किसी व्यक्ति की पार्टी नहीं है। सभी फैसले पार्टी करती है आपकी तरह नहीं है। हमारी पार्टी के जो विधायक चुनकर आते हैं वे प्रजातांत्रिक ढंग से अपने नेता को चुनते हैं पहले नेता नहीं चुने जाते हैं।

श्री बलबीर : अध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेस पार्टी के प्रैजीडैण्ट, मेरे बड़े भाई श्री हुड्डा साहब को कहना चाहूंगा कि पहले मेरे मंत्री बनने के बारे में जिक्र आपकी पार्टी के साथी ने किया उसके बाद मैंने जवाब दिया है। आप कोई जिक्र करोगे तो मुझे जवाब देना होगा या आप कंट्रोल करो, या मेरी सुने। आइंदा आप भी न कहना। आपकी पार्टी के ये प्रैजिडैण्ट हैं और हमारे बड़े भाई हैं। आप ऐसी बात न कहना, ये महसूस करते हैं।

श्री अध्यक्ष : बलबीर जी, आज से ये मुख्य मंत्री पद के दावेदार नहीं हैं।

श्री बलबीर : यह बात यहां जनता बैठकर देख रही है और अखबारों में भी आई है।

श्री भूपेन्द्र सिंह : अखबारों में क्या आया है आप उस बारे में फैक्ट्स को डिस्टोर्ट न करें। जो मेरे बारे में आया है उसे मैं कह चुका हूं।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : स्पीकर सर, चौधरी बलबीर सिंह जी गवर्नर एड्रेस पर चर्चा कर रहे हैं। माननीय हुडा साहब लोकसभा में भी प्रतिनिधि रहे हैं लेकिन विधान सभा में पहली बार आये हैं। मेरी उनसे भी गुजारिश है और पुराने विधायक साथियों से भी गुजारिश है कि वे हाउस की कार्यवाही को ठीक ढंग से चलने दें और कोई ऐसी बात न कहें जो किसी सदस्य को महसूस हो। हमारी पार्टी के नेता का भी यही हुक्म है और ट्रेजरी बैंचिज का भी यही ख्याल है। चौधरी बलबीर सिंह जी ने ऐसी कोई बात नहीं की जिसके लिए हुडा साहब पर्सनल एक्सप्लेनेशन दें। इन सभी को भी

[श्री धीरपाल सिंह]

बोलने का मौका मिलेगा। इनके कुछ साथी तो बोल भी चुके हैं। मैं इनसे यह निवेदन करूंगा कि वे अपने साथी सदस्यों को कहें कि वे ठीक ढंग से सुनें और अपनी बात को कहें।

श्री भूपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा नाम लिया गया था इसलिए मैंने कहा है। नाम नहीं लेना चाहिए। नाम अगर लेते हैं तो पर्सनल एक्सप्लेनेशन तो देनी ही होगी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री बलबीर : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बुढ़ापा पैंशन को 100/- रुपये से बढ़ाकर 200/- रुपये किया है वह बहुत ही सराहनीय काम है। पिछली सरकारें ऐसी आई कि वे बुढ़ापा पैंशन लेने वालों पर शर्त लगाया करते थे। एक बुजुर्ग अपनी पैंशन लेने गया तो उसको कहा गया कि तुम्हारे पास पांच किल्ले जमीन है इसलिए तुम्हें पैंशन नहीं मिल सकती। दूसरा बुजुर्ग बुढ़ापा पैंशन लेने गया तो उसको कहा कि तुम्हारा लड़का नौकरी करता है इसलिए तुम्हें पैंशन नहीं मिल सकती। तीसरा बुजुर्ग जब बुढ़ापा पैंशन लेने गया तो उसको कहा गया कि तुम्हारा लड़का व्यापार करता है इसलिए तुम्हें पैंशन नहीं मिल सकती। चौथा बुजुर्ग पैंशन लेने गया तो उसको कहा गया कि तुम्हारा लड़का परचून की दुकान करता है इसलिए तुम्हें पैंशन नहीं मिल सकती। अध्यक्ष महोदय, आप ही बतायें कि परचून की दुकान में 500 ग्राम नमक-मिर्च बेचने वाले की भी पैंशन काट ली जाती थी। परन्तु चौधरी देवी लाल जी ने एक बुजुर्ग के मान-सम्मान के लिए यह बुढ़ापा पैंशन शुरू की थी। यह बात सारे हिन्दुस्तान में मशहूर है कि हरियाणा प्रदेश एक ऐसी स्टेट है जहां बूढ़ों को मान-सम्मान दिया जाता है। अब मुख्य मंत्री जी ने इस बुढ़ापा पैंशन की राशि को 100/- रुपये से बढ़ाकर 200/- रुपये किया है जोकि बहुत सराहनीय और बहुत बढ़िया है। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं बाढ़ के बारे में कहना चाहता हूं। कादयान साहब ने ठीक ही कहा है कि जो 1995 की बाढ़ में नुकसान हुआ था उसका मुआवजा भी आज तक किसानों को नहीं दिया गया है वह पैसा भी जमींदारों को अवश्य मिलना चाहिये। 1995 की सरकार के समय बाढ़ग्रस्त क्षेत्र के लोगों को मुआवजा देते समय काफी धांधली हुई थी। आदमपुर हल्के के गांवों में जहां बाढ़ नाम की कोई चीज नहीं थी ट्यूबवैल का पांच हजार रुपये मुआवजा दिया गया था इसका प्रमाण आप आज भी देख सकते हैं। रोहतक जिले के महम क्षेत्र में सबसे ज्यादा बाढ़ आई थी वहां पर एक ट्यूबवैल को 600/- रुपये का मुआवजा दिया गया था। सरकार का यह कर्त्तव्य नहीं होता कि वह भेदभाव करे और अगर भेदभाव करे तो हिसाब देखकर करे जहां ज्यादा नुकसान हुआ हो वहां ज्यादा पैसा देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय से अर्ज करूंगा जैसा कि डाक्टर साहब ने एक बात कहनी थी लेकिन किसी कारण वश वे इसे कहना भूल गए हैं कि रोहतक और सोनीपत दोनों जिलों में नहरों के साथ एक-एक, दो-दो किलोमीटर तक सेम से भरा पानी खड़ा हुआ है अगर वहां करनाल में नहरों के साथ लगे ट्यूबवैलों की तरह ट्यूबवैल लगा दिए जाएं तो नहरों के साथ लगा सेम नीचे चला जाएगा। आदरणीय मंत्री जी को इस तरफ जरूर ध्यान देना चाहिए क्योंकि यह एक अच्छा काम है। अध्यक्ष महोदय, चौ० भजन लाल जो कांग्रेस पार्टी के नेता हैं और विपक्ष के नेता भी हैं, ने किसानों के प्रति हमदर्दी जताते हुए बड़ी लम्बी चौड़ी बात कही। क्या यह वह दिन भूल गए हैं जिस दिन डी०ए०पी० खाद का कट्टा 180/- रुपये का था, हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार थी तब खाद के कट्टे का भाव 180/- से 300/- रुपये का हो गया और इस बात का इतिहास

गवाह है। उस समय यूरिया की स्थिति क्या हुई थी, अध्यक्ष महोदय, आप भी अच्छी तरह जानते हैं कि यूरिया खेतों में डाला जाता है लेकिन इन के राज में यूरिया खाद मंत्रियों ने खाई। इस बात का हाउस गवाह है। आज ये किस मुंह से किसानों के हमदर्द बनते हैं। आज 36 बिरादरी ने लोगों ने मुख्य मंत्री महोदय को समर्थन दिया है। मैं तो यहां तक कहता हूं कि अगर किसी सदस्य ने मंत्री बनना हो तो चौ0 ओम प्रकाश चौटाला जी की शरण में आ जाओ। (शोर) सबकी अपनी-अपनी भावना होती है। किसी को खाने पीने की इच्छा होती है, किसी को पहनने की इच्छा होती है, किसी को प्रजातंत्र में मंत्री बनने की लालसा होती है। आज की सरकार ओम प्रकाश चौटाला की देख रेख में काम कर रही है, किसी हल्के से कोई भेदभाव नहीं कर रही, यह एक बहुत ही बड़ा काम है वरना पिछली सरकार तो ऐसी थी कि उसने एम०एल०एज० की 50 लाख की ग्रांट पर रोक लगा दी। (शोर) आज 50 लाख रुपये की जरूरत ही नहीं है क्योंकि हमारी सरकार जनता के सारे काम खुद करेगी। आप किसी गांव में चले जाओ, किसी हल्के में चले जाओ, किसी शहर में चले जाओ वहां सड़कें बनती दिखाई देंगी, हरिजन बैकवर्ड चौपाल बनते दिखाई देंगे, विकास ही विकास के काम दिखाई देंगे, कामों की मण्डी सी लगी हुई है। अगर ये स्वार्थी चश्में उतार कर देखेंगे तो विकास के काम के अलावा इन्हें कुछ और दिखाई ही नहीं देगा। अध्यक्ष महोदय, मैं तो माननीय मुख्य मंत्री जी से और मन्त्रियों से तथा हमारी पार्टी के जो वरिष्ठ सदस्य हैं उनके बारे में भगवान से यही प्रार्थना करूंगा कि ये जिस नीति से अब कार्य कर रहे हैं उसी नीति से आगे भी करते रहें और मेरी मंशा भी यही है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं और मैंने अगर कुछ गलत बात कह दी है तो उसके लिए क्षमा मांगता हूं तथा मेरे विपक्ष के भाईयों को अगर मेरी कोई बात चुभ गई हो तो उसके लिए भी मैं इनसे क्षमा मांगता हूं। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के राज्यपाल महोदय ने सदन में कल जो अभिभाषण पढ़ा मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, 6 महीने पहले भी चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्य मंत्री रह चुके हैं और हरियाणा की जनता ने इसी उम्मीद के साथ चौटाला साहब को जनादेश दिया है कि वे हरियाणा की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे तथा कोई अच्छा कार्यक्रम लेकर आयेंगे। लेकिन इस अभिभाषण को पढ़ने से पता चलता है कि इसमें वही कार्यक्रम शामिल किये गये हैं जो पिछली सरकार ने किये थे। चौधरी बंसी लाल जी ने अभिभाषण पर बोलते हुए यह बात कही थी और सही कही थी। स्पीकर सर, अच्छा तो यह होता कि विपक्ष के कुछ साथियों को साथ लेकर और अपनी पार्टी के सभी साथियों को साथ लेकर मुख्य मंत्री महोदय इस बारे में सभी से विचारविमर्श करते कि वे हरियाणा में क्या करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, जो हरियाणा के अधिकारी हैं वे बहुत ही सक्षम हैं, बहुत योग्य हैं उनसे भी सही तरीके से बैठ करके हरियाणा की समस्याओं के बारे में मुख्य मंत्री महोदय को चिंतन करना चाहिए था। आज समस्या इस बात की नहीं है कि घोषणाओं का अंबार लगाया जाये, बहुत ऊंचे-ऊंचे ख्वाब हरियाणा की जनता को दिखाये जायें। जरूरत इस बात की है कि हरियाणा की जो गहन समस्याएं हैं उनके बारे में सभी से विचार विमर्श कर उनका समाधान करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चाहे काम कुछ कम हो लेकिन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेना चाहिए और वे दूर की जानी चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कृषि के बारे में चर्चा की गई है। इस बारे में जो वरिष्ठ मंत्री सदन में बैठे हैं, पार्टी के सदस्य बैठे हैं उनसे मैं निवेदन करना चाहूंगा कि पिछले 8-10 सालों से हरियाणा प्रदेश में कृषि का उत्पादन नहीं बढ़ा है वे इस ओर ध्यान दें। यह कितने शर्म की बात है कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य होते हुए भी यहां पिछले 8-10 सालों से कृषि का उत्पादन वहीं का वहीं है। अध्यक्ष महोदय, आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि किसानों के बेटे

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

अपने आपको किसान कहने में शर्माते हैं। आज किसानों के लड़के गांवों में रहकर खेती करना नहीं चाहते। खुद को किसानों की हितैषी कहने वाली सरकार ने इन युवकों के लिए ऐसा कुछ नहीं किया कि वे अपने आपको किसान का बेटा कह सकें और गांवों में रहकर खेती कर सकें। अध्यक्ष महोदय, हमारे कई वरिष्ठ अधिकारी और राजनेता विदेशों में कृषि की अच्छी-अच्छी किस्म देखने के लिए गये हैं लेकिन फिर भी उन्होंने इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया। अध्यक्ष महोदय, हालैंड एक छोटा सा देश है। उसने कृषि उत्पादन में बहुत नाम कमाया है। हालैंड के लोगों के पास न तो पानी है और न ही उनके पास अधिक जमीन है। उसके बावजूद भी वे दुनियां के सामने एक उदाहरण के तौर पर आगे खड़े हुए हैं और तरह-तरह की सब्जियों, फूलों और कृषि का उत्पादन करते हैं। यह दुनिया के सामने अपने आप में एक मिसाल है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि हमारे यहां के किसानों को वहां पर ले जाया जाये, उनके बच्चों को वहां पर ले जाया जाये और उन्हें वहां से कुछ सीखने का अवसर दिया जाना चाहिये। चाहे सरकार इस बात का जिक्र अपने अभिभाषण में न कर पाई हो लेकिन वहां ले जाकर उन्हें उन्नत किस्म की जो खेती होती है दिखानी चाहिए तभी इस हरियाणा प्रदेश के किसानों का और देश का भला हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैंने पिछले सदन में भी यही बात कही थी कि जब तक कृषि पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा तब तक इस प्रदेश के अन्दर किसानों का भला नहीं हो सकता है और न ही हरियाणा के नौजवानों का भला हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि दिल्ली के चारों तरफ हरियाणा प्रदेश के जो जिले लगते हैं यदि कृषि पर आधारित उद्योगों को वहां लगाया जाए तो हरियाणा प्रदेश के हमारे किसानों के बच्चों का भविष्य बहुत अच्छा हो सकता है। वहां पर फूलों की और सब्जियों की खेती-बाड़ी को प्राथमिकता दी जाए तो मेरा विश्वास है कि जो बेकारी के नाम पर हमारे नौजवान भटक रहे हैं, कम से कम उन 5-6 जिलों के नौजवानों को तो काम मिल जाएगा। इसका श्रेय हरियाणा सरकार को ही मिलेगा। लेकिन इस अभिभाषण में कृषि पर आधारित उद्योगों के बारे कोई चर्चा नहीं की गई है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हरियाणा में पिछली सरकारों ने विपणन की एक बहुत बड़ी परियोजना राई के पास लगाने के लिये तैयार की थी अगर वह परियोजना सफल हो जाती है और आधुनिक किस्म की बहुत बड़ी मण्डी वहां बन जाती है तो हरियाणा के नौजवानों और किसानों का इससे बड़ा भला कोई और नहीं हो सकता है। इस मण्डी को स्थापित करने के लिये सरकार ने राई के पास जमीन भी एक्वायर की हुई है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के नौजवान फल उगाना चाहते हैं, हरियाणा के किसान अपने खेत में सब्जियां उगाना चाहते हैं, वे फूलों का व्यापार करना चाहते हैं लेकिन दिल्ली के अन्दर उनको अपना उत्पाद रखने के लिये जगह नहीं मिलती है। इसलिये जब तक सरकार की तरफ से उनकी फसल को खरीदने के लिये पहल नहीं होती तब तक उन किसानों में इस तरह की फसलों को उगाने की हिम्मत नहीं होगी। मैं आपके माध्यम से सरकार के मंत्रियों और विशेषकर कृषि मंत्री श्री जे०एस० सन्धु से अनुरोध करूंगा कि वे इस प्रोजैक्ट पर ध्यान दें। इसके अलावा मैं चौधरी सम्पत सिंह जी से भी अनुरोध करूंगा कि उन्हें चाहे हरियाणा की कोई भी ग्रान्ट बन्द करनी पड़े और कोई पैसा कहीं से कहीं ले जाना पड़े लेकिन राई के इस प्रोजैक्ट के लिये मेहरबानी करके ज्यादा से ज्यादा पैसे का प्रावधान करें जिससे कि इस मण्डी का निर्माण हो और हरियाणा के किसानों का भला हो सके तथा वे अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त कर सकें। हरियाणा के लोगों की यह बहुत बड़ी सेवा होगी।

श्री पूर्ण सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से श्री कर्ण

सिंह दलाल से यह जानना चाहता हूं कि तीन साल तक ये कृषि मंत्री रहे तो इन्होंने इस प्रोजैक्ट के ऊपर क्या काम किया ?

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अपनी बात पूरी करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी पूर्ण सिंह जी ने जो बात कही है वह ठीक कही है लेकिन जब ये मंत्री बनेंगे तो इनको मंत्री की हैसियत का पता चलेगा। यह तो हरियाणा की बदकिस्मती है कि हरियाणा के अन्दर अगर कोई मंत्री अपने तरीके से चलना चाहता है तो उसके 'पर' कतर दिये जाते हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : 'पर' कतरना तो एक ओफैंस है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो काम हम नहीं कर पाये, वह काम ये लोग कर दें और इस बात का श्रेय भी ले लें। लेकिन एक बात पक्की है कि राई की इस परियोजना से हरियाणा का भला अवश्य हो जाएगा। इन्होंने विपणन बोर्ड को कृषि के साथ जोड़कर बहुत अच्छा काम किया है। इसके लिये मैं सरकार को मुबारकबाद देता हूं। वास्तव में विपणन बोर्ड को कृषि के साथ ही होना चाहिए जो कि बहुत ही अच्छी बात है। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश इस देश के लिए एक मिसाल कायम करता आया है। आज देश और प्रदेश के अन्दर सबसे बड़ी ज्वलन्त समस्या बढ़ती हुई आबादी है। आप आज हरियाणा के किसी शहर को देख लें, उन शहरों की गलियों में बड़ी भारी भीड़ रहती है, उनमें से निकलना दूभर होता है। हमारे प्रदेश के अन्दर दूसरे प्रदेशों के लोग आ रहे हैं जिस कारण हमारे शहरों में भीड़ अधिक बढ़ रही है। हमें इस बात पर चिन्तन करना चाहिए कि दूसरे प्रदेशों के लोग हमारे यहां पर अधिक मात्रा में न आएं। मैं उम्मीद करता हूं कि सरकार राज्यपाल के अभिभाषण पर जो चर्चा चल रही है उसका जवाब देते समय इस तरफ भी ध्यान देगी। स्पीकर साहब, यदि बढ़ती हुई जनसंख्या को रोका नहीं गया तो यह देश और प्रदेश के लिए एक बड़ी भारी भयंकर समस्या का रूप धारण कर लेगी। अध्यक्ष महोदय, शहरों की सफाई के बारे में मैंने एक अखबार में चाईना के बारे में एक लेख पढ़ा था। उस लेख में लिखा था कि चाईना ने बढ़ती हुई आबादी पर तो रोक लगाई ही साथ ही साथ देश के उत्पादन को पहले से अधिक बढ़ा दिया। उस लेख में यह भी लिखा था कि चाईना के अन्दर गांव में रहने वाले जो व्यक्ति हैं वह शहर में आकर नहीं रह सकते। चाईना में देहात से आकर शहर में बसने पर पूर्ण रूप से रोक लगी हुई है। यदि किसी ने शहर में आकर रहना है तो उसे पहले सरकार की इजाजत लेनी होती है। सरकार की इजाजत मिलने पर ही वह शहर में मकान आदि बना सकता है जबकि हमारे यहां पर इसके विपरीत है। हमारे यहां पर एक धारणा बन चुकी है कि गांव का हर व्यक्ति शहर में जमीन या प्लाट लेकर उस पर मकान बनाना चाहता है। आज के दिन हमारे शहरों का स्वरूप बहुत बदल चुका है और बदल रहा है। हमारे यहां पर प्रोपर्टीज डीलर्ज अन-अथोराइज्ड नई-नई कालोनीज काट रहे हैं जिसके कारण शहरों की बहुत बुरी हालत होती जा रही है इसीलिए शहरों का स्वरूप भी बदल रहा है। मैं सरकार से जानना चाहूंगा कि ऐसा कब तक चलता रहेगा ? आखिर इस विषय पर कोई सरकार कब चिन्तन करेगी ? हमारी कोई सरकार इस विषय में कोई कायदे-कानून क्यों नहीं बना पा रही ? स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि अन-अथोराइज्ड कालोनीज के बढ़ने पर रोक लगाई जाये।

स्पीकर साहब, मैं एक बात और सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा। आज हमारे गांवों के लोगों के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। आज हम सभी जानते हैं कि गांवों के अन्दर हमारी जो माताएं, बहनें या जो औरतें हैं उनको शौच के लिए भी बहुत दूर तक जाना पड़ रहा है। आज गांवों में

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

नजदीक ऐसी कोई जगह नहीं है जहां पर हमारी माताएं-बहनें शौच आदि के लिए जा सकें। खासकर हमारे हरिजन भाई या बैकवर्ड भाई हैं उनको तो बहुत ही अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हमारे साथी यहां पर कह रहे थे कि हम तो गांव में रहने वाले लोगों के हिमायती हैं। यदि हम वाकई गांवों में रहने वाले लोगों के हिमायती हैं तो हमें उनकी सभी समस्याओं की तरफ गम्भीरता से विचार करते हुए उनकी समस्याओं का हल करना चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। स्पीकर साहब, मेरा आपके माध्यम से मौजूदा सरकार से अनुरोध है कि इस दिशा में सरकार अवश्य पग उठाये।

स्पीकर महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। आज हमारे प्रदेश में शिक्षा का स्तर बहुत गिर गया है। शिक्षा के गिरते हुए स्तर पर हमें चिन्तन करना चाहिए। आज मैं अखबार में पढ़ रहा था कि स्कूलों और कालेजों में जब परीक्षाएं होती हैं तो बच्चों के अभिभावक नकल करवाने के लिए स्कूलों और कालेजों के बाहर निकल पड़ते हैं। यह एक गलत परम्परा पड़ रही है। सरकार को गम्भीरता से इस पर विचार करना चाहिए कि पेपरों में किसी प्रकार की कोई नकल न हो पाये। अगर हमने नकल की प्रवृत्ति पर रोक नहीं लगाई तो एक दिन हमें बहुत ही बड़ी समस्या का सामना करना पड़ेगा। सरकार की जो बेरोजगारों को रोजगार देने की बात है वह भी पूरी नहीं हो पाएगी। नकल अधिक होने से बेरोजगारी की समस्या भी दिन-प्रति-दिन बढ़ती चली जाएगी। इसलिए मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि सरकार को इस पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। शिक्षा के बारे में मैं एक दिन केवल राज्य के बारे में पढ़ रहा था। पढ़ने पर मालूम हुआ कि वहां पर बहुत से स्कूल तो ऐसे हैं जहां पर अध्यापक अधिक हैं और बच्चे कम हैं। हमारे हरियाणा को आप लीजिए, हमारे हरियाणा के अन्दर जहां गांवों के अन्दर स्कूल हैं वहां पर स्टाफ पूरा नहीं है। कहीं पर अध्यापक नहीं है और कहीं पर अध्यापक हैं तो वहां पर हैडमास्टर नहीं है, इस बारे में विचार और चिन्ता करने की बात है। अध्यक्ष महोदय, जब तक जॉब ओरिऐंटिड शिक्षा को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा तब तक हरियाणा के अन्दर हम तरक्की नहीं कर सकते हैं। आज जरूरत इस बात की है कि हरियाणा के नौजवान को इस प्रकार की शिक्षा उपलब्ध करवाई जाए कि शिक्षा पूर्ण करने के साथ ही उसको काम मिल जाए। आज लाखों नौजवान बी०ए० और एम०ए० की शिक्षा प्राप्त किए हुए बेकार घूम रहे हैं और राजनीतिज्ञों के पीछे नौकरियों के लिए जिन्दाबाद मुर्दाबाद करते घूम रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा का नौजवान बहुत ही काबिल है और यदि उसको सही अवसर मिले तो वह बहुत ही तरक्की कर सकता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस बारे में सरकार को कोई न कोई पहल करनी चाहिए। इसके साथ ही मैं सड़कों के बारे में भी जिक्र करना चाहूंगा। सड़कों के बारे में कई सदस्यों ने बोलते हुए कई सुझाव भी दिए हैं। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि मैं इस विभाग का मन्त्री भी रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि सड़कें बनाने वाले जो ऑफिसर्ज़ हैं उन सड़कों को मेनटेन करने की ज़िम्मेदारी भी उनकी निश्चित् की जानी चाहिए। जिस अफसर की निगरानी में कोई सड़क बनी है उस को वहीं पर एक निश्चित् समय के लिए रखा जाना चाहिए और अगर वह सड़क टूटती है तो उसकी रिपेयर की जिम्मेदारी उसी पर डाली जानी चाहिए क्योंकि वह अफसर ही इस बात को बेहतर समझ सकता है कि वह सड़क किस कारण से समय से पहले टूटी है। अगर सड़क पर पानी रूकता है तो उस पानी की निकासी के लिए सीमैंट की नाली बनाई जानी चाहिए। अगर सरकार इस प्रकार के कदम उठाएगी तो निश्चित् रूप से लोगों को सुविधा मिलेगी वरना तो जैसे काम अब चल रहा है वैसे ही चलता रहेगा। स्पीकर सर, सारे हरियाणा में सड़कों का काम चल रहा है और सड़कों पर काम चलता वाकई ही नज़र आता है। इन सड़कों के लिए पी०आर०आई० का पैसा सारे कायदे कानूनों को ताक पर रख कर दे दिया

गया है। पी०आर०आई० का पैसा पंचायती इंस्टीच्यूट्स के लिये आता है लेकिन उस पैसे को सरकार ने पी०डब्ल्यू०डी० को दे दिया है जिसके कारण गांवों के विकास कार्य रुक से गए हैं।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। दलाल साहब यह कह रहे हैं कि गांवों का पैसा सड़कों के लिए दे दिया गया है मैं इनसे एक बात जानना चाहता हूं कि गांवों के अन्दर विकास कार्यों पर जो पैसा लग रहा है वह कहां से आ रहा है ? हर गांव में क्रिऐटिव वर्क्स हो रहे हैं, गलियां पक्की हो रही हैं, हैल्थ सैंटर और वैटरनरी सैंटर खुल रहे हैं तथा और विकास कार्य जो हो रहे हैं उसके लिए पैसा कहां से आ रहा है ? विकास कार्य किस गांव में रुके हुए हैं दलाल साहब यह बता दें?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि पी०आर०आई० का पैसा पंचायतों को दिया जाना होता है। गांवों के सरपंचों और पंचों से डी०सीज़० ने जबरदस्ती रैजोल्यूशन्ज़ करवा कर उस पैसे को सड़कों पर लगवाया है। अगर मैं गलत कह रहा हूं तो आप इसकी जांच हाउस की कोई कमेटी बना कर करवा लें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं। शहरों में से रेलवे लाईन्ज़ गुजरती हैं और वहां पर फाटक बने हुए हैं। अगर फाटक 15 मिनट के लिए बन्द हो जाए तो दो-दो या तीन-तीन किलोमीटर लम्बी लाईनें गाड़ियों की लग जाती हैं इसलिए इन फाटकों पर पुल बनने चाहिएं। इसमें सरकार का कोई पैसा नहीं लगेगा। इस बारे में सरकार को कोई चिन्ता नहीं है क्योंकि अभिभाषण में इस बारे में कोई ज़िक्र नहीं किया गया है। इस बारे में डी०ओ०टी० से यह काम सरकार करवाए। हरियाणा के बड़े शहरों में जहां पर भी रेलवे फाटक हैं, वहां पर पुल बनने चाहिएं ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद और गुड़गांव शहरों की भी प्रॉब्लम है। आज गुड़गांव और फरीदाबाद न केवल हरियाणा में बल्कि पूरे हिन्दुस्तान में औद्योगिक नगर माने जाते हैं और इन नगरों में दाखिल होने का साधन सड़कें हैं जो कि ठीक नहीं हैं इसके कारण ये नगर औद्योगिक रूप से पिछड़ते जा रहे हैं। फरीदाबाद महरौली हाईवे को सुधारने की आवश्यकता है। इसी तरह से इस हाईवे के साथ लगते गांवों में डेयरी डिवैल्पमैंट को बढ़ावा दिया जा सकता है इसलिए गवर्नमैंट ऑफ इण्डिया से ऐसी कोई पॉलिसी बनवाएं क्योंकि देसी घी और पाऊडर मिल्क सब बाहर से आ रहा है जिस के कारण डेयरी डिवैल्पमैंट पर इस देश में उल्टा असर पड़ रहा है। मैं तो आपके माध्यम से चौधरी सम्पत सिंह जी से अनुरोध करूंगा कि आप इस बारे में हरियाणा के विधान सभा से एक प्रस्ताव पारित करें और अगर भारत सरकार की गलत नीतियों की वजह से हरियाणा के किसानों का, नौजवानों का नुक्सान हो रहा है तो उनको बताएं। डेयरी डिवैल्पमैन्ट का कार्य पिछड़ रहा है, इसके लिए भी कोई प्रावधान करना चाहिये। आज जो दूध का पाऊडर और घी डेनमार्क और आस्ट्रेलिया से मंगवा रहे हैं उससे अच्छा घी और दूध पाऊडर हमारे हरियाणा में मिल सकता है। इसके लिए भी आपको कुछ न कुछ करना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, बेरोजगारी की समस्या के बारे में मैं एक सुझाव देना चाहता हूँ। उसके लिए हरियाणा में एक कारपोरेशन फ्लोट कर दी जाए। यह कारपोरेशन पूरे देश के लोगों को ही नहीं पूरे विदेश के लोगों को आश्वासन दे कि हम हरियाणा के बेरोजगार बच्चों को इस कारपोरेशन में भर्ती करेंगे। स्पीकर साहब, आज प्राईवेट सिक्योरिटी फोर्सिज वाले बेरोजगार बच्चों को रोजगार दे रहे हैं। यह काम भी सरकार कारपोरेशन के माध्यम से कर सकती है। मैं इस बात का विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि अगर इस कारपोरेशन को फ्लोट किया गया तो हरियाणा बेरोजगार बच्चों को भर्ती करके देश में एक अच्छा काम कर सकता है। आज लोगों को प्राईवेट सिक्योरिटी चाहिए और अगर आप वह देने का काम करेंगे तो मुझे विश्वास है कि पूरे हिन्दुस्तान के लोग आपके इस प्रयास की सराहना करेंगे।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने एक प्वायंट रेज किया है मैं इनको और सारे हाउस को इससे थोड़ा सा आगे बढ़कर बताना चाहता हूँ कि जैसे आल इण्डिया लैवल पर इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्सिस बनी हुई हैं, हरियाणा सरकार भी इस बारे में सोच रही है कि इसी लैवल पर हम भी कोई इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स बनाएं। इस पर विचार चल रहा है ताकि हमारे जो बेरोजगार बच्चे हैं उन को इसमें रोजगार मिल सके। जैसे इण्डस्ट्रियल हाउस, बैंक, फाईनैंशियल इन्स्टीच्यूशन और भी दूसरी संस्थाएं हैं वे सब उस फोर्स को ले सकें और उनको पैसा दें। यह मामला गवर्नमैंट की कंसीड्रेशन में है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, यह मामला गवर्नमैंट के अन्डर कंसीड्रेशन है तो इसकी चर्चा राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में करनी चाहिए थी। जिससे यहां पर जो पत्रकार बैठे हैं और हरियाणा के लोगों को पता चलता कि हरियाणा सरकार इतना अच्छा कार्य करने जा रही है। सर, जैसा कि सम्पत सिंह जी ने बताया है अगर यह सब है तो बहुत ही अच्छी बात है और इनको ऐसा ही कुछ करना चाहिए। स्पीकर साहब, दलितों की भलाई के लिए सरकार ने चाहे कन्यादान के नाम पर 5100/- रुपये की घोषणा की, चाहे दूसरी रियायतों की घोषणा की। लेकिन मेरा मानना है और जैसा कि भाई धर्मबीर ने, कृष्ण पाल जी ने और कई हमारे साथियों ने सही मुद्दा उठाया है कि बिलो पावर्टी लाईन का सर्वे पूरे हरियाणा में दोबारा से होना चाहिए। जो लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं उनका नाम गरीबी रेखा से ऊपर और जो लोग गरीबी रेखा से ऊपर हैं उनका नाम गरीबी रेखा से नीचे दिखाया गया है। स्पीकर सर, यह बहुत ही जरूरी काम है। अगर दलित समाज और गरीब लोगों की भलाई करनी है तो हमें बिलो पावर्टी लाईन का सर्वे दोबारा से करवाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हरिजन बस्तियों में कॉमन लैट्रिन चाहिए। चाहे वह शहर हो या गांव हो यह हर जगह अवश्य बनानी चाहिए। इस बारे में कानून बना देना चाहिए। जो हरिजन बहनों, बेटियों पर जो जुर्म, अत्याचार होते हैं उसका यही कारण है। उनके पास लैट्रिन जाने की जगह नहीं है और अध्यक्ष महोदय, सरकार से मैं अनुरोध करूंगा कि अगर आप दलितों की भलाई चाहते हैं तो भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अम्बेदकर के नाम पर किसी विश्व विद्यालय का नाम रख देना चाहिए। अगर आप कोई नया विश्व विद्यालय हरियाणा में बनाते हैं तो उसका नाम इनके नाम से होना चाहिए।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ० एम०एल०रंगा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि पिछले 6 महीने के दौरान केन्द्र सरकार से डॉक्टर बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर का स्टडी सैन्टर कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय में स्थापित है। जो हिन्दुस्तान के चार स्टडी सैन्टर में पहला है। इसी प्रकार से गुरू रविदास चेयर की स्थापना कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय में जनवरी, 2000 में इसी सरकार के शासनकाल में हुई है। कुरुक्षेत्र विश्व विद्यालय पहला विश्वविद्यालय है जहां पर यह स्थापना हुई है। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, रंगा साहब ने जो बात कही है उसको मैं भी जानता हूँ । लेकिन उनको सही सम्मान तभी मिलेगा जब आप किसी विश्वविद्यालय का नाम बाबा साहब अम्बेडकर के नाम पर रखेंगे। किसी कुर्सी का नाम उनके नाम पर रखना या किसी पीठ का नाम उनके नाम पर रखने से इतने बड़े महापुरुष को सम्मान नहीं मिलता।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, नाम रखने से कुछ नहीं होता जैसे रंगा साहब ने बताया कि कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी में उनके नाम पर रिसर्च सैंटर है। सर, ये वी०सी० रहे हैं और ताजा-ताजा इस्तीफा देकर विधानसभा में पहुंचे हैं इसलिए दलाल साहब आपको मालूम होना चाहिए कि नाम से ही बात नहीं

बनती। जब तक उनके नाम से स्टडी सैंटर नहीं होगा कोई रिसर्च वर्क नहीं होगा तो आगे कैसे काम करेंगे। फिर भी हम आगे इस बात का ध्यान रखेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : क्या आप ऐश्योर करते हैं कि आगे से उनके नाम पर किसी विश्वविद्यालय का नाम होगा ?

श्री सम्फल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस सरकार की नीति है कि जो भी नये इंस्टीच्यूशंज बनते हैं चाहे यूनिवर्सिटी हो या चाहे कालेज हो, उनके नाम हमारे जितने भी महापुरुष हुए हैं उनके नाम पर ही रखे गये हैं चाहे वे किसी भी जाति विशेष के हों या फिर शहीदों के नाम पर इनके नाम रखे गये हैं। आगे भी सरकार की यही कोशिश रहेगी कि ऐसे नये इंस्टीच्यूशंज के नाम महापुरुषों के नाम पर ही रखे जाएं। ताकि उनमें पढ़ने वाले बच्चे या उनमें ट्रेनिंग लेने वाले बच्चे इन महापुरुषों से प्रेरणा ले सकें। अध्यक्ष महोदय, यह बाकायदा हमारी कोशिश रहेगी।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। दलाल साहब हमारे साथी हैं मेरे से उम्र में भी छोटे हैं और हमारे इलाके से भी संबंध रखते हैं। जहां तक सभी महापुरुषों के नाम पर विश्वविद्यालय के नाम रखने की बात है, मैं उनको बताना चाहूंगा कि आगरा विश्वविद्यालय का नाम भी बाबा साहब अम्बेडकर के नाम पर रखा गया है इसी तरह से चौधरी चरण सिंह के नाम से यहां पर यूनिवर्सिटी है और गुरू जम्भेश्वर के नाम से भी यूनिवर्सिटी का नाम रखा गया है। अभी-अभी मैंने चौधरी देवी लाल जी का नाम भी इसी तरह से जानबूझकर लिया था कि वे एक स्वतंत्रता सेनानी हैं और भारत के उप-प्रधानमंत्री के पद पर भी रहे हैं। मैं दलाल साहब से उम्मीद करूंगा कि ये मेरी उस बात का भी अवश्य समर्थन करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जिन्होंने इस देश के संविधान का निर्माण किया और जिनका नाम पूरी दुनिया के लोग जानते हैं यदि उनके नाम से हरियाणा प्रदेश में किसी विश्वविद्यालय का नाम रखा जाएगा तो यह बहुत अच्छी बात होगी। अगर आप अब नहीं रख सकते तो जब आप कोई नयी यूनिवर्सिटी बनाएं तब आप उनके नाम पर उसका नाम रख देना। अध्यक्ष महोदय, मैं दलितों की बात कर रहा था। खेलों के बारे में कह रहा था। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश वह प्रदेश है जहां पर गांवों में नौजवानों की प्रतिभा छिपी हुई है। अगर यह सरकार गांवों के नौजवानों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करे तो मेरा विश्वास है कि हमारा नौजवान पूरी दुनिया में अपने देश का नाम रोशन कर सकता है। इसलिए सरकार को इस तरफ पूरा ध्यान देना चाहिए। राज्यपाल के अभिभाषण में तो इस बात का जिक्र नहीं है कि हरियाणा प्रदेश के अन्दर जहां नौजवानों की इतनी बड़ी ताकत रहती है उनको किस तरह से खेलों में प्रोत्साहित करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जब मैं खेल मंत्री था तो उस समय मात्र 12 लाख रुपये का बजट था जिसको हमने बढ़ाकर एक करोड़ रुपये का किया था। हरियाणा में प्रतिभाओं की कमी नहीं है इसलिए मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि खेलों के मामले में सरकार गांवों में रहने वाले बच्चों को प्रोत्साहन दें। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री रामपाल माजरा पदासीन हुए)** इसी तरह से बाढ़ मुक्ति के लिए भी मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह हर डी.सी. से कहें कि वे हर जिले के विधायक से पूछे कि आपके यहां बाढ़ की क्या समस्या है ? मैंने बाढ़ मुक्ति के लिए अरबों रुपये खर्च होते देखे हैं लेकिन बाढ़ की समस्या वहीं की वहीं रहती है इसका कारण मैं यह मानता हूँ कि बाढ़ आने के सही ठिकानों का पता नहीं है इसलिए मेरा अनुरोध है कि जब तक जन-प्रतिनिधियों को इस मामले में शामिल नहीं किया जाएगा तब तक हरियाणा को बाढ़ मुक्त प्रदेश नहीं बनाया जा सकता। अकेला

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

डी०सी० इस काम को नहीं कर सकता। आपको विधायकों को शामिल करना चाहिए। गांव के सरपंचों को शामिल करना चाहिए।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : दलाल साहब, सारी अच्छी सलाहें आपको अब याद आई हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सभापति महोदय, अब मैं बिजली के बारे में कहना चाहूंगा। बिजली के बारे में आज के इंडियन एक्सप्रैस में ऐडीटोरियल आया है कल भी बहुत बड़ा अखबारों में छपा था कि वर्ल्ड बैंक ने हरियाणा की बिजली परियोजनाओं के लिए कर्ज देना सस्पैंड कर दिया है और हरियाणा के चीफ सैक्रेटरी को सख्त चिट्ठी लिखी है। अध्यक्ष महोदय, इस बात से हरियाणा के लोग बहुत चिंतित हुए हैं। चौधरी बंसी लाल जी का चाहे मैं और बातों में समर्थन न करूं लेकिन बिजली का काम उन्होंने बहुत अच्छा किया था और मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जो काम जिस तरह से चला है उसको आगे बढ़ाना चाहिए। वर्ल्ड बैंक के काम में रुकावट नहीं डालनी चाहिये। भारत सरकार ने यह भी कहा है कि जिस तरीके से हरियाणा प्रदेश में बिजली का काम हुआ है उसी तरीके से और प्रदेशों में भी बिजली का काम करो। इसलिए इस बारे में आप विचार करें। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, गांवों में, खेतों में हम देखते हैं कि बिजली के तार नीचे लटकते रहते हैं छतों पर और गलियों में भी तार नीचे लटकते रहते हैं जिससे जान का खतरा बना रहता है। गांवों में व जहां भी इस तरह से तार नीचे लटक रहे हैं उनको खिंचवाने का काम जरूर करवाना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पंजाबी भाषा को हरियाणा में तरजीह दी जानी चाहिए थी जबकि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में इसका कहीं जिक्र ही नहीं है। पंजाबी भाषा आज दुनिया की इतनी क्रांतिकारी भाषा बनती जा रही है संगीत के क्षेत्र में और दुनिया में जो इतने बड़े-बड़े कार्यक्रम होते हैं वह पंजाबी में हो रहे हैं और हरियाणा में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में उसका कोई जिक्र ही नहीं है। इसके बारे में सरकार को कोई न कोई कार्यक्रम रखना चाहिए। बाई.ए.पी. के तहत हमारे पलवल में सीवर का काम चलने का कार्यक्रम चल रहा है। उसका एक भाग मंजूर हुआ था वह भी अभी पूरा होने में नहीं आया है इस बारे में मैं संबंधित मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस कार्य को करवाने के आदेश दें। हमारे मेवात एरिया के बारे में चौधरी भगवान सहाय रावत जी ने भी कहा और मैं भी कहना चाहता हूँ कि हमारे मेवात एरिया में नहर का पानी ले जाना बहुत ही जरूरी है। नहरी पानी के न होने से हमारे यहां बहुत ज्यादा समस्या है। चौधरी बंसी लाल जी ने यह काम भी ठीक करने की कोशिश की थी। यमुना पर बांध बनाकर मेवात में पानी ले जाने की स्कीम बनाई थी। आपसे अनुरोध करूंगा कि यह ज़िला फरीदाबाद की जिंदगी का सवाल है और उनके लिये सबसे बड़ी भलाई का काम यह हो सकता है कि यमुना के ऊपर बांध बनवाकर हमारे इलाके में पानी ले जाएं। (विघ्न) चेयरमैन सर, भाई राम कुमार कटवाल जी पहले भी मेरे साथ विधायक रहे हैं इनकी पार्टी के एक खासियत मुझे लगी कि ये चाहे अपने मां-बाप के पैर न छुएं लेकिन अपनी पार्टी के नेता के पैरों को जरूर हाथ लगाते हैं। इनकी पार्टी के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी बैठे नहीं हैं देखना है कि कहीं वे अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ भी वैसा ही धर्म न निभाएं जैसा उन्होंने अभी पिछले दिनों 17 विधायकों के साथ निभाया था जिनकी वजह से वे मुख्यमंत्री बने। इसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी अपने दम से बड़ी मुश्किल से न जाने कैसे-कैसे बस के इधर-उधर से निकल कर हरियाणा में अपना अस्तित्व बचाने में कामयाब रही। मुझे डर है कि ये हरियाणा की जनता के साथ भी वैसा ही न करें जैसे इन्होंने 17 विधायकों के साथ किया, बी.एस.पी. के साथ किया। इस शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री जय प्रकाश (बरवाला) : सभापति महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को मैंने पूरे तरीके से पढ़ा। इसको देखकर ऐसा आभास होता है कि यह हाउस के लीडर का एक चुनावी भाषण है क्योंकि उसमें सबसे पहला मुद्दा एस.वाई.एल. नहर के पानी लाने का था। एस.वाई.एल. का मुद्दा आज से नहीं पिछले दस वर्ष से नहीं बल्कि लम्बे अर्से से है। 1987 में चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी मैं भी उस वक्त पार्लियामैंट का सदस्य था उस वक्त यह नारा दिया था कि हरियाणा प्रदेश के जवानों तुम मेरा साथ दो मैं तुम्हें एस.वाई.एल. का पानी दूंगा। उस वक्त एस.वाई.एल. मुकम्मल करवाने का काम बी० आर० ओ० के तहत कराने का फैसला लिया गया था। जिस समय श्री चन्द्रशेखर जी की सरकार थी उस समय यह फैसला लिया गया था कि एस.वाई.एल. का कार्य बी० आर० ओ० के माध्यम से किया जाये। परन्तु उस फैसले को बाद में रद्द कर दिया गया। उसके बाद बी० आर० ओ० से एस०वाई०एल० का काम कराने के लिए रिक्वैस्ट की या नहीं यह मुझे नहीं पता। आज हर साथी एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे को अपनी लाईफ-लाइन मानता है। परन्तु जब तक इस मुद्दे को राजनीति से ऊपर उठकर नहीं देखा जाता तब तक यह काम पूरा होना मुश्किल है। क्या इस सरकार ने पिछले सात महीनों में एस०वाई०एल० नहर बनाने के मुद्दे बारे कोई रचनात्मक भूमिका निभाने का काम किया है? सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि सरकार ने एस०वाई०एल० नहर बनाने के लिए अब तक क्या कार्यवाही की है ? जहां तक बरवाला लिंक नहर के पानी के बटवारे का मामला है, यह इलाका नरवाना विधानसभा क्षेत्र से लगता है जहां से इस सदन के नेता प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि 1987 से पहले उस इलाके को नहर का पानी 15 दिन मिलता था उस समय बरवाला लिंक नहर 15 दिन चलती थी और 15 दिन बन्द रहती थी। लेकिन आज वह नहर महीने में एक हफ्ता चलती है और तीन हफ्ते बन्द रहती है। क्या वे इस इलाके के लोगों को उनका पानी का पूरा हिस्सा दिलवाने का काम करेंगे। इसके इलावा जहां तक इस प्रदेश में कानून-व्यवस्था का सवाल है, यह एक अहम मुद्दा है और सबसे ज्यादा चिन्ता का विषय बना हुआ है। वैसे तो हर साथी अपने नेता के लिए सब बातें कहेंगे परन्तु 1967 से आज तक हरियाणा प्रदेश में ऐसी घटना कभी नहीं हुई जैसी आजकल हो रही हैं। रोहतक और हिसार में दो जेलें तोड़ी गई। डकैती की वारदातें दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। आज हरियाणा प्रदेश की हालत ऐसी है कि कोई सम्मानजनक व्यापारी रात को अपना व्यवसाय बन्द करके अपने घर आसानी से नहीं जा सकता। वे भी अपने लिए सिक्योरिटी की मांग करते हैं। आज इस सरकार की हालत यह है कि कल ही अम्बाला में एक व्यापारी रात को अपनी दुकान बंद करके अपने घर जा रहा था कि रास्ते में उसकी लाश मिली। और माननीय साथी कानून-व्यवस्था की स्थिति को बढ़िया मानते हैं। हरियाणा प्रदेश में आज कानून व्यवस्था की स्थिति बिल्कुल चौपट हो गई है। बिल्कुल खराब हो चुकी है। आज यह कह देना कि पहले की सरकार द्वारा शराब बन्दी लागू करने के कारण ऐसी स्थिति हुई। सात महीने से तो इस सरकार का शासन रहा है परन्तु फिर भी जेलें तोड़ी जा रही हैं जो आज से पहले कभी नहीं हुआ। आज की सरकार बदले की भावना से काम कर रही है। एक माननीय साथी जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं उनकी सिक्योरिटी को वापिस ले लिया गया जिनका इस सरकार के साथ टकराव था। सभापति महोदय, हरियाणा प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले कितनी खराब हुई है और इन पिछले सात महीनों में कितनी खराब हुई है सरकार इस बात का जवाब दे ? जेल से भागे हुए कैदियों को सत्ता पक्ष के सदस्यों के घर रहने की अनुमति देते हैं और जनता के विश्वास और पार्टी की बात करते हैं। इस बात के लिए इस सरकार के सदस्य जिम्मेवार हैं।

श्री गोपी चन्द : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, माननीय सदस्य ला एण्ड आर्डर की बात कर रहे हैं और कह रहे हैं कि प्रदेश में ला एण्ड आर्डर की हालत बुरी है। मुझे पूरे हरियाणा प्रदेश के ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में तो पता नहीं लेकिन गुड़गांव के अन्दर आज ला एण्ड आर्डर की स्थिति पहले से बेहतर है। आप चाहे इस बारे में डिबेट करवा लें कि इस सरकार से पहले क्या स्थिति थी और आज की सरकार के समय में वहां पर ला एण्ड आर्डर की क्या स्थिति है ? माननीय सदस्य जेल तोड़ने की बात कर रहे हैं यहां से जबरदस्ती बदमाशों को गाड़ियों से राजस्थान ले जाया गया। चाहे तो इस बारे में ये डिबेट करवा लें या हाउस की एक कमेटी बना दें जो स्टडी करके इस हाउस को अपनी पूरी रिपोर्ट दे। उससे सारा मामला साफ हो जाएगा कि किसके राज में कानून और व्यवस्था की स्थिति ठीक थी और किसके राज में खराब थी।

श्री जय प्रकाश : सभापति महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि 1967 से लेकर आज तक हरियाणा में ऐसी वारदातें पहले कभी नहीं हुई कि कैदी जेल तोड़कर भाग गए हों, यह सब तो इस सरकार के राज में हुआ है कि कैदी जेल तोड़ कर भाग रहे हैं। मैं यह नहीं कहता कि गड़गांव में कभी सुधार नहीं हुआ, हो सकता है कभी कोई अच्छा एस.पी. वहां रहा हो लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि पूरे हरियाणा प्रदेश का सुधार हो, कोई भी कैदी जेल तोड़ कर न भागे, बदमाश किसी को न लूटे, महिलाएं सुरक्षित हों और यह सब करना सरकार की जिम्मेवारी भी बनती है।

श्री राम कुमार कटवाल : सभापति महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। (शोर)

श्री भजन लाल : सभापति महोदय, राम कुमार कटवाल जी अपनी मर्जी से बार-बार खड़े हो जाते हैं इनको आप रोकिये। ये दो बार एम.एल.ए. बनकर आ चुके हैं। प्वायंट ऑफ आर्डर वाली कोई बात होती नहीं और ये बार-बार खड़े हो जाते हैं। यह अच्छा नहीं लगता। (शोर)

श्री जय प्रकाश : सभापति महोदय, मेरी आपसे एक रिकवैस्ट है कि पहले ये अपने मैम्बर्ज को लैसन सिखाएं, उनकी क्लास लगाएं, उनको समझाएं कि हाउस में कैसे बोला जाता है। मेरी आपसे रिकवैस्ट है क्योंकि इस समय आप चेयर पर हैं और चेयरपर्सन की यह जिम्मेवारी बनती है कि ऐसे लोगों को बोलना सिखा दें। जहां तक शहरों के विकास की बात है, मैं बरवाला विधानसभा क्षेत्र से प्रतिनिधित्व करता हूं। यह बात ठीक है कि हाउस के नेता ने कुछ देर पहले यह बात कही थी कि ये हमसे छुपकर आए हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि हम छुपकर नहीं आए बल्कि जीतकर आए हैं और जनता ने हमें जितवाया है। बरवाला में सीवरेज का काम पिछले कई दिनों से पैण्डिंग पड़ा है। महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में लिखा है कि बरवाला के विकास का काम कर रहे हैं। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि बरवाला शहर से ज्यादा विनाश इस प्रदेश में किसी शहर का नहीं है। यहां एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने के लिए 3-3 फुट पानी में से निकलना पड़ता है। सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में लिखा हुआ है कि विकास के काम करेंगे। मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि वास्तव में ही ये सारे काम पूरे होंगे या ऐसे ही लिखा हुआ है। बरवाला में सीवरेज का सिस्टम अधूरे का अधूरा पड़ा हुआ है, वहां किसी प्रकार का कोई काम नहीं हो रहा है। अभी प्रो० सम्पत सिंह जी ने बताया कि मेजर पार्ट को हमने छेड़ा नहीं। सड़कों के जो छोटे-छोटे कार्य थे उनको पूरा कर दिया है।

श्री सम्पत सिंह : सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य की मिसअंडरस्टैण्डिंग को क्लैरीफाई करना चाहता हूं कि मैंने तो यह कहा था कि जो माइनर रिपेयर के काम थे उनको हमने पूरा कर दिया है। मेजर पार्ट में काम चल रहे हैं, हमने उनको छेड़ा जरूर है और उन पर काम चल रहे हैं। जब आप हिसार से

चंडीगढ़ आते जाते रहे हैं तो आपका उकलाना चौक सड़क पर भी काम चल रहा है। नरवाना की सड़क पर भी काम चल रहा है। मेजर वर्क्स के काम अंडर प्रोसैस हैं और वे 30 जून तक सारे पूरे हो जायेंगे। हमने यह नहीं कहा कि मेजर वर्क्स को हमने छेड़ा नहीं उन पर भी तेजी से काम चल रहा है।

17.00 बजे **श्री जय प्रकाश :** सभापति महोदय, मेरा कहने का मतलब यह है कि इन्होंने जो बात बताई है वह नैशनल हाई-वे का मामला है। नैशनल हाई-वे नं० 65 का मामला है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री धीरपाल सिंह : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सभापति महोदय, हमारे वरिष्ठ नेता चौधरी सम्पत सिंह जी ने विस्तार से इस बात का उल्लेख किया है कि वर्तमान सरकार की यह नीति थी कि जो हालत सड़कों की पिछली सरकार छोड़कर गई थी उनको हमारी सरकार दो हिस्सों में रखेगी। एक तो मौसम को देखते हुए, क्योंकि पीछे सर्दी का मौसम था। इसलिए जो छोटे काम थे उनको पहले शुरू किया गया और उसके साथ-साथ जो बड़े काम थे गड्ढे भरने और कारपैट करने का, चाहे वह लिंक रोड हों, चाहे स्टेट हाई-वे हो, चाहे नैशनल-हाई-वे हो उन पर भी काम शुरू कर दिया गया। लेकिन माननीय साथी को यह बात समझ ही नहीं आ रही।

श्री जय प्रकाश : सभापति महोदय, जैसा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लिखा है कि 30 जून तक मौजूदा सरकार सारी सड़कें ठीक करवा देगी। अगर ये ऐसा करने में कामयाब हो जाते हैं तो यह बहुत ही अच्छी बात है। इसके लिए हम इनके बहुत शुक्रगुजार होंगे। सैशन फिर आयेगा तब पता लग जायेगा कि ये कितना काम करवाते हैं और कितना नहीं। (विघ्न) सभापति महोदय, अगर यह सरकार अच्छे काम करेगी तो हम इनकी तारीफ करेंगे और ये कोई गलत काम करेंगे तो हम उसका विरोध करेंगे। सभापति महोदय, जहां तक बाढ़ रहित हरियाणा की बात है इस बारे में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कुछ जगहों का नाम दिया हुआ है कि इन इलाकों को मौजूदा सरकार बाढ़ रहित कर देगी। इन नामों में नरवाना का भी नाम है। मैं नहीं चाहता कि हरियाणा प्रदेश में बाढ़ आये। लेकिन कई बार जब भगवान नाराज हो जाता है तो इंसान कुछ कर नहीं सकता तथा बाढ़ की स्थिति हो जाती है। इसलिए सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से संसदीय कार्य मंत्री चौधरी सम्पत सिंह जी से जानना चाहूंगा कि इनकी सरकार बाढ़ से प्रभावित इलाके, जैसे नरवाना, बरवाला, उचाना, जींद, नारनौंद आदि को बाढ़ से बचाने के लिए आवश्यक कार्य कब तक कर दिये जायेंगे? हो सकता है कि बचाव कार्य कागजों में हो गया हो लेकिन हकीकत में वहां पर कुछ भी नहीं हुआ है। अगर मौजूदा सरकार 3 महीने में वहां पर बाढ़ से बचने के लिए कोई इंतजाम कर दे तो बहुत अच्छा होगा। लोगों की जान बच जायेगी, पशु बच जायेंगे। लेकिन इस सरकार को बने 7 महीने हो गये हैं। इन्होंने ऐसा कोई कार्य नहीं किया कि वे लोग बाढ़ से बच सकें। सभापति महोदय, जहां तक बिजली बोर्ड की बात है यह सरकार जब विपक्ष में थी और चौधरी बंसी लाल जी ने बोर्ड को तोड़कर हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम बनाया था तो ये इसका विरोध करते थे। सभापति महोदय, मैं एक बात कहूंगा कि कोई बात कह देना और उस पर अमल करना दोनों में बहुत बड़ा अन्तर है। ऐसा ही मौजूदा सरकार कर रही है। अब चौटाला साहब की सरकार है और इन्होंने बोर्ड की स्थापना दोबारा नहीं की और उस समय बोर्ड तोड़ने पर ये निगम का विरोध कर रहे थे। सभापति महोदय, मौजूदा सरकार उस समय यह कहती थी कि चौधरी बंसी लाल ने बोर्ड तोड़कर हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम बनाकर बोर्ड को जापान की कंपनी के हाथ बेच दिया है। लेकिन अब इन्होंने उस पर अमल नहीं किया। सभापति महोदय, जो वायदे मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा की जनता से किये थे वे तो इन्हें पूरे करने चाहिएं। क्योंकि मुख्यमंत्री की जुबान से जो शब्द निकलते हैं जनता के

[श्री जय प्रकाश]

लिए वे एक तरह से कानून होता है। जो वायदे मुख्यमंत्री जनता से करता है अगर वे उनको पूरा करेगा तो जनता उनकी बात पर विश्वास करेगी और ऐसा ही विश्वास मौजूदा मुख्यमंत्री महोदय को अपने ऊपर जनता से करवाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब मुख्यमंत्री महोदय अपने वायदे पूरे करेंगे। सभापति महोदय, अब आम चर्चा यह है कि मौजूदा सरकार बिजली बोर्ड नहीं बनायेगी तथा एक और निगम की स्थापना करेगी। क्या इस बारे में सरकार के पास कोई स्पष्टीकरण है ? सभापति महोदय, बेरोजगारी के बारे में मेरे से पहले 2-3 साथियों ने बहुत अच्छा मुद्दा उठाया है। क्योंकि आज हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी का बहुत बड़ा आलम है। इसके लिए मैं किसी एक सरकार को दोषी नहीं ठहराता। इसके लिए मैं हर उस पोलिटीशियन को दोषी ठहराता हूँ जो देश की, प्रदेश की और इलाके की राजनीति कर रहे हैं। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय को यह जरूर कहना चाहूंगा कि जो अभिभाषण राज्यपाल महोदय ने पढ़ा है उसमें कहीं पर भी यह नहीं लिखा है कि आने वाले साल में कितने बेरोजगारों को रोज़गार दिया जायेगा। सभापति महोदय, रोजगार देना तो दूर रहा, हमें खेद इस बात का है कि पहले वाली सरकार ने लगभग 1500 पटवारी और 1500 के करीब ग्राम सचिवों को नौकरी दी थी। इन्होंने उनको भी नौकरी नहीं दी और 10,000 के करीब एडहोक टीचर्स को भी नौकरी से निकाल दिया गया। सभापति महोदय, पता नहीं वे अपनी मेहनत से लगे थे या किसी की सिफारिश से, लेकिन उनके साथ ऐसा नहीं करना चाहिए था। सभापति महोदय, हरियाणा प्रदेश बनने के बाद यह पहला मौका है जब किसी नौजवान ने अपने शरीर पर तेल डालकर आग लगा ली हो और इसके लिए सरकार को जिम्मेवार माना गया हो। सरकार 1500 पटवारियों और 1500 ग्राम सचिवों को नौकरी ज्वाइन करवा ले ताकि कम से कम उनकी जीवन लीला समाप्त होने से बच जाए। सभापति महोदय, ये चाहे 3000 कर्मचारी लगायें या 5000 कर्मचारी लगायें उसमें किसी को क्या ऐतराज है। बेरोजगारी को दूर करने की बजाय इन्होंने बेरोजगारी को बढ़ाने का काम किया है।

श्री गोपी चन्द : सभापति महोदय, जय प्रकाश जी आज कर्मचारियों की बात बोल रहे हैं जबकि इनके टाइम में कई-कई साल के लगे हुए मार्किटिंग बोर्ड के कर्मचारियों को धक्के मार कर निकाल दिया गया था और दूसरे ए.एस.आई. तथा कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया था। (शोर) कम से कम आज इनके मुंह से कर्मचारियों के हित की बात तो निकली। (शोर)

श्री जय प्रकाश : सभा पति महोदय, मैं इन साथियों की बात का जवाब तो नहीं देना चाहता था लेकिन मैं आपके माध्यम से इनको कहना चाहूंगा कि वो जो ए.एस.आई. निकले थे वह पहली सरकार का निकम्मापन था, उस वक्त के एस.एस.एस.बोर्ड में कई अनियमितताएं थीं। (शोर)

श्री सभापति : जय प्रकाश जी, कृपया जल्दी वाइंड अप करें।

श्री राम कुमार कटवाल : सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। सभापति महोदय, इन विपक्ष के भाइयों ने नकली सनदों के साथ कितने लोगों को नौकरी लगवाया है और कईयों को इन्होंने निकाला है। (शोर) उन भाइयों को नौकरी से वंचित होना पड़ा। उनके साथ धोखा किया।

श्री सभापति : जय प्रकाश जी, जल्दी वाइंड अप करें।

श्री जय प्रकाश : सभापति जी, आज ये विधायक बन गये हैं इसलिए मैं इनकी इज्जत करता हूँ। (शोर) हरियाणा में कहावत है कि बिटोड़े में से गोसे ही निकलते हैं (शोर) सभापति महोदय, ये जयप्रकाश की बात करते हैं और इन साथियों ने मुझे कहने पर मजबूर कर दिया है कि जय प्रकाश ही

इनकी पार्टी के खिलाफ 1996 में दो लाख वोटों से जीत कर आया था और जय प्रकाश ही इस पार्टी के खिलाफ अब चुनाव जीत कर आया है जबकि इस प्रदेश का मुख्यमंत्री यह कहता था कि चाहे 89 सीटें ये जीत जाएं लेकिन जय प्रकाश को हरा दो। लेकिन बरवाला विधान सभा की जनता ने जय प्रकाश को जिता कर सर्टिफिकेट दिलाया है। मुझे ऐसी पार्टी के लोगों से कोई सर्टिफिकेट नहीं चाहिए जो केवल झूठ का पुलन्दा है। जो भगवान से नहीं डरते और मां-बाप की इज्जत नहीं करते (शोर) बल्कि किसी नेता के चरण स्पर्श करते हों। हम इस बात के खिलाफ हैं और यही मेरा झगड़ा था। (शोर)

श्री सभापति : जय प्रकाश जी, आप बैठिए, आपका समय पूरा हो गया है।

श्री जय प्रकाश : सभापति जी, अब पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की बात आती है। इनका पी.डी.एस. बिल्कुल गलत है।

श्री सभापति : जय प्रकाश जी, आप बैठिए।

श्री जय प्रकाश : सर, जो प्वाइंट ऑफ आर्डर का टाइम इन्होंने ले लिया है इतना टाइम मुझे और दे दीजिए। (शोर)

श्री दरियाव सिंह : सर, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। मैं जय प्रकाश जी को आपके माध्यम से याद कराना चाहूंगा कि अगर इस सदस्य की जीभ निकाल कर देखें तो चौधरी ओम प्रकाश चौटाला और चौधरी देवी लाल जी के जूतों के निशान पाएंगे। (हंसी) (शोर)

श्री जय प्रकाश : सभापति जी, मैं इनकी बात का जवाब तो देना चाहूंगा। (शोर) ये लोग सदन के नेता से पूछें कि इन लोगों को जिताने में जय प्रकाश का ही योगदान रहा है। इनका नेता तो दिल्ली छोड़कर चौटाला चला गया था। (शोर) जय प्रकाश जैसे हजारों नौजवान साथियों की वजह से ही चौधरी देवी लाल देश के उप-प्रधानमंत्री बने थे। जय प्रकाश किसी की वजह से नहीं बना। (शोर) जय प्रकाश तो दो बार इस परिवार के खिलाफ जीत कर आया है और राम कुमार की तो जमानत भी जब्त हो गई थी। (शोर) आज ये क्या जय प्रकाश की बात करते हैं। जय प्रकाश कभी दबने वाला नहीं है।

श्री बलबीर (महम) : ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, हमारे यहां पर एक बहुत ही अच्छी परम्परा रही है कि छोटा आदमी अपने से बड़े आदमी के पैर छूता रहा है, जो अच्छी बात है। भाई जय प्रकाश जी तो उल्टे छोटे आदमियों के पैर पकड़ कर उस वक्त एम.पी. बना था। (शोर एवं विघ्न)

श्री जय प्रकाश : सभापति, आप मेरी बात भी तो सुनिए। (शोर एवं विघ्न)

श्री सभापति : जय प्रकाश जी आपका समय हो गया है। अब आप बैठ जाएं।

श्री जय प्रकाश : आप मेरी बात तो सुनिए। (शोर एवं विघ्न)

श्री सभापति : आपका समय हो गया है, आप बैठ जाएं।

श्री जय प्रकाश : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये।

* * * * * * (शोर एवं विघ्न)

श्री सभापति : जय प्रकाश जी जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भजन लाल : ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। सभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरा सभी सम्मानित सदस्यों से निवेदन है कि वे एक दूसरे पर एलीगेशन व काऊंटर एलीगेशन न लगाएं। एलीगेशन लगाना शोभा नहीं देता। मेरा सभी से निवेदन है कि वे यहां पर बेकार की बहस में न पड़ कर स्टेट का विकास कैसे हो, इस बारे बात कहें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। सभी सदस्यों को अपने हल्के से संबंधित बातें करनी चाहिएं। मेरा यह निवेदन दोनों तरफ के सदस्यों से है।

श्री बंता राम (रादौर, अनुसूचित जाति) : सभापति महोदय, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त करना चाहता हूँ। गवर्नर महोदय, ने अपने अभिभाषण में हमारी सरकार का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये)

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी श्री बन्ता राम जी ने केवल इतना ही कहा है कि मैं गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार रखना चाहूंगा। इस बारे में मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा कि क्या ऐसे बीच में ही जब तक मैम्बर अपने विचार व्यक्त न करे कोई सदस्य प्वायंट ऑफ आर्डर पर खड़ा होकर उसे बीच में इन्ट्रप्ट कर सकता है ? अभी श्री बन्ता राम जी ने बोलना ही शुरू किया कि भाई कर्ण सिंह जी बीच में खड़े हो गए। मैं जानना चाहूंगा कि क्या यह प्वायंट ऑफ आर्डर बनता है ? मेरे हिसाब से प्वायंट ऑफ आर्डर तब तक नहीं बनता जब तक कोई मैम्बर किसी मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त न कर ले। मेरा आपसे निवेदन है कि आप इनको बीच में इन्ट्रप्ट करने की इजाजत न दें। (शोर एवं विघ्न)

श्री बन्ता राम : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक विनती करना चाहता हूँ इसलिए आप मेरी बात सुनिये। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपको बोलने के लिए पूरा समय दिया जा चुका है इसलिए आप अभी बैठें। बन्ता राम जी, आप अपनी बात शुरू करें । (विघ्न)

श्री बंता राम : अध्यक्ष महोदय, मैं 5-7 मिनट का समय ही लूंगा और सच्चाई से ही अपनी बात कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, हमें इस बात से अन्दाजा हुआ कि विपक्ष के नेता बड़े अच्छे तरीके से पढ़ना लिखना जानते हैं। विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी को समय मिला। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप एक मिनट के लिए मेरी बात सुन लीजिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप क्या कहना चाहते हैं। आप अपनी सीट पर बैठिए। आपको बोलने का समय दिया गया था और आप 34 मिनट बोल चुके हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुन लीजिए मैं एक मिनट में ही अपनी तकलीफ आपसे कह दूंगा।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप एक सीनियर मैम्बर हैं इसलिए आपको इस प्रकार से बीच में बोलना शोभा नहीं देता है। आप अभी अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) आप कहिए आपने क्या कहना है ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि मेरी सीट पर कोई यन्त्र लगा हुआ है जो कि मेरे दोनों घुटनों में चुभ रहा है जिसके कारण मेरे दोनों घुटनों में जख्म हो गए हैं।

मेहरबानी करके आप इसको यहां से हटवा दीजिए। (विघ्न) आप किसी अधिकारी को दिखवा लीजिए। (विघ्न) इसमें भी कहीं कोई साजिश है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, इसको चैक करवा लेंगे आप अभी अपनी सीट पर बैठें (विघ्न)।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह आपका कम्पलैक्स है इस में सरकार का कोई दखल नहीं है। दलाल साहब उल्टे-सुल्टे गोडे मार कर खुद ही दुखी हो रहे हैं (हंसी) अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब को बोलने के लिए आपने पूरा समय दिया है। अगर यह और बोलना चाहते हैं तो बोल सकते हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जिस ढंग से आज सुबह से ही आप हाउस को चला रहे हैं वह अपने आप में एक रिकार्ड है। जिस बढ़िया ढंग से आपने हाउस को चलाया है वह काबिले तारीफ है। दलाल साहब को जब बोलने का समय मिला तो वे बोलते-बोलते डर रहे थे लेकिन यहां पर डर की कोई बात नहीं है अगर वे दोबारा बोलना चाहते हैं तो दोबारा बोलने के लिए उनको समय दिया जाएगा और यदि दोबारा से तिबारा बोलना चाहें तब भी उनको पूरा टाईम दिया जाएगा। किसी प्रकार की कोई दिक्कत की बात नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं स्वयं आपकी तारीफ करता हूँ कि आपने सुबह से इस हाउस को बड़े अच्छे तरीके से चलाया है। लेकिन मैं आपको यह कहना चाहता हूँ कि मेरी सीट पर एक यन्त्र लगा हुआ है उस पर मेरी टांग लग-लग कर जख्म हो गया है। इस बारे में आप कुछ करवाएं।

श्री बंता राम : स्पीकर सर, मैं सर्वप्रथम इस सरकार ने जो अच्छे काम किए हैं उसके लिए धन्यवाद करता हूँ। सर, स्कूलों को बनवाने का, हरिजन चौपालों को बनवाना, गलियां बनवाना, रिटेनिंग वाल बनवाना, कुएं खुदवाना, गांव और शहरों का विकास करना यह बहुत ही सराहनीय काम है। दूसरी सरकारें जो काम कई वर्षों में नहीं कर सकी वह काम आदरणीय ओम प्रकाश चौटाला जी ने 5-6 महीने में करके दिखा दिया है। अभी बहन जी बता रही थीं कि कहीं भी हरिजन कन्याओं को 5100 रुपये नहीं मिलते हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि गांव बवैन में शीला और कमलेश लड़की को मैंने 5100 रुपये दिलवाए हैं। इसी के साथ रादौर में 10 बाल्मीकि लड़कियों को, 5 सांसी जाति की लड़कियों को, बाजीगर जाति की लड़कियों को पैसा दिलवाया है। अध्यक्ष महोदय, अगर मेरी यह बात झूठी हो तो आप सम्मानित सदस्यों की एक कमेटी बनवाएं और इसकी इन्क्वायरी करवा लें। ये कहते हैं कि यह सरकार ढकोसला करती है तो मैं इन सब को यह बताना चाहूंगा कि यह बात सही नहीं है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने बड़े विधिवत और रचनात्मक तरीके से काम किए हैं। मेरी यह बात लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ भी सुन रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैंने हरिसिंह माजरा में चौटाला साहब की घोषणा के अनुसार चौपाल बनवाई है। रामसल माजरा में बाल्मीकि चौपाल, सूरजगढ़ के अन्दर बाल्मीकि चौपाल, लखमड़ी में रविदास जाति की चौपाल, जलालूदी माजरा में सैनी जाति की चौपाल, भगवानपुर में बाजीगर जाति की चौपाल और खेड़ी लखा सिंह में सैनी जाति की चौपाल बनवाई है। आज बहन जी हमारी सरकार की बात करती हैं। मैं विपक्ष के नेता को भी और सभी सम्मानित सदस्यों को भी बता देना चाहता हूँ कि चौटाला साहब की सरकार ने जो काम शुरू किए हैं यह एक ऐतिहासिक मिसाल है। इन्होंने ताऊ देवी लाल से भी बढ़कर अच्छा काम किया है। जहां तक बुढ़ापा पैंशन की बात है, ताऊ रिटायर होने के बाद भी पैंशन लेते हैं। (विघ्न) नम्बर दो का काम करने वाले भी लेते हैं आदरणीय अध्यक्ष महोदय, ताऊ देवीलाल की बात का क्या कोई जवाब है, कोई जवाब नहीं है। उन्होंने महसूस किया और उनकी सोच है कि जो 58 साल की उम्र के लोग हैं वह बहुत ही अच्छा खाना खाते हैं माल पीते हैं लेकिन उस किसान मजदूर का क्या दोष है जो धरती मां का सीना चीरकर गोदामों को खचाखच

[श्री बंता राम]

भरने का काम करता है और जिसको खा कर समाज की आँख खुलती है। इसलिए चौधरी देवीलाल जी ने ओम प्रकाश चौटाला जी ने उस किसान की पैंशन को दोबारा से लागू किया है जो एक सराहनीय काम है। अब और नये पात्रों का सर्वे करवाया जा रहा है इसमें सभी तरह की शर्तें खत्म की गयी हैं। इसी तरह से विधवाओं और बुजुर्गों की पेंशन दुगनी करने का काम इस सरकार ने किया है। इसलिए इस सरकार की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। इसी तरह से गरीब कन्याओं की शादी के लिए सरकार ने 5100 रुपये की झड़ियां लगा दी हैं। इसी तरह से चुंगी समाप्ति, टैक्सों का सरलीकरण, मार्किट फीस को कम करना और चुंगी समाप्ति के बाद सभी कर्मचारियों को विभिन्न महकमों में एडजस्ट करने का काम भी इस सरकार ने किया है। मैं ऐसे कितने काम गिनाऊं । जब पिछली सरकार ने काफी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया था तो उनको बहाल करने का काम भी इसी सरकार ने किया है। इसी तरह से अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट बहाल करने का काम भी इसी सरकार ने किया है। इसी तरह से रिजर्व प्राईस पर लाइसेंस होल्डर्ज को दुकान देने का काम भी इस सरकार ने किया है। इसी तरह से नौजवानों को सरकारी नौकरी के लिए आयु सीमा 35 साल से बढ़ाकर चालीस साल करने का काम भी इस सरकार ने किया है। इसी तरह से खाद के थैले पर दस रुपये कम करने का काम एवं 110 रुपये गन्ने का दाम देने का काम भी इस सरकार ने किया है। मैं विपक्ष के नेता चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहता हूँ कि आप लच्छेदार भाषा में बात तो करते हैं लेकिन मैं आपको याद दिला दूं कि जब आपके राज में यमुनानगर में एक रुपये का भाव किसान मांग रहे थे तो आपने घोड़ों की लातों से उन्हीं किसानों को पिटवाया था। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री अजय सिंह यादव पदासीन हुए)** दो नयी शुगर मिलें लगवाने का काम भी इस सरकार ने किया है। चेयरमैन सर, प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या जरूरत है। इसी तरह से रजबाहों और खालों की सफाई एवं ड्रेनों की सफाई का काम भी इस सरकार ने किया है। जहां तक इंदिरा आवास कालोनी की बात है, मेरे हल्के रादौर में आप जाकर देख लीजिए या वहां पर एक आयोग बनाकर एक टीम भेजकर देखिये पता लग जाएगा। कम से कम एक हजार मकान बनवाने का काम इस सरकार ने किया है। चौटाला साहब की कृपा से सही कार्य लागू करवाने का काम हमने किया है। ऐसे ही हमने करप्शन को जड़ मूल से उखाड़ने का भी फैसला किया है। (विघ्न) सरकार की इन स्कीम्ज से हजारों ही नहीं लाखों दलितों को फायदा हुआ है। चेयरमैन सर, अगर मैं सरकार के सारे कार्य गिनवाने लगूं तो सारे हाउस का समय आपको मुझे ही देना पड़ेगा। इसलिए मैं आपका धन्यवाद करूंगा कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। इन शब्दों के साथ मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।

श्री कृष्ण लाल (असन्ध, अनुसूचित-जाति) : धन्यवाद चेयरमैन सर, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए आपका शुक्रिया अदा करता हूँ। महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन में अभिभाषण को पढ़ा और कितने शांतिपूर्ण ढंग से सदन के सदस्यों ने उनको यहां बैठकर सुना और कल शाम को जब डिनर पर सभी पार्टियों के सीनियर लीडर्ज गवर्नर हाउस गए तो गवर्नर साहब खुद कह रहे थे कि मैंने भजन लाल जी की सरकार में भी अभिभाषण पढ़ा और चौधरी बंसी लाल की सरकार में भी अभिभाषण पढ़ा लेकिन जितना आनन्द मुझे कल अभिभाषण पढ़ने में आया उससे पहले उतना आनन्द कभी नहीं आया। बड़े शांतिपूर्ण ढंग से सभी ने अभिभाषण को सुना। इस अभिभाषण के अन्दर सरकार की जो उपलब्धियां हैं उनका समर्थन करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ। सबसे पहले सभी विपक्ष के साथियों ने इस अभिभाषण पर चर्चा की है उसमें सबसे अहम मुद्दा बिजली का आता है। बिजली एक ऐसी चीज है जिस पर चाहे ऐग्रीकल्चर का क्षेत्र हो, चाहे इण्डस्ट्रीज

का हो, चाहे डोमैस्टिक हो, चाहे कमर्शियल हो, सब कुछ बिजली पर निर्भर करता है। जब भी कोई सदस्य बोलता है तो सबसे पहले यही कहता है कि हमारी सरकार ने बिजली का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए यह किया वह किया लेकिन यह सारी बातें कागजों की हैं। चेयरमैन महोदय मैं और आप 1991 से लगातार इस सदन के मैम्बर बनते आए हैं कौन सी सरकार ने कौन से नेता ने बिजली के लिए क्या काम किया यह बात मैं लेता हूँ। सबसे पहले मैं 1991 की बात लेता हूँ। 1991 में चौधरी भजन लाल इस प्रदेश के मुख्य मंत्री बने अपने शासन काल में इन्होंने कोई नया प्रोजैक्ट नहीं लगाया। 1977 में चौधरी देवी लाल जी इस प्रदेश के मुख्य मंत्री बने थे और उसी वक्त उन्होंने पानीपत की पहली और दूसरी यूनिट लगाने के लिए काम शुरू कर दिया था। 1977 में मुख्य मंत्री बनने के बाद 1979 में उन्होंने पहली यूनिट का प्रौडक्शन शुरू कर दिया था। पानीपत में ही 210 मैगावाट की पांचवीं यूनिट लगाने के लिए 1987 में मुख्य मंत्री बनते ही उन्होंने काम शुरू करवा दिया था और तीन साल फिर लगे और 210 मैगावाट की यूनिट ने सन् 1990 में प्रौडक्शन देना शुरू कर दिया था और उस टाईम कर्मचारियों को इंसैंटिव मिले थे। 1989 में चौधरी देवी लाल जी ने पानीपत थर्मल पॉवर प्लांट की छठी 210 मैगावाट यूनिट लगाने के लिए 157.6 करोड़ रुपये का वर्क ऑर्डर किया था। साइलिंग सब-स्टेशन का काम 100 प्रतिशत पूरा हो गया था। मैंने इस बारे में ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर चौधरी बंसी लाल जी से पूछा था तो उन्होंने खुद माना था कि पानीपत की छठी यूनिट का बर्क ऑर्डर चौधरी देवी लाल करके गए थे।

सभापति महोदय उस 157.6 करोड़ के सामान में से 100 करोड़ रुपये का सामान पानीपत रेलवे स्टेशन पर पड़ा रहा। पांच साल तक भजन लाल जी मुख्य मंत्री रहे। उस सामान के रख-रखाव के लिए बी.एच.ई.एल. कम्पनी ने सरकार से दो करोड़ रुपये मांगे ताकि सौ करोड़ रुपये का सामान खराब न हो सके लेकिन उस सामान के रख-रखाव के लिए दो करोड़ रुपये उस समय की सरकार ने नहीं दिए।

श्री भजन लाल : सभापति जी, श्री कृष्ण लाल पंवार जो कुछ कह रहे हैं यह मेरे जमाने की बात नहीं है उससे पहले की बात है। यूं ही किसी के बारे में कहना कोई मुनासिब बात नहीं है। सामान ओम प्रकाश चौटाला के समय में भी पड़ा रह सकता है ऐसा नहीं होता कि जानबूझकर सामान पड़ा रहे और उसको छुड़वाएं नहीं।

श्री कृष्ण लाल : मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं।

श्री सभापति : कृष्ण लाल जी, आप फैक्ट्स पर बोलिए।

श्री कृष्ण लाल : चेयरमैन सर, मैं फैक्ट्स पर ही बोल रहा हूँ। 157.6 करोड़ रुपये की छठी यूनिट का काम शुरू हो गया था और 80 से 100 करोड़ रूपये का सामान पानीपत रेलवे स्टेशन पर पड़ा रहा था। बी.एच.ई.एल. कम्पनी ने सरकार से 2 करोड़ रुपये सामान के रख-रखाव के लिए मांगे थे, सरकार ने नहीं दिए थे। बंसी लाल जी ने भी हाथ नहीं लगाया। आज 210 मैगावाट की छटी यूनिट का काम युद्धस्तर पर चल रहा है जब भी चौधरी देवी लाल जी की हरियाणा प्रदेश के अन्दर सरकार आई है उन्होंने बिजली की प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए काम किया है। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि चौधरी बंसी लाल जी ने पानीपत थर्मल प्लांट की दूसरी यूनिट को लोड फैक्टर बढ़ाने के लिए एक अमरीकन कम्पनी को साढ़े तीन करोड़ रुपये के लीज पर दे दिया था सिर्फ 110 मैगावाट से 118 मैगावाट केवल 8 मैगावाट के लिए उन्होंने साढ़े तीन करोड़ रुपये दे दिए जबकि इतने पैसों में तो 40-45 मैगावाट तैयार करने का एक नया प्लांट लग सकता है। उस यूनिट में सारे अमरीकन पार्टस लगाये गये हैं अब अगर उनमें से कोई पार्ट खराब हो जाता है तो भारत में तो वह पार्ट मिलेगा भी नहीं। चौधरी बंसी लाल जी तो यह चाहते थे कि यहां पर सारे प्रौजेक्टस विदेशी हों और जितना वे कर सकते थे वह उन्होंने किया

[श्री कृष्ण लाल]

भी। रही बात ट्यूबवैल्ज को बिजली के कनैक्शन देने की, चौधरी भजन लाल जी की सरकार के समय सैल्फ फाईनैंसिंग की एक स्कीम निकाली गई थी कि जो किसान सात हजार, दस हजार या पन्द्रह हजार रुपये जमा करा देगा उसे ट्यूबवैल्ज के कनैक्शंज 24 घंटे के अन्दर-अन्दर दे दिए जायेंगे लेकिन आज तक कोई कनैक्शन रिलीज नहीं किया गया। पांच साल तक चौधरी भजनलाल जी मुख्य मंत्री रहे उसके बाद तीन साल तक चौधरी बंसी लाल जी इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे परन्तु ट्यूबवैल्ज के कनैक्शंज के बारे कोई कार्यवाही नहीं की गई और हालत आज यहां तक पहुंच गई है कि आज ट्यूबवैल्ज के बिजली के 80 हजार कनैक्शंज पैंडिंग पड़े हैं। **(इस समय सभापतियों कि सूची में एक सदस्य श्री रामपाल माजरा पदासीन हुये)** चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी ने मुख्य मंत्री का पद संभालने के बाद भारत सरकार के बिजली मंत्री जी से बातचीत की है और भारत सरकार के बिजली मंत्री ने आश्वासन दिया है कि हरियाणा प्रदेश में जो बिजली कनैक्शंज ट्यूबवैल्ज के बकाया पड़े हैं उन्हें जल्दी ही रिलीज कर दिया जायेगा। जहां तक बिजली बोर्ड को प्राइवेटाइज करने की बात है, 1993 में चौधरी भजन लाल जी ने बिजली बोर्ड को प्राईवेटाइज करने के लिए ढ़ाई करोड़ रुपये एक अमरीकन कम्पनी को दिये परन्तु उस समय विपक्ष मजबूत था। इसलिए हमारी पार्टी ने इसका विरोध किया जिस कारण वे उस समय बिजली बोर्ड को प्राईवेटाइज नहीं करा सके। उसके बाद जब चौधरी बंसीलाल जी की सरकार आई तो उन्होंने भी बिजली बोर्ड को प्राईवेटाइज करने की पूरी कोशिश की। जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने इस प्रदेश की बागडोर संभाली तो उन्होंने और श्री सम्पत सिंह जी पानीपत थर्मल प्लांट के इंजीनियर्स के साथ पानीपत में और हिसार में इंजीनियर्स के साथ मीटिंग की और इस बारे समाधान करने के पूरे प्रयास किए हैं। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी इस प्रदेश के किसानों को, व्यापारियों को तथा घरेलू प्रयोग के लिए 24 घंटे बिजली देने के प्रयास करेंगे। सभापति महोदय, अब मैं रोड्ज के बारे में कहना चाहूंगा। हरियाणा प्रदेश में 1991 और उसके बाद रोड्ज की हालत बहुत खराब थी। जब भी कहीं जाते थे तो सारे रोड्ज टूटे हुये मिलते थे। परन्तु जब से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने मुख्य मंत्री का पद संभाला है इस प्रदेश के रोड्ज तेजी के साथ ठीक किए जा रहे हैं उसमें चाहे पैच वर्क का काम हो या दूसरा काम यह सब कार्य 30 जून तक कंप्लीट कर लिया जायेगा। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक सुझाव देना चाहूंगा। गांवों में जो अप्रोच रोड्ज हैं जो 35-40 साल पहले से बने हुए हैं लेकिन उसके बाद उनका कोई भी कार्य न तो लोक निर्माण विभाग द्वारा किया गया और न ही पंचायतों द्वारा किया गया है, उन रोड्ज की भी रिपेयर का कार्य शीघ्र किया जाये। जहां तक एग्रीकल्चर का सवाल है, यह सरकार किसानों की हितैषी है और मुझे पूर्ण आशा है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला गांव के किसान के लिए, व्यापारी वर्ग के लिए, एग्रीकल्चर के मामले में पूरी ताकत के साथ काम करेंगे। जिससे हमारे किसानों तथा दूसरे वर्ग के लोगों को इनके राज में कोई कठिनाई नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ सिंचाई विभाग से सम्बन्धित मैं एक -दो बातें कहना चाहूंगा। सिंचाई विभाग के बारे में बलबीर सिंह पहलवान जी ने भी जिक्र किया था। मेरे हल्के में नगसीना गांव की डिस्ट्रीब्यूटरी के दोनों तरफ सेम आया हुआ है और जो मूनक हैड है उसी से हांसी ब्रांच और जितनी भी दूसरी नहरें हैं, निकलती है, मेरे हल्के के लिए अलग-अलग डिस्ट्रीब्यूटरी वहां से जाती हैं जिनकी बहुत बुरी हालत है।

अति-विशिष्ट व्यक्तियों का स्वागत

Mr. Speaker : Hon'ble Members, Sh. Prabir Joardar, Irrigation Engineer, World Bank and Shri Keith R.A. Oblitas, Principal Operations Officer, Rural

Development Sector Unit, South Asia Region, World Bank are present in the Officer's Gallery. The House welcome them.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री कृष्ण लाल : उन डिस्ट्रीब्यूटरीज के दोनों तरफ सेम आया हुआ है जिसके बारे में पूर्व सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। ओम प्रकाश चौटाला जी चुनाव के दौरान मेरी कांस्टीच्युएंसी के अन्दर गए थे, मैंने वहां उनसे अनुरोध किया था कि नहरों की साइडों में जो सेम आ गया है और जो डीप ट्यूबवैल सेम के लिए लगाए गए थे, वे लगे तो हुए हैं लेकिन आज तक बन्द पड़े हैं। पूर्व सरकार ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया और उन ट्यूबवैलों के न चलने से सेम बहुत ज्यादा आ गया है। मेरे अनुरोध पर सरकार ने वहां मोटर वगैरह तो लगवा दीं लेकिन जितना पानी वहां से निकलता है उतना पानी सेम के कारण वहां आ जाता है, वहां पर ड्रेन का प्रबन्ध किया जाए जिससे हमारे किसानों की फसल बचाई जा सके। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि सभी सदस्यों ने पशु पालन के बारे में जिक्र किया। कोई भी व्यक्ति जब बीमार हो जाता है तो वह अपनी गाड़ी, स्कूटर या किसी भी अन्य साधन से दूसरे शहर में जाकर इलाज करवा सकता है लेकिन पशु एक ऐसा जीव है जिसको बीमार होने के बाद यदि 7 किलोमीटर दूर किसी वैटरनरी होस्पीटल ले जाना पड़े तो यह बहुत ही मुश्किल काम है। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ओम प्रकाश चौटाला जी ने इस मामले को काफी टच करने की कोशिश की और काफी वेटरनरी होस्पिटल बनाने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा की कि 7-7, 8-8 किलोमीटर सरांऊडिंग एरियाज में जहां वैटरनरी होस्पिटल नहीं है वहां ये होस्पिटल बनवाए जाएंगे। इसलिए मैं मुख्य मंत्री से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में सर्वे करवाएं और ज्यादा से ज्यादा वैटरनरी होस्पिटल खुलवाएं जिससे हमारे पशुओं का जल्दी इलाज करवाया जा सके। इसके साथ-साथ मैं मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि देहात के अन्दर जो एस.एम.सी., रूरल डिस्पैंसरीज, प्राइमरी हैल्थ सैन्टर हैं, जिन पर पूर्व सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया और इस बारे में विधानसभा में लगातार आवाज उठाई गई कि वहां पर जो डाक्टर और कम्पावंडर्ज हैं वे दिन में ड्यूटी देने के बाद रात को वहां ठहरते नहीं हैं जबकि उनका हैडक्वार्टर वहां फिक्स होता है। सरकार की तरफ से सख्ती से कोई ऐसे कदम उठाए जाएं जिससे कि ये डाक्टर रात के समय वहां उपलब्ध हों ताकि देहात में रात के समय यदि किसी को दुःख तकलीफ होती है तो वे जाकर उन डाक्टरों से अपना इलाज करवा सकें। मुझे पूरा विश्वास है कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की सरकार हर महकमे की अच्छी तरह बारीकी से एग्जामिन करके प्रदेश की जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाएगी। 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत चौधरी ओम प्रकाश चौटाला 90 की 90 कांस्टीच्युएंसीज में गए और कई प्रकार की घोषणाएं वहां पर करके आए। विरोधी पक्ष के लोग प्रचार करते हैं कि ओम प्रकाश चौटाला जी ने जो घोषणाएं की वे झूठी हैं। मैं इस बारे में विरोधी पक्ष के सदस्यों को बताना चाहूंगा कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत ओम प्रकाश चौटाला जी मेरे हल्के में गए और वहां पर किसी भी गांव चाहे वे किसी भी पार्टी से ताल्लुक रखते हों 5 या 6 आदमियों ने पंचायत के तौर पर ओम प्रकाश चौटाला जी से कोई मांग की हो और उन्होंने मना किया हो तो उनकी सरकार दोषी है, ओम प्रकाश चौटाला जी दोषी हैं। उदाहरण के तौर पर मेरे हल्के के अन्दर शहजानपुर (ध्याना) गांव में 4 बैकवर्ड क्लास परिवार के लोग रहते हैं, उन्होंने ओम प्रकाश चौटाला जी के सामने दरख्वास्त रखी कि हमारे गांव में बैकवर्ड चौपाल नहीं है तो ओम प्रकाश चौटाला जी ने उसी वक्त बैकवर्ड चौपाल बनाने के लिए एक लाख 25 हजार रुपये मंजूर कर दिए। 4 बैकवर्ड क्लास के घरों के लिए गांव में एक लाख 25 हजार रुपये की लागत से चौपाल बनने लगी। उसी गांव के अन्दर 12 परिवार हरिजनों के हैं,

[श्री कृष्ण लाल]
उन्होंने भी ओम प्रकाश चौटाला जी के सामने आकर कहा कि गांव में हरिजन चौपाल नहीं है तो ओम प्रकाश चौटाला जी ने उसी समय हरिजनों की चौपाल बनाने के लिए एक लाख 25 हजार रुपये मंजूर कर दिए और गांव में उनकी चौपाल बन रही है। मैं तो कहता हूँ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने पूरे प्रदेश में अगर किसी की बात सैंट परसैंट मानी है तो वह हरिजनों और बैकवर्ड भाइयों की मानी है। मैं तो कहता हूँ कि पूरे प्रदेश के अन्दर कोई भी बैकवर्ड या हरिजन क्लास का भाई आकर यह कह दे कि 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत हम ओम प्रकाश चौटाला जी के सामने किसी चौपाल के लिए गए थे और हमारी बात को उन्होंने डिनाय किया है तो इनकी सरकार दोषी है। कांग्रेस पार्टी 50 सालों से हरिजनों और बैकवर्ड क्लास की हितैषी बन कर वोट ले जाती रही लेकिन उनके सच्चे हितैषी चौधरी देवी लाल और श्री ओम प्रकाश चौटाला जी हैं जिन्होंने गरीब हरिजनों और बैकवर्ड क्लासिज़ का भला करने की सदा कोशिश की है। अबकी बार हरिजन भाइयों और बैकवर्ड क्लास के भाइयों ने यह समझ लिया कि कौन आदमी उनका भला कर सकता है और इन भाइयों ने एकजुट होकर इस बात को साबित भी कर दिया है तथा चौटाला साहब के हाथ मजबूत कर दिये। अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरा विश्वास है कि चौटाला साहब अपने सभी विधायकों से बात-चीत करके अच्छे कार्य करेंगे और हमारी सरकार पूरे पांच साल चलेगी। धन्यवाद।

श्री बलबीर पाल शाह (पानीपत) : अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर कुछ ज्यादा चर्चा नहीं करूंगा। मेरे से पहले बहुत से सदस्यों ने काफी चर्चा की है और अब शायद कोई और सदस्य बोलने के लिए तैयार नहीं था इसलिए मुझे समय दिया गया है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय का ध्यान पानीपत की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले चार साल से पानीपत एक त्रासदी से गुजर रहा है। यहां सदन में बहुत चर्चा हुई है कि सड़कें बनाई गई हैं, जाल बिछा दिया गया है। मेरा ख्याल यह है कि 1991 से 1996 के बीच में जो सड़कें हमारी सरकार ने बनवाई थीं उसके बाद उन सड़कों की रिपेयर भी नहीं हुई है। उन सड़कों का पैच वर्क भी नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, हमारी बदकिस्मती यह है कि अब तक भी हमारे वहां पर मिनी-सैक्रेटेरियेट नहीं बना है, न ही वहां पर ओवर ब्रिज बना है, न ही वहां पर कोई बाई पास बना है और पानीपत के अन्दर समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, पानीपत के अन्दर बहुत सी कालोनियां डिवैल्प हो चुकी हैं। गरीब लोग उन कालोनियों में रहते हैं। पीने के पानी की वहां पर बहुत ज्यादा समस्या है। वहां पर सारे का सारा पानी प्रदूषित हो चुका है। जितने भी ट्यूबवैल हैं उनका पानी पीने के लायक नहीं है। हमने वहां पर मांग की थी कि वहां पर नहर का पानी साफ करके पीने के लिए पहुंचाया जाये। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और आज भी वहां पर ट्यूबवैल्ज़ से पानी सप्लाई हो रहा है। उन कालोनियों के लोग दूर-दूर से पानी लेकर आते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वहां पर हर कालोनी में ट्यूबवैल लगवाये जायें ताकि लोगों को पीने का स्वच्छ पानी मिल सके। इसके साथ-साथ मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान इस ओर भी दिलाना चाहूंगा कि यमुना एक्शन प्लान आज से 4-5 साल पहले शुरू हुई थी और वह आज तक भी बनकर तैयार नहीं हुई है और जहां पर गड्ढे खोदे गये थे उन पर कोई भी काम नहीं हुआ। अध्यक्ष महोदय, वह प्लान पूरा होने का नाम ही नहीं लेती। अगर वह प्लान पूरी हो जाती है तो वहां पर सीवरेज लग जायेंगे और पानीपत शहर का पानी भी निकल जायेगा। इसलिये मैं मुख्य मंत्री जी से आपके माध्यम से अनुरोध करूंगा कि पानी की निकासी के काम को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारी पानीपत की बहुत सी सड़कें खराब हो रही हैं जिनमें यू.पी. की तरफ जाने वाले मेन रोड़ सनौली रोड़ भी हैं। अगर वहां से कभी गुजरें तो मुख्य मंत्री जी को

पता चलेगा कि दूसरे प्रदेशों से आने वाला ट्रैफिक कितना ज्यादा है जिससे साफ नजर आता है कि सरकार ने कोई काम नहीं किया। इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहूंगा कि अगर मुख्य मंत्री जी को उधर जाना होता है तो इनके नाम से एक अलग सड़क बनी हुई है जिसको चौटाला रोड़ कहा जाता है और यह सड़क ठीक-ठाक है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा पानीपत की दूसरी सड़कें भी टूटी पड़ी हैं जिनमें दत्तूवाड़ा की भी सड़क है जो कि हमारी सरकार के दौरान बनवाई गई थी। यह सड़क भी टूट रही है। यह सड़क अग्रवाल बिरादरी वाले शमशान घाट की ओर जाती है। इसकी भी आज तक कोई रिपेयर नहीं हुई है और न ही उस पर कोई पैच वर्क हुआ है। आज वहां जाकर देखा जाए तो इस सड़क पर रोड़ी नाम की कोई चीज ही नहीं है। दूसरी सड़कों का भी बुरा हाल है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि इन सड़कों को शीघ्र अति शीघ्र ठीक करवाया जाए ताकि पानीपत की जो गन्दगी है वह खत्म हो सके। अध्यक्ष महोदय, पानीपत को इको टाउन घोषित किया गया था लेकिन उसके बाद कोई भी कार्यवाही नहीं हुई । मेरा ख्याल है कि यह स्कीम भी ठण्डे बस्ते में पड़ी रह गई और कोई भी काम नहीं हुआ। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि पानीपत को दोबारा इको टाउन का दर्जा दिलवाया जाए तथा पानीपत की सफाई और स्वच्छता के लिये ज्यादा से ज्यादा अनुदान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि पानीपत में जी.टी. रोड पर ट्रैफिक जरूरत से ज्यादा हो गया है और वह कन्ट्रोल नहीं हो पा रहा है। वहां पर जो पुलिस के अधिकारी हैं वह ट्रैफिक को प्रोपरली कन्ट्रोल नहीं कर पाते क्योंकि वे इस बात से वाकिफ नहीं है कि किस तरीक से ट्रैफिक को कन्ट्रोल किया जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि यह छोटा सा काम है इसलिये पानीपत में जी.टी. रोड़ पर जितने भी चौराहे हैं वहां पर प्रशिक्षित सिपाही वगैरा लगाकर ट्रैफिक को कन्ट्रोल कराया जाए। अध्यक्ष महोदय, पानीपत में रोजमर्रा की कई समस्यायें हैं जैसे कि ट्रैक्टरों, ट्रकों और बड़े वाहनों को हुड्डा की कालोनी की सड़कों के अन्दर से गुजर कर मेन सड़कों पर जाना पड़ता है जिसके कारण हुड्डा कालोनी की अन्दर की सड़कें भी टूट रही है। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि कोई ऐसा सिस्टम बनाया जाए कि मेन रोड़ की सड़कें ठीक रहें और सीधा ट्रैफिक मेन रोड़ से ही जाए न कि वाया हुड्डा की कालोनियों से या इधर-उधर से होकर ट्रैफिक जाए। इसके साथ-साथ मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि हमारी सरकार ने ओवर-ब्रिज बनाने के सम्बन्ध में जो स्कीम शुरू की थी कि जी.टी. रोड़ के ऊपर पुल बनाकर फिर बाई-पास का काम लेंगे। इसलिये वहां ओवर-ब्रिज बनाया जाए अगर ओवर-ब्रिज न बन सके तो बाई-पास बनवाया जाए ताकि शहर के अन्दर जो ट्रैफिक का दबाव है वह कम हो सके। अध्यक्ष महोदय, अब शिक्षा की बात आती है। हमारे शहर में लड़कियों की शिक्षा के लिये कोई कालेज नहीं है। इसलिये मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि लड़कियों के लिये कालेज हर हालत में दिया जाए ताकि हमारी बच्चियों की पढ़ाई ठीक ढंग से हो सके। सरकारी कालेज न होने की वजह से प्राइवेट कालेजों में मनमानी होती है और बच्चियों को उन कालेजों में दाखिला लेना भी बड़ा मुश्किल होता है। अध्यक्ष महोदय, अब मैं पानीपत के विकास के बारे में कहना चाहूंगा। पानीपत एक ऐतिहासिक शहर है। हर साल करोड़ों रुपये की फोरन एक्सचेंज अर्जित करने वाला यह सबसे गन्दा शहर है। इस शहर के अन्दर जब से सरकार पलटी है तब से कोई सफाई नहीं हुई है, कोई नाला साफ नहीं किया गया। अगर खुदा-न-खास्ता बारिश हो जाती है तो पानीपत के अन्दर 4-4 फुट पानी ठहर जाता है और एक-एक हफ्ते तक उसकी निकासी नहीं हो पाती। इसलिये वहां की ड्रेनों की पूरी तरफ से सफाई कराई जाए। अध्यक्ष महोदय, इस समय मेरे से बोला नहीं जा रहा है इसलिये मैं आपसे माफी चाहता हूं और अनुरोध करता हूं कि मुझे बोलने के लिये बजट पर दोबारा टाइम दिया जाए। उस समय मैं अपनी बात कहूंगा।

श्री भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हमें खुशी है कि आपने सभी मैम्बरों के नाम पुकारे और आपने लगभग सभी को बोलने का अवसर दिया। इसलिये मैं आपको धन्यवाद देता हूं लेकिन बहुत से मैम्बरों को सोमवार को बोलने के लिये भी कहा गया है। इस समय मैम्बर बोलने के मूड में नहीं है क्योंकि सवेरे 9 बजे से यहां पर आप भी बैठे हुए हैं, हम भी बैठे हुए हैं और अधिकारी भी बैठे हुए हैं। इसलिये मेहरबानी करके सोमवार तक आप हाउस को स्थगित कर दें।

श्री अध्यक्ष : जब सदस्य हाउस में हाजिर हैं तो बोलने का मौका तो देना ही है।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, कसान साहब को पहले बोलने का कम मौका मिलता था। अगर अब बोलने को उनका कुछ रह गया हो तो उन्हें बोलने का मौका दे दें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : अब श्री तेजबीर सिंह जी बोलेंगे।

श्री तेजबीर सिंह (पुण्डरी) : परम आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को उनके विधान सभा का सदस्य चुने जाने पर बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो 9 तारीख को अपना अभिभाषण सदन में पढ़ा उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूं और पूरी तरह से अनुमोदन करता हूं। पिछली 24 जुलाई को मौजूदा सरकार का गठन हुआ था। पिछले 7 महीनों के दौरान चौटाला साहब ने जो पूरे प्रदेश में विकास और तरक्की के काम किए हैं उनके बारे में मैं चौटाला साहब का धन्यवाद करता हूं। इसका सबसे बड़ा सबूत अभी हाल ही में जो चुनाव हुए हैं उनमें जनता ने श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को पूर्ण बहुमत देते हुए इस सरकार के प्रति दुबारा से अपना विश्वास प्रकट किया है। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं सरकार का धन्यवाद उन कार्यों के बारे में करना चाहूंगा जो सरकार ने पिछले 7 महीनों के दौरान किए हैं। इस सरकार ने सबसे पहले एक कार्यक्रम 'सरकार आपके द्वार' चलाया जिसमें प्रत्येक कान्स्टीच्यूऐंसी के हैडक्वार्टर पर मुख्य मंत्री जी स्वयं गए और वहां की समस्याओं का निदान करवाया। दूसरा काम मौजूदा सरकार ने वृद्धावस्था पैंशन की राशि को दुगुना किया यह कार्य भी अपने आप में एक बहुत बड़ा कार्य है। तीसरा काम सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की बहनों की शादी के समय कन्यादान के रूप में 5100/- रुपये देने की स्कीम शुरु की है। यह भी सरकार का सराहनीय कदम है। सरकार ने चौथा काम अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रान्ट बहाल करने का किया। इस कालेज की ग्रान्ट श्री बंसी लाल जी के समय बन्द कर दी गई थी। सरकार का यह कार्य भी बहुत सराहनीय रहा है। पांचवा काम सरकार ने बेरोजगार युवकों को नौकरी में अवसर देने के लिए नौकरी की आयु सीमा जो पहले 35 वर्ष निर्धारित थी, उसको बढ़ा कर 40 वर्ष कर दिया ताकि उन बेरोजगार युवकों को सरकारी नौकरी में आने का अवसर मिल सके जो ओवर ऐज हो चुके हैं। सरकार ने छठा काम कारगिल युद्ध के दौरान जो हमारे नौजवान देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए हैं उनके परिवारों को 10 लाख रुपये की सहायता दी गई है। बंसी लाल जी के समय यह राशि 5 लाख रुपये थी। सरकार ने इसको भी बढ़ा कर डबल किया है हालांकि इस राशि से जिस परिवार से हमारा नौजवान शहीद हुआ है उसकी भरपाई तो नहीं हो सकती लेकिन उनके जख्मों पर कुछ मरहम लगाने की कोशिश सरकार की तरफ से अवश्य की गई है और उनका कुछ हद तक मान-सम्मान करने की कोशिश की है। इसके लिए मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, सरकार ने बिजली के क्षेत्र में भी बहुत सराहनीय कार्य किया है और काफी अच्छे कदम इस दिशा में उठाये गए हैं। चौटाला साहब ने केन्द्र की सरकार से बातचीत करके पर्याप्त बिजली की व्यवस्था भी की है। आजकल पूरे प्रदेश में बिजली की सप्लाई भरपूर मात्रा में मिल रही है। इसके लिए भी मैं सरकार का धन्यवाद करता हूं।

चौधरी बंसी लाल जी के वक्त में जो सड़कों की हालत थी उसकी अपेक्षा अब सड़कों की हालत में बहुत अधिक सुधार हुआ है।

अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब की सरकार ने गन्ना उत्पादकों को भी काफी राहत दी है और गन्ना उत्पादकों को 110/- रुपये प्रति क्विंटल का रेट दिया है। यह भी एक बहुत सराहनीय कार्य है। मैं अपने पुण्डरी हल्के के बारे में बताना चाहूंगा कि श्री बंसी लाल जी की सरकार के साढ़े तीन साल के 18.00 बजे कार्यकाल में कोई भी विकास के कार्य नहीं हुए थे। अध्यक्ष महोदय, मेरे स्वर्गीय पिता चौधरी ईश्वर सिंह जी सारी जिन्दगी पुण्डरी हल्के के लोगों की निःस्वार्थ सेवा करते रहे हैं उनके प्रयत्नों से वहां पर बड़े भारी तरक्की और विकास के कार्य हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने हल्के की कुछ मांगे मुख्य मन्त्री जी के सामने रखना चाहूंगा। हमारे हल्के में 1996 में गांव पबनावा में एक पोलिटैक्निक कालेज मन्जूर हुआ था और वहां पर जमीन भी टैक्निकल विभाग के नाम ट्रांसफर हो गई थी। लेकिन पिछले तीन साल का समय बीत गया परन्तु वहां पर कोई काम शुरु नहीं हुआ है। इसलिए मुख्य मन्त्री जी से मेरी प्रार्थना है कि वहां पर जल्दी से जल्दी कार्य शुरू करवाया जाए। मेरी दूसरी मांग यह है कि हमारे क्षेत्र में फतेहपुर गांव में एक वूल सैंटर खुलना था। मेरे स्वर्गीय पिता तथा भूतपूर्व स्पीकर विधान सभा ने बड़ी भारी कोशिश करके अपने क्षेत्र के लिए यह सैंटर सरकार से मन्जूर करवाया था इसे भी जल्दी से जल्दी चालू करवाने की कृपा करें। स्पीकर साहब, मेरी तीसरी मांग लड़कियों की शिक्षा से सम्बन्ध रखती है। पुण्डरी शहर में 1993 से लड़कियों का बी०एड० का कालेज चल रहा है। यह कालेज बड़ी अच्छी प्रकार से चल रहा है लेकिन सरकार की तरफ से अभी तक इस कालेज को कोई ग्रान्ट नहीं मिली है। सरकारी ग्रान्ट के लिए छः साल का समय निर्धारित होता है और इस कालेज को चलते हुए छः साल का समय पूरा हो गया है इसलिए मुख्य मन्त्री जी से मेरी प्रार्थना है कि इस कालेज को जल्दी से जल्दी सरकारी ग्रान्ट जारी करने की कृपा करें। उनका यह कदम लड़कियों की शिक्षा के लिए बहुत बड़ा सहायक होगा। स्पीकर साहब, इसके साथ ही मैं पुण्डरी म्यूनिसिपल कमेटी के बारे में कहना चाहूंगा। पुण्डरी की म्यूनिसिपल कमेटी 29 म्यूनिसिपल कमेटियों के साथ भंग कर दी गई है। यह म्यूनिसिपल कमेटी बहुत पुराने समय से चली आ रही है इसको भंग करने से वहां पर सफाई वगैरा की तथा कई प्रकार की अन्य समस्याएं पैदा हो गई हैं इसलिए मैं माननीय मुख्य मन्त्री जी से अपील करूंगा कि इस म्यूनिसिपल कमेटी को भी जल्दी से जल्दी बहाल करने की कृपा करें। इन शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं तथा अध्यक्ष महोदय जी ने बोलने के लिए मुझे जो समय दिया है उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं। जयहिन्द।

श्री रामबीर सिंह (पटौदी, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करूंगा कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का समय दिया है। स्पीकर सर, मैं महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह अभिभाषण एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है जो कि सरकार का आईना होता है। सरकार आने वाले वर्ष में किस प्रकार से काम करेगी राज्यपाल महोदय का अभिभाषण यह दर्शाने के लिए होता है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के बारे में मैं एक बात कहना चाहूंगा कि उनकी करनी और कथनी में कोई अन्तर नहीं है। जो वे कहते हैं वहीं वे करते भी हैं। अध्यक्ष महोदय, "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के बारे में हमारे साथियों ने बहुत कुछ कहा है लेकिन उनके कार्यकाल में कोई भी अधिकारी किसी आम आदमी की बात नहीं सुनता था यहां तक कि कोई सरकारी कर्मचारी किसी का कोई काम नहीं करता था लेकिन इस सरकार ने स्वयं लोगों के पास जा कर जनता के दुख तकलीफों को हर

[श्री रामबीर सिंह]

क्षेत्र में सुना है। यह कार्यक्रम चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मन्त्री थे उस समय शुरू किया गया था ताकि जनता को सरकार के मुखिया के पास बार-बार दूर दराज तक न भागना पड़े। सरकार का मुखिया स्वयं जनता के बीच में जा कर जनता के दुख दर्द को सुनता था और जनता के दुख-दर्द और उनकी तकलीफों का समाधान करता था। चौधरी देवी लाल जी सरकार के नौ साल बाद तक कांग्रेस पार्टी की भी सरकार रही और हरियाणा विकास पार्टी की भी सरकार रही लेकिन उन सरकारों ने जनता से कोई सरोकर नहीं रखा। अब माननीय मुख्य मन्त्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने इस योजना को फिर से शुरू किया है। "सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम को शुरू करके सरकार के मुखिया ने स्वयं अपनी जनता के दुख-दर्द को सुना है और उनकी सभी समस्याओं का समाधान भी किया है। कुछ सदस्य कह रहे थे कि कुछ काम शुरू नहीं हुआ है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सभी सदस्यों को बताना चाहूंगा कि जो भी घोषणाएं सरकार द्वारा की गई थीं उन सभी पर काम शुरू हो गए हैं। बहुत से काम ऐसे भी हैं जो पूरे हो चुके हैं। माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने 24 जुलाई 1999 को सत्ता सम्भाली थी इन्होंने जो विकास कार्यों की घोषणाएं की हैं उनके लिए मैं इनका आभार प्रकट करता हूं। इसमें अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट बहाल करना, मार्किट फीस को कम करके एक प्रतिशत करना और चुंगी माफ करना अच्छे काम हैं। एच०आर०डी०एफ० के बारे में कुछ सदस्य कह रहे थे कि इससे किसानों को नुक्सान होता है। मैं इस महकमे से सम्बन्धित हूं। आप सभी को पता है कि दिल्ली के आसपास जितनी भी मण्डियां हैं वे सभी बर्बाद हो रही थी क्योंकि दिल्ली में टैक्स कम थे मार्किट फीस कम थी, हरियाणा में टैक्स ज्यादा थे। जिससे हमारी दिल्ली के आसपास की मण्डियां उजाड़ हो गई थीं। कैप्टन अजय सिंह जी आप रिवाड़ी से सम्बन्ध रखते हैं। आप ही कह रहे थे कि किसानों को इससे नुक्सान होता है। आपकी रिवाड़ी की मण्डी की सबसे ज्यादा बर्बादी का कारण मार्किट फीस का और टैक्सों का सबसे ज्यादा होना था।

श्री अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, जितना भी पैसा एच०आर०डी०एफ० में था वह रूरल डिवेल्पमैंट का जो सैस था उसके द्वारा आया करता था। अब इसके ऊपर दो प्रतिशत इन्होंने खत्म कर दिया तो एच०आर०डी०एफ० के द्वारा पैमैन्ट आफ स्ट्रीट हुआ करती थी, गलियां बना करती थीं, चौपालें बना करती थीं, वह सारा फण्ड इसके कारण खत्म हो जाएगा। मेरा प्वायंट यह था। आप व्यापारी के हिसाब से देख रहे हैं लेकिन मैंने इसको जो बताया उस हिसाब से देख रहा हूं कि किसानों को इससे नुकसान क्या हुआ है। एच०आर०डी०एफ० के फंड से जो सारे काम देहातों में हुआ करते थे, वे सारे काम बंद हो जाएंगे।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह) : कैप्टन साहब, आपको गलतफहमी हो गई है। एच०आर०डी०एफ० का इन्डस्ट्री से डायरैक्ट सम्बन्ध था। जो दाल मिलें थीं वे लगभग हरियाणा से उठकर चली गईं थीं। ये जो सरसों की मिलें थी, दाल की मिलें थीं और गवार गम की मिलें थीं वे खत्म होती जा रही थीं, इन चीजों पर टैक्स 4 प्रतिशत से 1 प्रतिशत किया है। बाकि जहां तक दूसरी चीजों का सवाल है, आप कहते हैं कि गवर्नमैंट आफ इण्डिया खरीदती हैं। जैसे व्हीट को ज्यादातर भारत सरकार खरीदती है, राईस को भारत सरकार खरीदती है उस पर एच०आर०डी०एफ० आलरेडी है। हमने जो किया है उससे रूरल डिवैल्पमैंट पर कोई दिक्कत नहीं आएगी। हम इतने रिसोर्सिज जुटा लेंगे कि पूरी डिवैल्पमैंट होगी आप इसकी चिन्ता न करें। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब आप बैठ जाएं आपका प्वायंट क्लीयर हो गया है।

श्री सम्मत सिंह : आप चिन्ता न करें उससे ज्यादा ही काम होंगे। मांगे राम जी आपके पास बैठें हैं आप इनसे पता कर लें कि रैसमेलाईज करने से और सिम्पलीफिकेशन करने से टैक्स ज्यादा आते हैं।

श्री रामबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि इससे किसानों को कोई नुक्सान नहीं होगा। टैक्स कम करने से किसानों को फायदा ही होगा क्योंकि जो भी व्यापारी हैं वे पर्दे के पीछे टैक्सों का माध्यम निकालकर के किसानों की ऊपज का मूल्य तय करते हैं। जब टैक्स कम होंगे तो किसानों को स्वाभाविक है कि मूल्य अधिक मिलेगा। मण्डियों की जहां तक बात है एच०आर०डी०एफ० और मार्किट फीस मण्डियों से सम्बन्धित है। अभी हमारे माननीय सदस्य श्री कर्ण सिंह दलाल जी जो सदन से बाहर चले गए हैं कह रहे थे कि राई मण्डी में बहुत बड़ा प्रोजैक्ट है उसको शुरू नहीं किया गया है। अध्यक्ष महोदय, वे खुद बंसी लाल जी की सरकार में दो साल तक कृषि मंत्री रहे थे बाद में उनसे वह महकमा लेकर अलग कर दिया गया था। मैं उनसे पूछना चाहूंगा कि अपने कार्यकाल के दौरान उस विकास कार्य को क्यों बंद करवाया ? राई का प्रोजैक्ट साढ़े तीन साल तक बिल्कुल बंद रहा कोई कार्य उस पर नहीं हुआ। ऐसा इन्होंने क्यों किया था। मैं एक बात और मण्डियों के विषय में कहना चाहूंगा कि गुड़गांव में फलावर मार्किट की योजना केन्द्र सरकार की आई थी। अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब ने भी बोलते हुए कहा कि फूल की खेती को ज्यादा बढ़ावा देना चाहिए। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी की पुरानी सरकार में वे कृषि मंत्री स्वयं ही थे। फलावर मार्किट न होने की वजह से वहां के लोग दिल्ली चले गए जबकि यह करोड़ों रुपये का प्रोजैक्ट गुड़गांव की मंडी के लिए आया था। वहां पर फूलों की मंडी बनाने की योजना थी। तावडू और गुड़गांव, पटौदी, फरूखनगर के आसपास के इलाकों में फूलों की बहुत बड़े स्तर पर खेती होती है लेकिन वहां पर इसकी कोई मंडी न होने की वजह से किसानों को बहुत भारी नुक्सान उठाना पड़ रहा है। अब वहां के लोगों को इस काम के लिए दिल्ली जाना पड़ता है क्योंकि वहां ऐसी कोई मंडी नहीं है जहां पर फूलों को रखा जा सके। इसी तरह से अभी अनाज मंडी के बारे में भी बात चल रही थी। चौटाला साहब ने अनाज मंडी में जो आरक्षित प्लाट्स थे उनको देने का काम दोबारा से बहाल किया है जो पुराने लाईसेंस होल्डर्ज थे अब उनको ही प्लाट्स दिए जाएंगे। जबकि पिछली सरकार ने वे बंद कर दिये थे। इसी तरह से चौटाला साहब ने बुढ़ापा पैंशन सौ रुपये से बढ़ाकर दो सौ रुपये कर दी है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जिनके पास अपनी जमीन जायदाद है जिनके पास और साधन हैं उनको तो शायद कोई दिक्कत नहीं है लेकिन जिस गरीब के घर में कोई कमाने वाला नहीं है जिसके पास आमदनी का और कोई साधन नहीं है उसके लिए तो दो सौ रुपये ताऊ के और दो सौ रुपये ताई के यानी चार सौ रुपये बहुत होते हैं इसलिए यह तो एक कल्याणकारी योजना है। अभी बहन अनीता जी जो इस समय यहां पर नहीं है, ने कहा कि 5100/- रुपये की स्कीम एक ढकोसला है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, कन्यादान की योजना एक महत्वपूर्ण योजना है। मैं भारत के बारे में ही नहीं कहता बल्कि दुनिया के बारे में कहना चाहता हूं कि कहीं पर भी इस तरह की कोई योजना नहीं है कि अगर हरिजन की बेटी की शादी हो और सरकार की तरफ से कन्यादान आए। हरियाणा प्रदेश ही एक ऐसा प्रदेश है जहां पर यह योजना लागू की गयी है। इस स्कीम के लागू होने से अब हरिजन भाइयों को अपनी बेटी के हाथ पीले करने के लिए किसी की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। यह हो सकता है कि माननीय सदस्या के हल्के में किसी ने इस बारे में फार्म न भरा हो और इसलिए वे यह सहायता न ले सके हों। इसी तरह से विकलांगों की पैंशन और विधवा पैंशन भी दुगनी की गयी। इसके अलावा मैं मुख्य मंत्री जी को इस बात के लिए भी विशेष बधाई देना चाहूंगा कि उन्होंने जे०बी०टी० और ओ०टी० में एस०सी० लोगों के दाखिला लेने के लिए नम्बर 50 परसैंट से घटाकर 40 परसैंट कर दिए। अब इससे दलित वर्ग के लोगों को दाखिला लेने में बहुत फायदा होगा। जबकि पिछली सरकार ने ये चालीस परसैंट

[श्री रामबीर सिंह]

से पचास परसैंट कर दिए थे। इसी तरह से जहां तक बिजली की बात है सत्ता संभालने के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी केन्द्र से 27 परसैंट अधिक बिजली लेकर आए हैं जिससे अब बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ है। इससे हमारे दक्षिणी हरियाणा में विशेष तौर पर जहां बिजली के अतिरिक्त सिंचाई का कोई दूसरा साधन नहीं है, बहुत फायदा हुआ है। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री महोदय को आपके माध्यम से बधाई देना चाहूंगा। दक्षिणी हरियाणा में इस साल सरसों की फसल इतनी है जितनी शायद पिछले सालों में कभी नहीं हुई होगी यह फसल बिजली मिलने की बजह से ही हुई है। इसी तरह से जहां तक कानून व्यवस्था की बात है, मैं बताना चाहूंगा कि पिछले साल गुड़गांव में एक डकैती पड़ी थी उसमें सहकारी बैंक से चालीस लाख रुपये लूटे गए थे। इसी तरह से 12 लाख रुपये शहर के बीचों बीच एक डाकघर से लूटे गए थे। 8 लाख रुपये फैक्ट्री के मालिक की हत्या करके दिन के दो बजे लूटे गए। भट्ठा मालिक की कार रोककर उस पर गोली चलाकर उससे चार लाख रुपये लूटे गए। किसी भी अपराधी का पता नहीं लगा। यह पिछली सरकार की कारगुजारियां थीं। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करूंगा कि इन्होंने सत्ता संभालते ही कानून-व्यवस्था को ठीक किया। अब गुड़गांव में इस तरह की कोई बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात सरकार से अवश्य कहना चाहूंगा कि फैक्ट्रियों में स्थानीय लोगों के नौकरियों में आने से कानून व्यवस्था ठीक होगी। हमारा क्षेत्र औद्योगिक क्षेत्र है यहां बिहार, उड़ीसा और राजस्थान से लोग आकर नौकरियों में लग जाते हैं और हमारे यहां ऐसा कोई सिस्टम नहीं है कि उनकी पुलिस वैरीफिकेशन होगी या नहीं होगी ? मैं आपके माध्यम से सरकार से यह आग्रह करूंगा कि जितनी भी फैक्ट्रीज हैं उनमें नौकरी के लिए सरकार कोई कमेटी बना दे जो यह फैसला ले कि उनमें 50 या कुछ अधिक प्रतिशत स्थानीय लोगों को नौकरी में रखा जाए। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय देने के लिए आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री शशि रंजन पंवार (मुंढाल खुर्द) : अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर महोदय के अभिभाषण के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सबसे पहले तो हमारे मुख्य मंत्री जी इस बात के लिए बधाई के पात्र हैं कि उन्होंने पूरे देश में एक मिसाल कायम की है। जितने बढ़िया ढंग से उन्होंने अमन और चैन से हरियाणा विधान सभा के चुनाव कराए हैं यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। हमारी हरियाणा प्रदेश की सरकार ने दूसरा जो महत्वपूर्ण कार्य किया वह "सरकार आपके द्वार" था। इससे जो आम जन मानस की समस्याएं थीं उनका उन्होंने मौके पर ही निवारण किया। हम तो अपने हल्के की बात बताते हैं। हमारी सब-तहसील को चौधरी बंसी लाल ने एक झटके में उड़ा दिया था। "सरकार आपके द्वार" के माध्यम से श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने एक ही कलम से उसको बहाल किया है और जो भी हमारे रुके हुए काम थे चाहे वह रिटेनिंग वाल के थे या बाउन्ड्री वाल के थे या हरिजन चौपाल अधूरी पड़ी हुई थीं उन सब कामों को उन्होंने मौके पर जाकर ही पूरा करने के आदेश दिए। जो हमारे पूर्व मुख्य मंत्री थे वे कहा करते थे कि मेरे आदेश थ्री नॉट थ्री की गोली की तरह चलते हैं लेकिन आदेश चौटाला साहब के थ्री नॉट थ्री की गोली की तरह चले और उन आदेशों पर अधिकारियों ने तुरंत अमल किया और हमारे यहां कार्य शुरू हो चुके हैं। इस सरकार ने शहीदों को बहुत सम्मान दिया है। पूर्व सरकार ने शहीदों को सहायता राशि 50 हजार रुपये रो-रोकर देनी शुरू की थी जबकि चौटाला साहब ने शुरू में 5 लाख दिए और फिर उसे बढ़ाकर दस लाख रुपये कर दिए। जो नौजवान सरहदों से सरहद पर लड़ाई लड़ रहे हैं इस कार्य से उनके परिवारों को बहुत अधिक मजबूती मिली है। इसके अलावा जो अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रान्ट थी उसे बहाल करके चौटाला साहब ने दूरदर्शिता और 36 बिरादरियों को साथ लेकर चलने का एक ट्रेलर

दिखाया है जो हमारे पूर्व मुख्य मंत्री नहीं कर पाए। एक ही झटके में यह सारे कार्य इन्होंने किए इनकी सोच हमेशा 36 बिरादरियों को साथ लेकर चलने की रही है। हमारे नौजवान साथियों की जो बड़ी भारी दिक्कत थी उनकी दिक्कत को हमारी सरकार ने पिछले 7 महीने में ही पूरा कर दिखाया है जिसे पूर्व सरकार 5-6 साल में नहीं कर पाई। सरकारी नौकरियों में प्रवेश की आयु सीमा 35 साल से बढ़ाकर 40 साल की गई है इससे इनकी सोच झलकती है कि ये बेरोजगारों को रोजगार देना चाहते हैं। पिछली सरकारों ने हमारे नौजवान साथियों का भट्ठा बिठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के दौरान शराबबंदी लागू होने पर नौजवान साथी शराब के धन्धे में लग गये थे और पूरे हरियाणा प्रदेश में उग्रवाद पनप गया था। चौटाला साहब के मुख्य मंत्री बनने के बाद उग्रवाद पर काफी कंट्रोल हुआ है तथा लॉ एण्ड आर्डर की हालत प्रदेश में पहले से अच्छी हुई है इसके लिए हमारे मुख्य मंत्री जी और हमारी सरकार बधाई की पात्र है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि हमारे भिवानी जिले में कोई मैडीकल कालेज नहीं है और यह मांग हमारे जिले की काफी पुरानी है। चौधरी बंसी लाल जी जब भी मुख्य मंत्री बने तभी भिवानी जिले को यह आशा होती थी कि वे भिवानी जिले की इस मांग को जरूर पूरा करेंगे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसलिए हमारी इस मैडीकल कालेज की मांग को जल्दी पूरा किया जाये। ऐसा मेरा माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है। इसके साथ ही मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

श्री रमेश कुमार खटक (बड़ौदा, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने जो अभिभाषण इस सदन में पेश किया और सरकार के जो किए जाने वाले काम उसमें दर्शाये गये हैं मैं उनका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। इस सरकार ने जिस हौसले से काम किए हैं उसका पहला प्रमाण तो यही है कि जनता ने बहुमत के साथ उन्हें विधानसभा में जितवा कर भेजा है। इसी से जाहिर हो जाता है कि लोग यह सोचने लग गये हैं कि अगर हम चौटाला साहब को राज सौंप दें तो हमें वे दिन नहीं देखने पड़ेंगे जो पिछले मुख्यमंत्रियों के समय देखने पड़े थे। इसमें चाहे बिजली का मामला हो, चाहे किसानों को सुविधाएं देने का मामला हो, चाहे हरिजन, बैकवर्ड क्लास को मदद देने के बारे में मामला हो, चाहे गांवों की गलियों को पक्का करने का मामला हो, चाहे चौपाल बनाने का मामला हो, इन सब कामों को केवल चौटाला साहब ही पूरा कर सकते हैं और उनका उदाहरण उन्होंने 'सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' के तहत पूरा करके दिखा दिया है। मैं पिछली सरकार के समय का एक उदाहरण देना चाहता हूं। जब इस प्रदेश में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी तो मैंने अपने हल्के की चौपाल तथा गलियों को पक्का करने का काम करवाने बारे चौधरी बंसी लाल जी को कहा था लेकिन उन्होंने मेरी इस बात को अनदेखा कर दिया और मेरे हल्के का कोई काम नहीं करवाया। इसी तरह चौधरी भजन लाल जी की सरकार में भी मेरे हल्के का कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने भी मेरे हल्के के साथ अनदेखी की लेकिन जब से चौटाला साहब मुख्यमंत्री के रूप में आए और उन्होंने खुले दरबार लगाए तो उन खुले दरबारों में मेरे हल्के के लोगों ने कहा कि अब वाकई में ही हमारी सरकार आई है। हरियाणा में सरकार आई है तो अब आई है। यदि कोई भी देश या प्रदेश आगे बढ़ा है तो वह अपने देश के जवानों के सहयोग से ही आगे बढ़ा है। जिस देश की सीमा कमजोर होगी, जिस प्रदेश की सीमा कमजोर होगी वह देश, वह प्रदेश कभी आगे नहीं बढ़ सकता। हमारे देश में कारगिल की लड़ाई हुई और उस लड़ाई में जो नौजवान शहीद हुए चाहे वे 36 कौमों में से किसी भी कौम के रहे हों और जिन्होंने हमारे देश के लिए हंसते-हंसते अपनी जान दे दी और अपने प्राणों का बलिदान कर दिया उन शहीदों के परिवार वालों को चौटाला साहब ने 5-5 लाख रुपये की बजाय 10-10 लाख रुपये देने की घोषणाएं की। इसके अलावा चौ० देवी लाल ने अपने

[श्री रमेश कुमार खटक]

कोष में से शहीदों के परिवार वालों को 2-2 लाख रुपये दिए। इतना ही नहीं चौटाला साहब ने शहीदों की विधवाओं को 10-10 लाख रुपये के अतिरिक्त उनके मां-बाप को भी सहारा देने के लिए ढाई लाख रुपये प्रत्येक शहीद की मां को और ढाई लाख रुपये पिता को देने का भी काम किया। इसी प्रकार पिछली सरकार में बंसी लाल ने बहन भाई के रिश्ते को खत्म करने का काम किया लेकिन चौटाला साहब ने इस रिश्ते को कायम करने का काम किया। अध्यक्ष महोदय, अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट चौ० भजन लाल जी ने बन्द कर दी और बंसी लाल जी ने भी उसको लागू नहीं किया लेकिन चौटाला साहब ने उस ग्रांट को फिर से बहाल करने का कार्य किया।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट ऑफ आर्डर है। माननीय सदस्य गैर जिम्मेदाराना बात कह रहे हैं इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट चौधरी भजन लाल जी के टाइम में बन्द नहीं हुई थी बल्कि चौधरी बंसी लाल जी के टाइम में बन्द हुई थी।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष मोहदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि अग्रोहा मैडीकल कालेज की तीन ग्रांट में से एक ग्रांट को भजन लाल जी ने बन्द किया था और बाकि दो को बंसी लाल जी ने बन्द कर दिया था। ये मैं अपनी तरफ से नहीं कर रहा हूं बल्कि ये रिकार्ड की बात है क्योंकि मैं अग्रोहा मैडीकल कालेज का पैटर्न भी रहा हूं और ट्रस्टी भी हूं।

श्री मांगे राम गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि अगर चौधरी भजन लाल जी ने इस ग्रांट को बन्द किया था तो इन्होंने उस समय ऐतराज क्यों नहीं किया था।

श्री सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने उस समय इस बात पर ऐतराज किया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह रिकार्ड की बात है, इसमें आप क्यों बहस करते हैं आपकी बिरादरी के लिए तो ये दोनों ही कसाई थे।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने आते ही अपनी कलम से अग्रोहा मैडीकल कालेज की ग्रांट बहाल करके सराहनीय काम किया। इसी प्रकार आदरणीय चौ० देवी लाल ने बुजुर्गों के लिए 100/- रुपये पैंशन लागू की थी, चौटाला साहब ने उस पैंशन को बढ़ाकर 200/- रुपये करने का फैसला किया और इसको लागू किया। इसी प्रकार इन्होंने विधवाओं और विकलांगों को भी 200/- रुपये पैंशन देने का महत्वपूर्ण काम किया। इसी प्रकार किसी हरिजन की लड़की की शादी होती है तो उसमें 5100/- रुपये कन्यादान के रूप में देने का काम किया। हमारे इलाके में कोई शूगर मिल नहीं थी। चौटाला साहब ने हमारे इलाके में 55 करोड़ रुपये की लागत से एक शूगर मिल बनाने का काम किया। इसके लिए मैं चौटाला साहब का धन्यवाद करता हूं।

Mr. Speaker : Now, the House stands adjorned till 11.00 A.M. on Monday, the 13th March, 2000.

*18.30 hrs. (The Sabha then *adjourned till 11.00 A.M. on Monday, the 13th March, 2000.)

31838–H.V.S.–H.G.P., Chd.